हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 15 सितंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 202, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल सेमीकॉन इंडिया 2026 का पांचवां संस्करण 17 से 19 सितंबर तक यहां के यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को इस तीन दिवसीय आयोजन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से जुड़े वैश्विक उद्योग जगत, नीति-निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप और विद्यार्थी एक मंच पर जुटेंगे। भारत सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और वैश्विक सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग संगठन के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'सिलिकॉन टू सिस्टमः बिल्डिंग द इकोसिस्टम' रखी गई है। इसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा और पूरी वैल्यू चेन में देश की बढ़ती क्षमताओं को दुनिया के सामने रखना है। सेमीकॉन इंडिया 2026 में 600 से अधिक प्रदर्शक, जिनमें करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल

हैं, हिस्सा लेंगी। 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और कंपनियां यहां पहुंचेंगी। करीब 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित प्रदर्शनी में 150 से अधिक प्रमुख वक्ता अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। आयोजन में छह देश और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन भी होंगे। इस बार प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण 'सैंड टू सिलिकॉन टू सिस्टम वैल्यू चेन एक्सपीरियंस' होगा। इसके जरिए आगंतुकों को सेमीकंडक्टर क्षेत्र की पूरी यात्रा को एक साथ समझने का अवसर मिलेगा। इसमें सेमीकंडक्टर सामग्री और निर्माण से लेकर एडवांस्ड पैकेजिंग, चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम तक भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में एक स्टार्टअप पवेलियन, इनोवेशन शोकेस, स्टार्टअप प्रतियोगिता, स्टूडेंट हैकाथॉन और वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन भी होंगे। स्टार्टअप पवेलियन में करीब 40 स्टार्टअप अपने उत्पाद और नवाचार प्रदर्शित करेंगे। वहीं वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन के जरिए माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कौशल, प्रतिभा और रोजगार के अवसरों पर फोकस किया जाएगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन की मजबूती, एडवांस्ड पैकेजिंग, सेमीकंडक्टर सामग्री और उपकरण, चिप डिजाइन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, स्टार्टअप, इनोवेशन और टैलेंट डेवलपमेंट जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसमें छह अंतरराष्ट्रीय कंट्री राउंडटेबल, महिला सशक्तीकरण एवं नेतृत्व पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में चिप उद्योग से जुड़ी कई प्रमुख वैश्विक और भारतीय कंपनियों की भागीदारी अपेक्षित है। इससे कंपनियों के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग, साझेदारी और सप्लाई-चेन से जुड़े अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सेमीकॉन इंडिया ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम में परियोजनाओं की मंजूरी से आगे बढ़कर उत्पादन की दिशा में काम हो रहा है। सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार ने देश में मजबूत और लचीला सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने के लिए 12 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें से सेमीकॉन 1.0 के तहत मंजूर 12 परियोजनाओं में से तीन ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए सेमीकॉन 2.0 को भी मंजूरी दी है, जिसमें छह प्रमुख स्तंभों के माध्यम से इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और दूरसंचार जैसी तकनीकों के विस्तार के साथ सेमीकंडक्टर की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारत अपने बड़े घरेलू बाजार, कुशल पेशेवरों, सरकारी नीतियों और बढ़ते वैश्विक निवेश के आधार पर सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण, रिसर्च और इनोवेशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पीएम ने गणेश चतुर्थी पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दी और उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नया उत्साह भरे। उनकी कृपा से सभी कार्य सफल हों और देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर संस्कृत के एक श्लोक को साझा करते हुए लिखा, "मुदाकरात्तमोदकं सदा विमुक्तिसाधकं कलाधरावतंसकं विलासिलोकरक्षकम्। अनायकैकनायकं विनाशितेभदैत्यकं, नताशुभाशुनाशकं नमामि तं विनायकम्।। जिसका भावार्थ है कि जिनके कर कमलों में मोदक सुशोभित है, जो सदैव मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिन्होंने चंद्रमा को अपने मस्तक का आभूषण बनाया है, जो संपूर्ण जगत् के रक्षक हैं और संपूर्ण ब्रह्मांड के एकमात्र स्वामी हैं, जिन्होंने गजासुर राक्षस का संहार किया और जो अपने भक्तों को समस्त कष्टों से शीघ्र ही मुक्त कर देते हैं उन भगवान श्रीविनायक को मैं प्रणाम करता हूं।"

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में दावा- एलएसी पर चीनी सेना की तैनाती में आई कमी

रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय वार्ता में भले ही सीमा विवाद का मुद्दा न उठा हो, लेकिन रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीनी सेना की तैनाती में काफी कमी आने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और चीन के बीच राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत से उत्तरी सीमाओं पर सकारात्मक विकास हुआ है। साथ ही रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया है। यह रिपोर्ट चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट से घर लौटने के एक दिन बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने 2025-26 के लिए अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि भारतीय सेना ने उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित किया। भारत और चीन के बीच राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य स्तर पर आपसी बातचीत से भी अच्छे संबंध विकसित हुए, जिससे स्थिरता आई। रिपोर्ट में दोनों देशों के बीच बढ़े हुए राजनयिक और सैन्य

जुड़ाव के बारे में बताते हुए कहा गया है कि दोनों देश दुश्मनी के बजाय पार्टनरशिप और शांति से मतभेदों को सुलझाने की प्रतिबद्धता चाहते हैं। यह भी बताया गया है कि भारत के लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) और ट्रेनिंग एरिया में 10 ब्रिगेड साइज की सेना तैनात करने के कदम के बाद उत्तरी बॉर्डर पर चीनी सेना की तैनाती में काफ़ी कमी आई है। सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी के साथ सभी सेक्टर में भारतीय सेना अच्छी तरह से तैनात और किसी भी अचानक आने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वर्ष 2025 में उत्तरी मोर्चे पर पूरी स्थिति के बारे में बताते हुए रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अलग-अलग लड़ाकू ब्रांच जैसे पैदल सेना, टैंक, आर्टिलरी और एयर डिफेंस एक ही छत के नीचे स्वतंत्र रूप से और सबसे असरदार तरीके से लड़ने के लिए तैनात हैं। साल 2025 में उत्तरी बॉर्डर के दूसरी तरफ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में काफी कमी देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च और जुलाई 2025 में वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोआर्डिनेशन (डब्ल्यूएमसीसी) की 33वीं और 34वीं राउंड की बैठक के साथ नए सिरे से बातचीत हुई। इसके अलावा इस साल भारत-चीन सीमा के सवाल को सुलझाने के लिए स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स की बातचीत भी फिर से शुरू हुई, जिसके दो राउंड दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुए। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले साल अगस्त में तियानजिन में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट के लिए चीन गए थे। इससे पहले राष्ट्रपति जिनपिंग ब्रिक्स समिट के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे। शनिवार को ब्रिक्स समिट के दौरान मोदी और शी के बीच हुई बातचीत में कई मुद्दों पर बात हुई, जिसमें उनका व्यापार घाटा कम करना, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटना और बहुपक्षीय मंच पर फेयर ट्रेड पक्का करना शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स के बाद चीन ने ताइवान को लेकर अमेरिका को दी चेतावनी

बीजिंग। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत से रवाना होते ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने

अमेरिका के सामने ताइवान को लेकर एक नई और गंभीर चुनौती पेश कर दी है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, चीन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है कि ताइवान उसके लिए रेड लाइन है और अगर अमेरिका ताइवान को हथियारों की नई खेप देने की मंजूरी देता है, तो 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में प्रस्तावित ट्रंप-जिनपिंग मुलाकात रद्द हो सकती है। भारत से निकलते ही जिनपिंग ने वॉशिंगटन की ओर ऐसा दांव चला है, जिसने ट्रंप के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया हैः ताइवान को हथियार दें या जिनपिंग के साथ महत्वपूर्ण बैठक बचाएं? शी जिनपिंग रविवार को नई दिल्ली से रवाना हुए। उन्होंने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की, जो सात साल बाद उनकी भारत यात्रा थी। लेकिन भारत से निकलने के तुरंत बाद ताइवान को लेकर सामने आई इस खबर ने चीन-अमेरिका रिश्तों की दिशा पर सभी का ध्यान खींच लिया है। जानकारी के मुताबिक, चीन ने ट्रंप प्रशासन को यह संकेत दिया है कि ताइवान के लिए प्रस्तावित अमेरिकी हथियार सौदा आगे बढ़ने पर जिनपिंग 24 सितंबर की बैठक रद्द कर सकते हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन और भारत की होगीः यूएस अर्थशास्त्री

वॉशिंगटन। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को लेकर जहां एक तरफ दुनिया हैरान है, वहीं अमेरिका

के जाने-माने अर्थशास्त्री और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने एक बड़ा दावा किया है। उनके मुताबिक, आने वाले दशकों में भारत और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं बन सकते हैं। इस संभावित बदलाव से वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र एक बार फिर दक्षिण एशिया की ओर लौट सकता है, जो इतिहास में लंबे समय तक आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। एक इंटरव्यू में जेफ्री सैक्स ने कहा कि भारत और चीन के बीच बेहतर सहयोग दुनिया को एक ऐसी व्यवस्था की ओर ले जा सकता है, जहां किसी एक देश का आर्थिक या राजनीतिक दबदबा नहीं होगा। उनके आकलन के अनुसार, अगले 25 साल से भी कम समय में भारत और चीन दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शुमार हो सकते हैं। ऐसा होने पर अमेरिका आर्थिक ताकत के मामले में तीसरे पायदान पर खिसक सकता है। जेफ्री सैक्स ने भारत की ताकत का लोहा मानते हुए कहा कि इस सदी के किसी भी चरण में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की पूरी क्षमता रखता है। उन्होंने भारत की बढ़ती आबादी और चीन में जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार कम होने को इस बदलाव का एक अहम कारण माना है। उनके मुताबिक, भारत की तेज आर्थिक वृद्धि आने वाले समय में देश की वैश्विक स्थिति को और मजबूत कर सकती है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरेगा।

नेपाल को राहतः भारत ने 31 दिसंबर तक 18 घंटे बिजली के निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे नेपाल की मदद के लिए भारत ने बिजली निर्यात बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने नेपाल विद्युत प्राधिकरण को 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। मंत्रालय के अनुसार, मुजफ्फरपुर-ढालकेबर 400 केवी डीसी लाइन के जरिए नेपाल को अधिकतम 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा टनकपुर-महेंद्रनगर 132 केवी एस-सी लाइन के माध्यम से 54 मेगावाट तक बिजली भेजी जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2027 से बिजली निर्यात की मात्रा और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। इससे नेपाल की बिजली जरूरतों और उपलब्धता के आधार पर आगे की व्यवस्था तय करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि हाल में नेपाल में आई भीषण बाढ़ से जलविद्युत अवसंरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके चलते घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ और देश में बिजली संकट गहरा गया। ऐसे समय में भारत से अतिरिक्त बिजली आपूर्ति नेपाल की तत्काल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय संकट की स्थिति में नेपाल को आवश्यक ऊर्जा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच भरोसेमंद और दीर्घकालिक ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग तथा पड़ोसी देश को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है।

हिंदी दूसरी भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, संवाद और एकता की कड़ीः शाह

भाषाई विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत; मातृभाषा से जुड़े रहने की युवाओं से अपील

एजेंसी। नई दिल्ली

हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भारत की भाषाई विविधता को देश की बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत में बोली जाने वाली अलग-अलग भाषाएं किसी कमजोरी का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता में एकता की भावना को मजबूत करती हैं। अमित शाह ने कहा कि प्रत्येक भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं, संस्कृति और दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया लेकर चलती है। भाषाओं की यही विविधता

नई पीढ़ी के मूल्यों को आकार देने के साथ भारतीय समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखती है। गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी का उद्देश्य देश की अन्य भारतीय भाषाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। हिंदी अलग-अलग भाषाई समुदायों के बीच संवाद स्थापित करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि अलग-अलग मातृभाषाएं बोलने वाले लोगों ने हिंदी को व्यापक संवाद की भाषा बनाने में योगदान दिया है।

दुनिया की भाषाएं सीखें, मातृभाषा को न छोड़ें : अमित शाह ने युवाओं से अपील की कि वे दुनिया की अधिक से अधिक भाषाएं सीखें, लेकिन अपनी मातृभाषा से दूरी न बनाएं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ अपनी मातृभाषा में बातचीत करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में किसी को हीन भावना नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के आह्वान में भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भाषा और आत्मसम्मान को जोड़ते हुए राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किए जाने तथा नए कानूनों के भारतीय भाषाओं में उपयोग का भी उल्लेख किया।

लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री ने ज्योति-जोत दिवस पर गुरु रामदास को किया नमन

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सिख धर्म के चौथे गुरु, गुरु रामदास की ज्योति-जोत दिवस पर उन्हें नमन किया। ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, "सिख धर्म के चौथे गुरु, गुरु रामदास को उनके 'ज्योति-जोत' दिवस के अवसर पर हम उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से सेवा, सिमरन और मानवता का मार्ग रोशन किया। गुरु रामदास का जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और भक्ति का एक अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने संगत को प्रेम, समानता और निस्वार्थ सेवा का संदेश देकर एक ऐसी आध्यात्मिक परंपरा को मजबूत किया जिसमें पूरी मानवता का कल्याण सर्वोपरि है। गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी हमें मानवता की सेवा करने और समाज में प्रेम व सद्भाव को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती हैं। अमित शाह ने कहा कि सेवा, भक्ति और सामाजिक सद्भाव की पवित्र ज्योति जलाकर, गुरु रामदास ने सभी को प्रेम, एकता और निस्वार्थ सेवा का संदेश दिया। अमृतसर की स्थापना और श्री हरिमंदिर साहिब की नींव रखकर उन्होंने आध्यात्मिक विरासत को समृद्ध किया।

डीआरआई ने पाकिस्तान मूल के 362 मीट्रिक टन से अधिक छुहारे किए जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पाकिस्तान से आयात पर लगे प्रतिबंध को दरकिनार करने की कोशिश का भंडाफोड़ करते हुए पाकिस्तान मूल के 362 मीट्रिक टन से अधिक छुहारे (ड्राई डेट्स) जब्त किए हैं। यह कार्रवाई डीआरआई के विशेष अभियान 'ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट' के तहत की गई। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने नासिक के अंबड स्थित कंटेनर फ्रेट स्टेशन पर मुंबई की एक कंपनी द्वारा आयात किए गए छुहारों से भरे 13 कंटेनरों को रोका। आयात से संबंधित दस्तावेजों में माल का मूल देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) बताया गया

था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि माल के वास्तविक स्रोत को छिपाने के लिए सुनियोजित तरीके से ट्रांस-शिपमेंट का सहारा लिया गया था। जांच के अनुसार, ये छुहारे पहले पाकिस्तान के कराची बंदरगाह से यूएई के जेबेल अली बंदरगाह भेजे गए। इसके बाद वहां माल को केवल दूसरे कंटेनरों में स्थानांतरित कर भारत भेज दिया गया। जांच में यह भी पता चला कि इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा संचालित कुछ संस्थाओं की भूमिका थी।

महंगाई ने फिर बढ़ाई चिंता, अगस्त में थोक दर 9.92 प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में थोक महंगाई लगातार दूसरे महीने बढ़ी है। अगस्त 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई, जबकि जुलाई में यह 9.78 प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों तथा ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी महंगाई बढ़ने की प्रमुख वजह रही। अगस्त में खाद्य वस्तुओं के सूचकांक में महंगाई दर 7.05 प्रतिशत रही, जो जुलाई के 6.65 प्रतिशत से अधिक है। इसका सीधा असर रोजमर्रा की खाद्य जरूरतों की कीमतों पर पड़ा है।

खाद्य वस्तुओं, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों और ईंधन-बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ा डब्ल्यूपीआई

मंत्रालय के अनुसार मिनरल ऑयल, खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के निर्माण, बेसिक मेटल्स, गैर-खाद्य वस्तुओं तथा रसायन और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में वृद्धि ने थोक महंगाई को ऊपर पहुंचाया। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में डब्ल्यूपीआई महंगाई दर जुलाई के 8.29 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 8.37 प्रतिशत हो गई। वहीं, ईंधन और बिजली समूह में थोक महंगाई दर 22.93 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे औद्योगिक उत्पादन और परिवहन लागत पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है। महंगाई में बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरक की कीमतों में तेजी को भी महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति संबंधी व्यवधानों के चलते ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ा है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले महीने नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा था।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर मदद के लिए 1033 हेल्पलाइन को अत्याधुनिक बनाया जाएगा

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को बेहतर और तेज सहायता उपलब्ध कराने के लिए 1033 हेल्पलाइन को नई तकनीक से लैस करने जा रहा है। उन्नत प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रियल टाइम लोकेशन ट्रैकिंग और स्मार्ट आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि नई व्यवस्था के तहत हेल्पलाइन कॉल करने वाले की लोकेशन की पहचान कर सकेगी, विभिन्न भारतीय भाषाओं में बातचीत समझ सकेगी और जरूरत के अनुसार तेजी से सहायता उपलब्ध कराएगी। हालांकि आपातकालीन स्थितियों में मानव ऑपरेटर की भूमिका पहले

की तरह बनी रहेगी। मंत्रालय के अनुसार 1033 हेल्पलाइन वर्ष 2018 से संचालित है और चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। इसके माध्यम से चिकित्सकीय आपात स्थिति, वाहन खराब होने, एम्बुलेंस, क्रेन और पेट्रोलिंग वाहन की सहायता, टोल प्लाजा और फास्टैग संबंधी शिकायतों समेत राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। वर्तमान में यह हेल्पलाइन 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को कवर करती है और रोजाना लगभग 15 हजार कॉल प्राप्त करती है। नई प्रणाली में सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। इसके अलावा कॉलर की लोकेशन की स्वतः पहचान, विभिन्न भारतीय भाषाओं में एआई आधारित सहायता, जरूरत के अनुसार एम्बुलेंस या अन्य संसाधनों की त्वरित तैनाती, यात्रियों को समय पर अलर्ट और आपातकालीन सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। एनएचएआई की प्रवर्तित कंपनी भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने अगली पीढ़ी की 1033 हेल्पलाइन और कॉल सेंटर के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए इच्छुक कंपनियों से आवेदन मांगे हैं। इसके लिए सॉफ्टवेयर विकास, डिजिटल मंच, चौबीसों घंटे कॉल सेंटर संचालन और आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं का अनुभव रखने वाली कंपनियों को आमंत्रित किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति भारतीय पेमेंट सिस्टम देख हुए गदगद

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भारतीय पेमेंट सिस्टम की जमकर तारीफ की है और

इसे एक कमाल का अनुभव बताया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान, उन्होंने एक व्यक्तिगत अनुभव साझा किया जिसने उन्हें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली की दक्षता का कायल बना दिया। रामाफोसा ने बताया कि उन्होंने स्थानीय बाजार से किताबें खरीदीं और अपने कार्ड से भुगतान किया। खास बात यह थी कि यह भुगतान भारतीय रुपये में हुआ, जो अंततः उनके दक्षिण अफ्रीकी रैंड खाते से सेटल हुआ। उस समय, लगभग 1 रुपए की कीमत 5.93 दक्षिण अफ्रीकी रैंड के बराबर थी। पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति रामाफोसा ने कहा कि उन्होंने इस अनुभव को बेहतरीन पाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस बारे में बात की। उन्होंने स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के ब्रिक्स देशों के साझा लक्ष्य के संदर्भ में इस प्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा, हमने स्थानीय मुद्रा भुगतान प्रणाली में रुचि पर चर्चा की है, और हमारे केंद्रीय बैंक इस पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

भाजपा नशे व गैंगस्टरवाद के खिलाफ पंजाब में निकालेगी चार यात्राएं

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के युवाओं को नशे की लत से मुक्त कराने के

लिए नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ अभियान को तेज करने का फैसला किया है। भाजपा 18 सितंबर से नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत करेगी। भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय के प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि पार्टी लगातार नशे, रंगदारी और गैंगस्टरों के राजनीतिकरण के खिलाफ आवाज उठाती रही है। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पंजाब में चार यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं की शुरुआत अलग-अलग स्थानों से होगी। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को पठानकोट से यात्रा का शुभारंभ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे। 19 सितंबर को फतेहगढ़ साहिब से निकलने वाली यात्रा का शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। इसी क्रम में 20 सितंबर को फाजिल्का से यात्रा शुरू होगी, जिसका नेतृत्व केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मेघदूत भवन में 'हिन्दी पखवाड़ा 2026' का भव्य शुभारम्भ

पटना। बिहार डाक परिमण्डल के मुख्यालय 'मेघदूत भवन' के सभागार कक्ष में आज दिनांक 14.09.2026 को 'हिन्दी पखवाड़ा' का औपचारिक एवं गरिमामय शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मुख्य डाक महाध्यक्ष, बिहार परिमण्डल, पटना के कर कमलों द्वारा पारम्परिक दीप प्रज्वलित कर किया गया।समारोह में डाक निदेशक (मुख्यालय) की गरिमामय उपस्थिति रही। साथ ही सर्किल कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह हिन्दी पखवाड़ा 14 से 30 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता और हिन्दी भाषा के प्रति अभिरुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। , उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्य डाक महाध्यक्ष ने हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक और व्यावहारिक महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा है, बल्कि यह जन-जन को आपस में जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी भी है। डाक विभाग का सीधा जुड़ाव आम जनता से होता है, ऐसे में हिन्दी में कार्य करने से आम लोगों तक सरकारी सेवाओं की पहुँच और अधिक सहज तथा पारदर्शी बनती है। उन्होंने सर्किल कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा अपने दैनिक शासकीय कार्यों में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करने का आह्वान किया। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पूरे पखवाड़े के दौरान कार्यालय में राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी।

एकदिवसीय चयन प्रतियोगिता किलकारी पटना में संपन्न

पटना। बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में एकदिवसीय बॉल बैडमिंटन चयन प्रतियोगिता (पुरूष वर्ग) आज किलकारी,बिहार बाल भवन,सैदपुर,पटना में संपन्न हुआ। जिसमें राज्यभर के विभिन्न जिलों के 62 पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस एकदिवसीय पुरूष बॉल बैडमिंटन चयन प्रतियोगिता का उदघाटन खेल विशेषज्ञ प्रेमचंद झा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।अतिथियों का स्वागत बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने एवं धन्यवाद ज्ञापन पटना जिला बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव श्रीमोद पाठक ने किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव मिताली मित्रा,राकेश रंजन,बादल कुमार,राष्ट्रीय प्रशिक्षक आंध्र प्रदेश के मोहन राव कोडी,किलकारी की सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सृष्टि कुमारी उपस्थित थे। जबकि 33वीं बिहार राज्य सीनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप (महिला वर्ग) का आयोजन कल (15 सितंबर) से गांधी मैदान,मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) में किया जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने बताया कि चैंपियनशिप का उदघाटन अपराहन 3.00 बजे जिलाधिकारी मोतिहारी सौरव सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक मोतिहारी स्वर्ण प्रभात करेंगे। विशिष्ट अतिथि पुलिस उपाधीक्षक मोतिहारी सदर दिलीप कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी अरुण तिवारी,जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरि,जिला शिक्षा पदाधिकारी विकास कुमार होंगे। चैंपियनशिप को सफल बनाने हेतु मुख्य प्रायोजक रूट प्योर के सीनियर एडवाइजर सोहन कुमार सिंह,विजय जायसवाल, पूर्व एमएलए ई.शशिभूषण सिंह,उद्योगपति यमुना सिकारिया,आयोजन समिति सदस्य अमरेंद्र सिंह,विनय सिंह,रमेश कुमार भोलाजी,अरुण सिंह,मुन्ना गिरी,राकेश सिंह,गौतम राणा के देखरेख में सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

सोशल मीडिया सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम : प्रो. शांडिल्य

पटना। हिंदी दिवस के अवसर पर टी. पी. एस. कॉलेज, पटना के हिंदी विभाग एवं कदअउ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को कौटिल्य सभागार में सोशल मीडिया के दौर में हिंदी भाषा : चुनौतियाँ और संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने की। मुख्य वक्ता, वरिष्ठ पत्रकार, ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ भाषा के प्रति जिम्मेदारी भी आवश्यक है। सोशल मीडिया पर बढ़ते अमर्यादित एवं आपत्तिजनक भाषा-प्रयोग को उन्होंने सामाजिक और भाषायी संस्कारों के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों की भाषा संयमित, शालीन, तथ्यपरक और गरिमामय होनी चाहिए। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञान, अध्ययन, रोजगार, रचनात्मकता एवं जनजागरूकता के लिए करने की सलाह देते हुए उन्होंने मोबाइल और इंटरनेट के विवेकपूर्ण उपयोग पर भी जोर दिया। प्रो शांडिल्य ने कहा कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सूचना, ज्ञान, संवाद और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने हिंदी को व्यापक मंच और नई ऊर्जा प्रदान की है। हालांकि हिंदी को अंग्रेजी की प्रतिस्पर्धा, रोमन लिपि में हिंदी लिखने की प्रवृत्ति, भाषायी अशुद्धियों, फेक न्यूज तथा अभिव्यक्ति की मयार्दा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाषा हमारी सोच, संस्कृति और सामाजिक चेतना का दर्पण है, इसलिए डिजिटल माध्यमों पर हिंदी के प्रयोग में शुद्धता, गरिमा और जिम्मेदारी आवश्यक है।

राष्ट्रीय गाद प्रबन्धन नीति समय की मांग : राजीव रंजन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने जारी बयान में कहा कि गाद प्रबंधन और फरक्का बराज पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दृष्टिकोण पिछले कई वर्षों से बिहार की बाढ़ गंगा की अविरलता और जल-अधिकार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है।उन्होंने कहा कि जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा द्वारा राज्यसभा में पिछले दिनों फरक्का जल संधि के नवीनीकरण के विरोध में दिए गए बयान के बाद गाद प्रबंधन का मुद्दा भी एक बार फिर चर्चा में है। नीतीश कुमार ने गंगा में गाद को बिहार की बाढ़ का प्रमुख कारण माना।उनका लगातार तर्क रहा है कि गंगा में बड़े पैमाने पर गाद जमा होने से नदी की जलधारण क्षमता और प्रवाह की गहराई घटती है। परिणामस्वरूप अधिक पानी आने पर नदी का पानी आसपास के क्षेत्रों में फैलता है और बाढ़ की समस्या गंभीर होती है। अगस्त 2016 में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब तक गाद प्रबंधन का समाधान नहीं होगा, तब तक नमामि गंगे जैसी योजनाओं का उद्देश्य पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार केवल बिहार के स्तर पर गाद हटाने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक राष्ट्रीय गाद प्रबन्धन नीति बनाने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने नीतीश कुमार को एक विजनरी लीडर बताते हुए कहा कि उनके विचार का मूल आधार यह है कि नदी में गाद आने के स्रोत और उसके प्राकृतिक प्रवाह का वैज्ञानिक अध्ययन हो साथ ही गाद के जमाव से नदी की क्षमता कम होने की समस्या का समाधान किया जाए। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने वाली संरचनाओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन हो। बाढ़ नियंत्रण को केवल तटबंध बनाने तक सीमित न रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने बिहार में दो दिवसीय हिन्दी साहित्य समागम आयोजित करने का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज हिन्दी दिवस के अवसर पर नेहरू पथ स्थित बिहार राज्य अभिलेख भवन, सभागार में मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस समारोह-सह-कवि सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, सभ्यता और हमारी समृद्ध साहित्यिक परंपरा की अभिव्यक्ति है। हमें हिन्दी के गौरव को समझते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी दुनिया में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह दुनिया में तीसरी प्रयोग की जानेवाली भाषा है। यह हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिन्दी साहित्य को समृद्ध बनाने में बिहार की धरती के अनेक महान साहित्यकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विद्यापति, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी, जनकवि नागार्जुन जैसे साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिन्दी साहित्य को नई ऊंचाइयां प्रदान की और समाज को दिशा दिया। मैं उन सभी विभूतियों को नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपनी भाषा, संस्कृति और सभ्यता की पहचान को देश की सीमाओं से बाहर दुनिया भर में पहुंचाएं। हिन्दी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने में देश के अनेक महान नेताओं का योगदान रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व० अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से हिन्दी में संबोधन कर हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर गौरव प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हिन्दी में भारत की बात दुनिया के सामने रखते हैं। ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मंच पर हिन्दी में संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी के साहित्यिक और सांस्कृतिक विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार में दो दिवसीय हिन्दी साहित्य समागम का आयोजन किया जाएगा।

महाराष्ट्र मण्डल द्वारा आयोजित श्रीगणेश उत्सव पूजा में शामिल हुये मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी महाराष्ट्र मण्डल द्वारा सरपेंटाईन रोड, दारोगा प्रसाद राय पथ पटना में आयोजित श्रीगणेश उत्सव पूजा में शामिल हुये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीगणेश से प्रदेशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। महाराष्ट्र मण्डल के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्प-गुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया गया। साथ ही उन्हें पगड़ी भी पहनाया गया। मुख्यमंत्री ने श्रीगणेश उत्सव पूजा के आयोजन के लिये महाराष्ट्र मण्डल के सदस्यों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर शुभकामनायें देते हुये कहा कि भगवान श्रीगणेश सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता प्रदान करें तथा बिहार निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े। इस अवसर पर सिविल विमानन विभाग के सचिव डॉ नीलेश रामचन्द्र देवरे, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक, मुख्यमंत्री सचिवालय के संयुक्त सचिव श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर सहित महाराष्ट्र मण्डल के सदस्य, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ब्रिक्स का सफल आयोजन भारत के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा : श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

» बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूरी मुस्तैदी से राहत-बचाव अभियान चला रही सरकार : सुनील कुमार

पटना। सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से बात कर फरियादियों की समस्याओं के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत करते हुए श्रवण कुमार ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का यह सफल आयोजन भारत के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा और इसका दूरगामी लाभ देश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग जनता दल यू और हमारे नेता को लेकर अनर्गल टिप्पणियां किया करते थे, उन्हें जनता ने 2024 के लोकसभा और 2025 के विधानसभा चुनाव में करारा जवाब दिया। सुनील कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राज्य सरकार पूरी मुस्तैदी के साथ राहत एवं बचाव अभियान चला रही है। प्रत्येक जिले में प्रभारी मंत्री और वरीय अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं एवं राहत व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। प्रभावित परिवारों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाने, सामुदायिक रसोई के सुचारु संचालन, पर्याप्त एवं सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था, पशुओं के लिए पर्याप्त चारा तथा नाव एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की गई है। सरकार का प्राथमिकता है कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो और उन्हें हरसंभव सहायता समय पर उपलब्ध हो।

बिहार की जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया गया : पप्पू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने प्रेस कांफ्रेंस कर बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के काम करने के तरीके में क्या अंतर है। पप्पू यादव ने कहा कि मनमोहन सिंह ने बिना नफरत और मार्केटिंग के देश के निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने 2008 की कोसी त्रासदी का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय आठ जिले प्रभावित हुए थे और इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया गया था। आज बिहार के 22 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 1.46 लाख एकड़ जमीन और 56 लाख लोगों के प्रभावित होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग कोसी, गंडक और गंगा के पानी के बीच बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवन जीने को मजबूर हैं। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री की ओर से बाढ़ को लेकर एक ट्वीट तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव नहीं होने के कारण केंद्र और राज्य के नेता आम लोगों की मदद के लिए गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रधानमंत्री तक को बाढ़ पीड़ितों की परेशानी की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में लोगों को भोजन और जरूरी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। सांसद ने प्रधानमंत्री के ब्रिक्स कार्यक्रम में व्यस्त होने का जिक्र करते हुए कहा कि बड़े मीडिया संस्थान भी बाढ़ की समस्या के बजाय प्रधानमंत्री के प्रचार में लगे हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार को बाढ़ मुक्त करने के पुराने बयान का भी जिक्र किया। पप्पू यादव ने सवाल उठाया कि जब बिहार को बाढ़ मुक्त करने का वादा किया गया था, तो इस दिशा में अब तक क्या ठोस काम हुआ। उन्होंने कहा कि 2008 और 2016 से भी बड़ी त्रासदी की स्थिति होने के बावजूद बाढ़ के स्थायी समाधान पर गंभीर चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने नेपाल को मदद भेजे जाने का जिक्र करते हुए सवाल किया कि बिहार के बाढ़ पीड़ितों के लिए केंद्र सरकार मदद क्यों नहीं भेज सकती। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता भी देश का हिस्सा है और उसके साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय एकता की सशक्त कड़ी : डॉ. प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने हिंदी दिवस के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय एकता की सशक्त कड़ी है। हिंदी ने देश की विविध भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बदलते समय और तकनीकी युग के अनुरूप हिंदी के प्रयोग को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और जनसंचार के क्षेत्रों में और व्यापक बनाने की आवश्यकता है। हिंदी को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से जोड़कर नई पीढ़ी के लिए अधिक उपयोगी और सहज बनाना हमारा सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि हिंदी का सम्मान करते हुए सभी भारतीय भाषाओं के प्रति समान आदर और सम्मान की भावना बनाए रखना आवश्यक है। भाषा का विकास केवल उसके प्रयोग से नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और जनसेवा के माध्यम के रूप में उसके विस्तार से होता है। अध्यक्ष ने हिंदी दिवस के अवसर पर सभी से हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और इसके संवर्धन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

'मोदी युग का भारत' में विकास यात्रा का चित्रण

नई सोच एक्सप्रेस

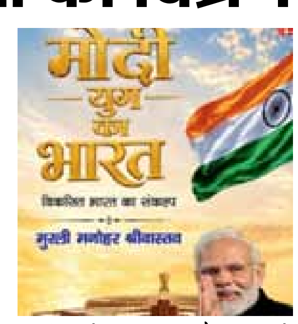

पटना। लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव की नई पुस्तक 'मोदी युग का भारत- विकसित देश का संकल्प' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन और उनके प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों पर केंद्रित है। पुस्तक में मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल की सकारात्मक यात्रा को विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय मुद्दों के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। लेखक के अनुसार पुस्तक में चर्चित घटनाओं को दोहराने के बजाय डिजिटल क्रांति, यूपीआई, जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, गरीबों के आवास, आयुष्मान भारत, बुनियादी ढांचे, वंदे भारत और बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं को विकास यात्रा के रूप में सामने रखा गया है। कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण और आर्थिक सुधारों का भी उल्लेख किया गया है। पुस्तक में 'मन की बात', महिला भागीदारी, तीन तलाक, अनुच्छेद 370 और विदेश नीति जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है। अंतिम हिस्से में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नेताओं तथा बिहार के नेताओं के प्रधानमंत्री मोदी पर लिखे विचार और लेख संकलित किए गए हैं। लेखक ने पुस्तक को 2047 के विकसित भारत के संकल्प में विश्वास रखने वालों को समर्पित किया है।

राज्यपाल ने की भगवान गणपति की पूजा अर्चना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी के दारोगा प्रसाद राय स्थित महाराष्ट्र मंडल की ओर से आयोजित गणपति उत्सव के पहले दिन भी भक्तों का तांता लगा रहा इस मौके पर आम व खास सभी भक्तों ने भगवान गणपति की पूजा अर्चना कर वरदान मांगा। सोमवार को पूजा पंडाल में राज्यपाल महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अतः हसनैन , राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव आईएएस अधिकारी दीपक कुमार सिंह, ने पूजा अर्चना की। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि भगवान गणपति को प्रथम पूज्य व बुद्धि का देवता कहा जाता है। भगवान गणेश के आशीर्वाद से सबकुछ होता है। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष संजय भोसले ने बताया कि महाराष्ट्र से आये पुरोहित के द्वारा विशेष पूजा की गयी और दर्शन करने आये भक्तों के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया गया। आज की पूजा में विजय पाटिल, विठ्ठल घोडके, शुभदा कुलकर्णी, डॉ कविता राऊत, शंकर किर्दत, महादेव कनशे, आनंद पवार, मल्लिकार्जुन आरले, राजेंद्र पवार, संतोष पवार, संतोष देवकर, प्रदीप पाटील, अनिल गायकवाड ,सुनील शिंदे ,अनमोल जाधव ,शिवाजी जाधव ,संजय पाटिल ,अधिक मोरे, विजय पाटिल ,संतोष शिंदे ,सीताराम शिंदे ,सुरेश सालुंखे, संजय पाटिल, सुरेश आर्ले सहित बड़ी संख्या में महाराष्ट्र मंडल के कार्यकतार्ओं ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

कृषि ड्रोन से बदलेगी खेती की तस्वीर, किसानों को कम समय में मिलेगा स्मार्ट छिड़काव का लाभ : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में कृषि को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। किसानों को कम समय में अधिक क्षेत्र में कीटनाशी एवं तरल उर्वरकों के छिड़काव की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत 'कृषि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशी एवं तरल उर्वरक का छिड़काव' योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के लिए राज्य में कुल 11 करोड़ 81 लाख 30 हजार 440 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत बिहार के सभी 38 जिलों में 2,85,160 एकड़ फसल क्षेत्र में कृषि ड्रोन के माध्यम से कीटनाशी, फफूंदनाशी, खरपतवारनाशी, पादप वृद्धिनियामक तथा विभिन्न प्रकार के तरल उर्वरकों के छिड़काव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की खेती को अब परंपरागत तरीकों के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने का समय है। सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को ऐसी तकनीक उपलब्ध कराई जाए, जिससे कम समय, कम श्रम और अधिक दक्षता के साथ खेती की जा सके। कृषि ड्रोन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे बड़े क्षेत्र में तेजी और प्रभावी तरीके से छिड़काव संभव होगा तथा किसानों के समय और श्रम की बचत होगी।उन्होंने कहा कि कृषि ड्रोन केवल छिड़काव की सुविधा नहीं, बल्कि बिहार की कृषि व्यवस्था को स्मार्ट, आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक की पहुँच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे फसल प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा और किसानों की उत्पादकता एवं आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को इस आधुनिक सुविधा का लाभ अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विभाग के ऊइळ पोर्टल पर निबंधित किसान योजना के लिए पात्र होंगे तथा अपने क्षेत्र के लिए कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। योजना के तहत एक किसान को प्रति सीजन अधिकतम 15 एकड़ क्षेत्र में अनुदानित दर पर छिड़काव की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एक किसान को एक फसल/सीजन में अधिकतम दो छिड़काव का लाभ दिया जा सकेगा। फसल की अवस्था तथा कीट-व्याधि अथवा खरपतवार के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता के अनुसार कीटनाशी, फफूंदनाशी, खरपतवारनाशी, पादप वृद्धिनियामक एवं तरल पोषक तत्वों का ड्रोन के माध्यम से छिड़काव कराया जा सकेगा। मंत्री ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा समेकित कीट प्रबंधन को प्राथमिकता दी जा रही है। रासायनिक कीटनाशी के प्रयोग को अंतिम उपाय के रूप में अपनाने पर बल दिया जा रहा है। फसल में कीट एवं व्याधि के आर्थिक क्षति स्तर तक पहुँचने की स्थिति में आवश्यकता के अनुसार कीटनाशी एवं फफूंदनाशी का प्रयोग किया जा सकेगा। वहीं, फसल की अवस्था के अनुरूप तरल उर्वरक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी ड्रोन से कराया जा सकता है। योजना के अंतर्गत जैव कीटनाशी, रासायनिक कीटनाशी, खरपतवारनाशी तथा तरल पोषक तत्वों के छिड़काव पर निर्धारित प्रावधान के अनुसार किसानों को अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान कीट-व्याधि एवं खरपतवार नियंत्रण तथा तरल पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान से संवरेगा बिहार का स्वास्थ्य तंत्र

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने तथा मरीजों की सुविधा से जुड़े आवश्यक कार्यों को गति देने के उद्देश्य से ह्यसेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियानह्ल की शुरूआत की गई है। अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रंग-रोगन, लघु मरम्मति एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रोगी कल्याण समिति/जन आरोग्य समिति के बैंक खातों के माध्यम से राशि उपलब्ध कराई गई है। स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों को प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य संस्थानों के कायाकल्प पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में रंग-रोगन, लघु मरम्मति और मरीज सुविधाओं से जुड़े कार्यों को गति देने के लिए व्यापक निर्देश दिए गए हैं। अभियान के अंतर्गत 36 जिला अस्पताल, 56 अनुमंडलीय अस्पताल, 49 रेफरल अस्पताल, 342 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 110 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 844 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 147 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिलाधिकारियों एवं सिविल सर्जनों को निर्देश दिया गया है कि अभियान के तहत निर्धारित सभी कार्यों को 31 अक्टूबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा कराया जाए। कार्यों की नियमित निगरानी एवं प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। इन कार्यों के लिए राशि का मुख्य स्रोत एवं अन्य मदों को बनाया गया है। जन आरोग्य समितियों की सहभागिता से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कार्यों की प्राथमिकता तय की जाएगी। रंग-रोगन एवं लघु मरम्मति के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।इसके तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चहारदीवारी का निर्माण, शौचालय निर्माण, परिसर में मिट्टी भराई, परिसर का सौंदर्यीकरण एवं वृक्षारोपण जैसे कार्य कराए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के माध्यम से राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। भवनों की मरम्मत, रंग-रोगन और मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि इन केंद्रों पर आने वाले हर व्यक्ति को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण मिले। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जन आरोग्य समितियों की सहभागिता से स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों की प्राथमिकता तय की जाएगी। सभी जिलों को निर्धारित कार्यों को 31अक्टूबर 2026 तक पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाने से लोगों को उनके घर के नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के सरकार के संकल्प को और मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारत की बेटियां बनीं एशिया की सरताज, जदयू ने दी बधाई

पटना। महिला एशिया कप टी-20 के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा श्रीलंका को पराजित कर खिताब अपने नाम करने पर जनता दल (यूनाइटेड) कला, संस्कृति एवं खेल प्रकोष्ठ, बिहार प्रदेश ने भारतीय टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि यह जीत केवल भारतीय क्रिकेट की उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की नारी शक्ति, आत्मविश्वास, अनुशासन, संघर्ष और खेल प्रतिभा की शानदार अभिव्यक्ति है। भारतीय बेटियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और मजबूत टीम भावना से साबित किया है कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर वे दुनिया के किसी भी मंच पर देश का परचम लहरा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह शानदार विजय देश की लाखों बेटियों, विशेषकर बिहार की उभरती महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। बिहार की बेटियां भी खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने की क्षमता रखती हैं।कृष्णा पटेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में महिला सशक्तिकरण को शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में स्थान देकर बेटियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके नेतृत्व में बनी सशक्तिकरण की इस सोच ने बिहार की बेटियों के आत्मविश्वास और भागीदारी को नई दिशा दी है।उन्होंने कहा, ह्रहमारी कोशिश होनी चाहिए कि बिहार की प्रतिभाशाली बेटियों को खेल में बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर उपलब्ध हों, ताकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम सहित विभिन्न राष्ट्रीय खेलों में बिहार की बेटियों का प्रतिनिधित्व और बढ़े।

यूसीसी का पूर्ण समर्थन, आरक्षण में कोटे में कोटा और वर्गीकरण पर भी हो ठोस पहल : डॉ. संतोष कुमार सुमन

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समान नागरिक संहिता को लेकर जो दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है, हम उसका हृदय से स्वागत करते हुए पूर्ण समर्थन करते हैं। वउउ देश में समानता, न्याय और नागरिकों के समान अधिकार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।साथ ही गृहमंत्री से हमारा विनम्र आग्रह है कि अनुसूचित जाति के आरक्षण में कोटे में कोटा और वर्गीकरण के विषय पर भी गंभीरता से पहल करें। जिस प्रकार हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, उसी प्रकार जहाँ-जहाँ भाजपा की सरकारें हैं, वहाँ भी कोटे में कोटा लागू करने की पहल हो।सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण संबंधी ऐतिहासिक फैसले को केंद्र और राज्य सरकारें गंभीरता से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ें, ताकि अनुसूचित जाति के भीतर जो समुदाय लंबे समय से आरक्षण के लाभ से अपेक्षाकृत वंचित रहे हैं, उन्हें भी उनका न्यायसंगत अधिकार मिल सके। हमें पूर्ण विश्वास है कि अमित शाह के नेतृत्व और संवेदनशील दृष्टिकोण में इस विषय पर भी सकारात्मक पहल होगी और सामाजिक न्याय को और अधिक मजबूती मिलेगी।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियान : अरूण शंकर

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं समर्पण तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जीवंत रूप दिए जाने के लिए 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान एवं सेवा मेरा योगदान की तैयारियों को लेकर आज युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग-सह-श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।बैठक में अभियान के अंतर्गत संचालित किए जाने वाले सेवा मेरा योगदान अभियान की रूपरेखा, प्रस्तावित गतिविधियों, व्यापक जनभागीदारी एवं अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि सेवा और सामाजिक सहभागिता समाज के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं में सेवा भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा विभिन्न जनोपयोगी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान के माध्यम से युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमता को समाज हित के कार्यों से जोड़ा जाएगा, ताकि वे स्वयं सेवा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहभागी बन सकें। मंत्री ने बताया कि सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत कुल 25 प्रकार की प्रमुख सेवा गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाना तथा जरूरतमंद लोगों को सहयोग एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

महिला एशिया कप 2026 में विजयी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को नीतीश कुमार ने दी बधाई

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने महिला एशिया कप 2026 में शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।नीतीश कुमार ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत खिलाड़ियों की प्रतिभा, अनुशासन, मेहनत और दृढ संकल्प का उत्कृष्ट परिचय है। टीम की सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से देश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने पूरी टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करतेहुए आगे भी इसी तरह देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बिहार में बाढ़ राहत और पुनर्वास के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 करोड़ का योगदान दिया

पटना।भारत के प्रमुख सरकारी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बिहार के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, राज्य में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित समुदायों के लिए राहत और पुनर्वास कार्यों में मदद करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री राहत कोष, बिहार' में 1 करोड़ का योगदान दिया है। यह योगदान मुश्किल समय में बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद करने के लिए बैंक की लगातार प्रतिबद्धता का हिस्सा है और इसका मकसद बिहार सरकार द्वारा किए जा रहे राहत और पुनर्वास के कामों में मदद करना है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पटना अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री सुब्रत कुमार स्वाईं ने बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी से भेंट की और योगदान राशि प्रदान की। इस बैठक के दौरान, बैंक ने इस कठिन समय में राज्य और उसके नागरिकों को सहायता प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया। इस अवसर पर बोलते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पटना अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री सुब्रत कुमार स्वाईं ने कहा, यह योगदान बैंक का एक विनम्र प्रयास है ताकि बाढ़ से प्रभावित परिवारों और समुदायों को राहत कार्यों में सहायता पहुँचाई जा सके। बैंक ऑफ़ बड़ौदा इस मुश्किल घड़ी में बिहार की जनता के साथ पूरी दृढ़ता से खड़ा है। हमें आशा है कि हमारा यह सहयोग राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के सामूहिक प्रयासों को बल देगा। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने सामाजिक ज़िम्मेदारी और समार्जिक कल्याण के प्रति खासकर प्राकृतिक आपदाओं और अन्य मुश्किल हालात के दौरान लगातार अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इस योगदान के ज़रिए, बैंक ने बिहार के लोगों के साथ एकजुटता का उदाहरण देते हुए ज़रूरत के समय समुदायों का साथ देने के अपने संकल्प को फिर से दोहराया है।

एम्स पटना में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी प्रतिज्ञा समारोह आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।एम्स पटना में हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत सोमवार को प्रशासनिक भवन स्थित कमेटी रूम में हिंदी प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के दैनिक कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देना तथा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करना था। समारोह में कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, उप निदेशक प्रशासन श्री नीलोत्पल बल, डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) पूनम प्रसाद भदानी, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) प्रशांत कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी एवं संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग एवं प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए हिंदी प्रतिज्ञा ली। सभी ने कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण, आदेश एवं अन्य कार्यों में नियमानुसार हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा अपने सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। प्रतिज्ञा के दौरान सभी ने यह संकल्प भी लिया कि एम्स पटना में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को अधिक व्यापक, सहज और प्रभावी बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे तथा राजभाषा संबंधी प्रावधानों के अनुरूप अपने कार्यालयीन दायित्वों का निर्वहन करेंगे। कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि हिंदी केवल संचार का माध्यम नहीं बल्कि जनसामान्य से संस्थान को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं जैसे जनसरोकार से जुड़े संस्थान में सरल एवं सहज भाषा का प्रयोग मरीजों और उनके परिजनों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आयोजन राजभाषा हिंदी को संस्थान के कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा मरीजों, परिजनों और आमजन के साथ सरल, सहज और प्रभावी संवाद सुनिश्चित करने की एम्स पटना की निरंतर प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश भी बना।

दानापुर रेल मंडल में कर्मचारी संपर्क शिविर का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दानापुर मंडल में कर्मचारी संपर्क शिविर का शुभारंभ 14.09.2026 से निर्माण संगठन की सभी इकाइयों के लिए किया गया है। इस पहल के अंतर्गत प्रथम शिविर आज दानापुर स्थित इकाइयों, अर्थात् Dy. CE/Con/I/DNR, Dy. CE/Con/II/DNR एवं Dy. CSTE/Con/II/DNR में आयोजित किया गया। इन इकाइयों में कार्यरत कुल 90 कर्मचारियों में से 50 कर्मचारी आज आयोजित शिविर में उपस्थित रहे। उपस्थित सभी कर्मचारियों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र उपलब्ध कराया गया। जिन कर्मचारियों को कोई शिकायत नहीं थी, उन्हें भी अनिवार्य रूप से "Nil Grievance Form" प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, ताकि प्रत्येक कर्मचारी को अपनी शिकायत/समस्या रखने का अवसर सुनिश्चित किया जा सके। शिविर के दौरान कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों की जांच कर उनका शिविर की समाप्ति की तिथि से दो माह के भीतर निस्तारण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिन कर्मचारियों के RSP Accounts नहीं हैं, उनके संबंध में भी जानकारी संकलित की गई है। इसका उद्देश्य शिविर की समाप्ति से दो माह के भीतर 100% कर्मचारियों के RSP Accounts में रूपांतरण सुनिश्चित करना है। जो कर्मचारी आज के शिविर में अनुपस्थित रहे, उनके लिए आगामी तिथियों में पूरक कर्मचारी संपर्क शिविर आयोजित किया जाएगा, ताकि सभी कर्मचारियों की 100% सहभागिता एवं कवरेज सुनिश्चित की जा सके। निर्माण संगठन की सभी इकाइयों में संलग्न कार्यक्रम के अनुसार इसी प्रकार के कर्मचारी संपर्क शिविर आयोजित किए जाने की योजना है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के साथ बेहतर संवाद एवं सहभागिता को सुदृढ़ करना, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना तथा कर्मचारी कल्याण से संबंधित पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना है।

छोटे कदम, बड़ी सफलता: राष्ट्रीय मंच पर चमके यूसीमास कंकड़बाग के प्रतिभाशाली बच्चे

नई सोच एक्सप्रेस

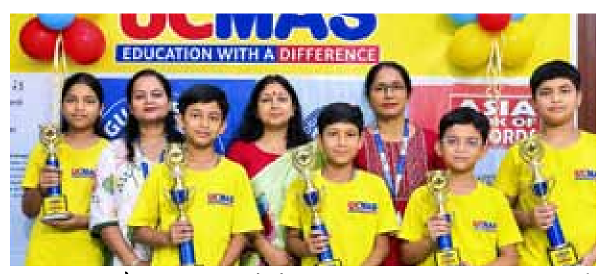

पटना। मेहनत, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के दम पर यूसीमास कंकड़बाग केंद्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने 25वीं यूसीमास राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में केंद्र के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी श्रेणियों में विजेता बनकर न केवल अपने माता-पिता और प्रशिक्षकों का मान बढ़ाया, बल्कि कंकड़बाग का नाम भी गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने चुनौतीपूर्ण अंकगणितीय सवालों को तेजी, एकाग्रता और सटीकता के साथ हल कर अपनी मानसिक गणना क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कम समय में जटिल गणनाओं को पूरा करने की उनकी क्षमता ने प्रतियोगिता में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों की इस उपलब्धि को उनकी नियमित मेहनत, अनुशासन और यूसीमास प्रशिक्षण का परिणाम माना जा रहा है। पांच विद्यार्थियों ने हासिल की सफलता। कंकड़बाग केंद्र से प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में यशस्वी कश्यप, सूर्यांश शर्मा, पिहू शर्मा, बालाजी और दीपांशु राज शामिल हैं। सभी विजेता विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और अभ्यास के बल पर राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई। बच्चों की सफलता से उनके अभिभावकों में भी खासा उत्साह है। अभिभावकों ने कहा कि प्रतियोगिता में बच्चों का प्रदर्शन उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बच्चों को लगातार प्रोत्साहित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में केंद्र के प्रशिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। सही मार्गदर्शन से निखरती है बच्चों की प्रतिभा कंकड़बाग केंद्र की संचालिका एवं प्रशिक्षिका सांत्वना ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर अद्भुत क्षमता होती है। जरूरत सिर्फ उस क्षमता को पहचानने, सही दिशा देने और लगातार अभ्यास कराने की है। उन्होंने कहा हर बच्चे में अद्भुत क्षमता होती है। सही मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और अभिभावकों के सहयोग से बच्चों की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया जा सकता है। हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि पूरे केंद्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता से केंद्र की पूरी टीम उत्साहित है और भविष्य में भी विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देने का प्रयास जारी रहेगा। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता के बाद विजेता विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित स्वागत अवसर पर वार्ड संख्या 32 की पार्षद पिंकी यादव ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी इसी तरह सफलता हासिल करने की शुभकामनाएं दीं। पिंकी यादव ने बच्चों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं। पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक क्षमता, एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने वाली गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कंकड़बाग के पांच विद्यार्थियों की सफलता से पूरे केंद्र में खुशी का माहौल है। प्रशिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने विजेता बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बंद घर का ताला तोड़ नगद समेत लाखों के जेवरात ले भागे चोर

नई सोच एक्सप्रेस

» चोरी की वारदात पड़ोस के सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

दानापुर।थाना क्षेत्र के एसके पुरम कॉलोनी में एक बंद घर का ताला तोड़ अज्ञात चोरों ने 30 हजार नगद रुपए समेत लाखों के जेवरात की चोरी कर डाली। इस चोरी की वारदात पड़ोस के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस संबंध में पीड़ित मुकेश कुमार की पत्नी मौसम कुमारी ने स्थानीय थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में पीड़िता ने बताया है कि वह एसके पुरम, आर्य समाज मंदिर रोड नंबर 8 में विजय शंकर गुप्ता के घर किराए पर रहती है। विगत 11 सितम्बर को घर बंद कर वह अपने परिवार के साथ एक रिस्तेदार के घर गई हुई थी। जब वह वापस लौटी तो पाया कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। कमरे के अंदर जाकर देखा तो आलमीरा टूटा पड़ा है और उसका सारा सामान बिखरा पड़ा है। आलमीरा में रखे 30 हजार रुपए नगद, लाखों के सोने के गहने जिसमें सोने के चेन, मंगलसुत्र, अंगूठी एवं घड़ी इत्यादि चोरी कर लिए गए थे। पीड़िता द्वारा बताया गया कि पड़ोस में लगे सीसीटीवी. कैमरे के माध्यम से पता चला की गमछी से अपना चेहरा ढके दो की संख्या में रहे चोर चोरी कि घटना को अंजाम दिया है। जो बाइक से आए हुए थे। वहीं मामला संज्ञान में आने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस मामले की छानबीन करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई में जुट गई है।

दानापुर नगर परिषद में समीक्षा बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

» दानापुर का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य है: सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव

दानापुर।नगर परिषद कार्यालय के सभागार में सोमवार को नगर परिषद क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर सहकारिता मंत्री सह विधायक रामकृपाल यादव ने बैठक में योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में मौजूद कार्यपालक पदाधिकारी व अन्य अधिकारियों से कहा कि हाथीखाना मोड़ से गोला रोड तक एक नाला का निर्माण करना अत्यंत जरूरी है। नगर में सफाई की व्यवस्था दुरुस्त किया जाय। आगामी आने वाले त्योहार दशहरा, दीपावली व छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा कार्य योजना बनाईए ताकी नगर स्वच्छ रहे। 13 करोड़ की लागत से नगर में 15 हजार स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना है। अभी तक साढ़े सात हजार स्ट्रीट लाइट लगा दिया गया है। खराब पड़ा हुआ स्ट्रीट लाइट को ठीक कराने का काम किया जाएगा। बताया जाता है कि नगर परिषद द्वारा वार्ड पार्षद को मनमाने ढंग से स्ट्रीट लाइट वार्ड में लगाने के लिए दिया गया है.इसपर उन्होंने कहा कि जिस पार्षद को जितना जरूरत है फिलहाल सभी पार्षदों को उतना ही दिया गया है. दिसंबर तक सभी वार्डो में स्ट्रीट लाइट लगा दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि दानापुर का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य है और उसकी पूर्ति के लिए हम तत्परता से जुटे हैं।वही कार्यपालक पदाधिकारी सिद्धार्थ हर्षवर्धन ने कहा कि बैठक में जनप्रतिनिधियों की विकास से संबंधित जो मूल समस्या है उसपर भी विचार विमर्श किया गया है। इस अवसर पर नगर प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, सफाई निरीक्षक संजय कुमार, रंजीत कुमार,वार्ड पार्षद अनिल कुमार, राजेश शर्मा,पार्षद प्रतिनिधि विजेंद्र यादव, पप्पु कुमार आदि शामिल थे।

हिन्दी हमारी भाषा ही नहीं, अस्मिता की पहचान : प्रमोद चंद्रवंशी

नई सोच एक्सप्रेस

» हिन्दी दिवस समारोह में 14 साहित्यकारों को हिन्दी-सेवी सम्मान

पटना। हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, संस्कृति और संस्कार की पहचान है। हिन्दी भारत की सांस्कृतिक एवं आत्मिक एकता को मजबूत करने वाली जन-जन की भाषा है। यह बातें बिहार के कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हिन्दी का अर्थ अपनापन, संस्कृति और संस्कार है। दक्षिण भारत में हिन्दी का विरोध मुख्यतः राजनीतिक कारणों से है, जबकि आम लोगों में हिन्दी के प्रति प्रेम और अपनापन है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिन्दी के प्रति अपने लगाव के कारण हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने की दिशा में प्रयास करेंगे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने हिन्दी भाषियों और हिन्दी प्रेमियों को हिन्दी दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिन्दी देश की एकता को मजबूत करती है। भारत को शक्तिशाली राष्ट्र और विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने के लिए हिन्दी को राष्ट्रभाषा का स्थान मिलना आवश्यक है। कार्यक्रम में भारत सरकार की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य वीरेंद्र कुमार यादव, लेखिका किरण सिंह, प्रो. जनार्दन सिंह, डॉ. रत्नेश्वर सिंह, डॉ. पूनम आनंद, प्रो. उषा सिंह, विभा रानी श्रीवास्तव और अरविंद कुमार सिंह ने भी विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. दिनेश कुमार शर्मा सहित 14 साहित्यकारों को 'पद्मश्री डॉ. शैलेंद्रनाथ श्रीवास्तव हिन्दी-सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया।

दानापुर मंडल में 14 से 30 सितंबर तक चलने वाले राजभाषा पखवाड़ा 2026 का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।हिन्दी दिवस" 14 सितंबर के अवसर पर दानापुर मंडल के द्वारा 14 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन होगा । इसी क्रम में 14 सितंबर 2026 को मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर पखवाड़े का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक दैनिक काम-काज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया । इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने संदेश में मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि 'क' क्षेत्र में होने के कारण हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम अपना अधिक से अधिक काम-काज राजभाषा हिन्दी में करें तथा सरल, सहज एवं आसान शब्दों के प्रयोग द्वारा राजभाषा हिन्दी को आम जनों को समझने की लायक भाषा बनाने में अपना योगदान दें । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा "रेलवाणी" त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन भी किया गया । पत्रिका का विमोचन करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि पत्रिका के माध्यम से हम अपने अव्यक्त भावों एवं विचारों को सरल एवं आसान शब्दों के माध्यम से दूसरे कर्मचारियों तक आसानी से पहुंचा सकते हैं । पत्रिका का मूल उद्देश्य पाठकों में ज्ञान एवं विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जानकारियों का आदान-प्रदान करना है इस पखवाड़े के अंतर्गत 14 सितंबर से लेकर 30 सितंबर तक दानापुर मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें दिनांक 16.09.2026 को राजभाषा प्रदर्शनी, 18.09.2026 को टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, 23.09.2026 को हिन्दी निबंध एवं वाक् , 25.09.2026 को राजभाषा क्विज़ कर्मचारियों के लिए आयोजित किए जाएंगे एवं दिनांक 28.09.2026 को अधिकारियों के लिए राजभाषा क्विज़ तथा दिनांक 30.09.2026 को उक्त प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार के द्वारा पुरस्कार वितरण के साथ-साथ मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के साथ पखवाड़े का समापन किया जाएगा । इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक, इंफ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री राजीव कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक ओपी, श्री वीरेंद्र कुमार एवं राजभाषा अधिकारी श्री शेखर नाथ झा सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुनपुन प्रखंड में धूमधाम से मनाया गया तीज पर्व, सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र की कामना की

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन।पुनपुन प्रखंड के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में सोमवार को तीज पर्व धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने पूरे दिन उपवास रखकर देवों के देव महादेव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की तथा अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की।तीज पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा की और उनके समक्ष अपने पति की दीर्घायु की प्रार्थना की। पूजा के बाद महिलाओं ने जल ग्रहण कर अपना व्रत समाप्त किया।तीज पर्व को लेकर पूरे प्रखंड में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में शामिल हुए। महिलाओं ने नए वस्त्र एवं पारंपरिक श्रृंगार कर तीज पर्व मनाया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।इस मौके पर डॉली कुमारी,कुशुम देवी,लालती देवी,गुड़िया देवी, रूपा देवी, रुक्मिणी देवी, लुशी कुमारी , ज्योति कुमारी, रानी कुमारी, राधिका कुमारी, रानी देवी, रंभा देवी, लालमुनी देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

औरंगाबाद में गहराता जल संकट, भूजल बचाने को 'भुवनम् पानी की खेती' का प्रस्ताव

औरंगाबाद। शहर में लगातार गिरते भूजल स्तर और बढ़ती जल जरूरत को देखते हुए इंडियन स्टार्टअप एसोसिएशन ने 'भुवनम् पानी की खेती' तकनीक के माध्यम से वर्षाजल संचयन और भूजल पुनर्भरण की पहल का प्रस्ताव रखा है। रविवार को एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रतिन भद्रा, राष्ट्रीय सचिव रोहित प्रीत और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजा बागची के नेतृत्व में दिल्ली से आए प्रतिनिधिमंडल ने रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह के आवास पर नगर परिषद अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता, पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में औरंगाबाद में गहराते जल संकट, गिरते भूजल स्तर, वर्षाजल संचयन और भविष्य की जल जरूरतों पर चर्चा हुई। विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने अपने क्षेत्रों की जल समस्या से प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया और स्थायी समाधान की आवश्यकता जताई। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रतिन भद्रा ने 'भुवनम् पानी की खेती' तकनीक की जानकारी देते हुए बताया कि इसके जरिए वर्षाजल को वैज्ञानिक तरीके से जमीन के भीतर पहुंचाकर भूजल पुनर्भरण और संरक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परियोजना लागू करने से पहले शहर की भौगोलिक, जलवैज्ञानिक और भूगर्भीय परिस्थितियों का तकनीकी अध्ययन जरूरी है। अध्ययन के आधार पर उपयुक्त स्थानों पर वर्षाजल संचयन और भूजल पुनर्भरण की व्यवस्था विकसित की जा सकती है। नगर परिषद अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता, रेड क्रॉस चेयरमैन सतीश कुमार सिंह सहित पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने प्रस्ताव का स्वागत किया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि भविष्य की बढ़ती जल जरूरत को देखते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के साथ वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण और वैज्ञानिक जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वीर के तीर' से हिंदी की महफिल में गूंजा मातृभाषा का मान

गया जी। हिंदी दिवस पर राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा ने साहित्यिक भेंटवार्ता 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' का आयोजन किया। इसमें चर्चित कवि, शिक्षाविद एवं शब्दवीणा के राष्ट्रीय सचिव महावीर सिंह 'वीर' ने साहित्य जीवन संघर्ष शिक्षा और हिंदी के भविष्य से जुड़े सवालों पर बेबाकी से विचार साझा किए।शब्दवीणा की हरियाणा प्रदेश सचिव कवयित्री सरोज कुमार ने उनसे मंचीय कविता लेखन और शैक्षणिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन सोशल मीडिया के साहित्य पर प्रभाव तथा हिंदी दिवस की सार्थकता को लेकर संवाद किया। करीब एक घंटा 40 मिनट चली भेंटवार्ता में 'वीर' ने मुक्तक, गीत, गजल और कुंडलिया छंद सुनाकर साहित्यप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।अपने मुक्तक संग्रह 'वीर के तीर' से रचनाएं सुनाते हुए उन्होंने प्रभावशाली मुक्तक लेखन के सूत्र भी बताए। हिंदी की महत्ता पर उनके मुक्तक "प्यार से बोलोगे तो दिल में उतर जाएगी..." और "सभी भाषाओं में सबसे अधिक समृद्ध है हिन्दी..." को खूब सराहना मिली। अनुरोध पर उन्होंने अपनी लोकप्रिय गजल "जाने कितने दुश्मन पाले बैठे हैं..." भी सुनाई।कार्यक्रम का संयोजन शब्दवीणा की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी के नेतृत्व में किया गया। सीधा प्रसारण संस्था के केंद्रीय फेसबुक पेज से हुआ जिसमें देशभर के साहित्यप्रेमियों ने जुड़कर कार्यक्रम का आनंद लिया। इस दौरान 'वीर' ने नए रचनाकारों को मुक्तक कार्यशाला से जुड़ने का आह्वान किया जबकि सरोज कुमार ने 'साहित्य की पाठशाला' चलाने की घोषणा की।

कठौतिया से समग्र सेवा के 26वें स्थापना सप्ताह का शुभारंभ

बालिका शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण पर रहेगा जोर

जमुई। सामाजिक संस्था समग्र सेवा के 26वें स्थापना सप्ताह का शुभारंभ सोमवार को झाझा प्रखंड के सुदूरवर्ती आदिवासी गांव कठौतिया से हुआ। संस्था ने 26 वर्ष पूर्व इसी गांव से अपने सामाजिक सेवा कार्यों की शुरुआत की थी। इस वर्ष 14 से 22 सितंबर तक आयोजित स्थापना सप्ताह का मुख्य विषय बालिका शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण रखा गया है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय कठौतिया में आयोजित कार्यक्रम में मुखिया सुभद्रा देवी सहित जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, शिक्षकों और बच्चों ने भाग लिया। आदिवासी समुदाय के लोगों ने पारंपरिक तरीके से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर और आसपास 25 फलदार पौधे लगाए गए। बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और पेड़ों के महत्व पर जागरूकता प्रस्तुति भी दी। संस्था की ओर से पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी 15 बालिकाओं को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं और उन्हें दोबारा शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, करहरा पंचायत के समाजसेवा में योगदान देने वाले 25 स्वयंसेवकों को विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया। ग्रामीण मकेश्वर ने संस्था के पुराने कार्यों को याद करते हुए कहा कि पहले गांव के बच्चे पेड़ के नीचे पढ़ने को मजबूर थे। समग्र सेवा के प्रयासों से निःशुल्क शिक्षा और जागरूकता का अभियान चला, जिसका सकारात्मक परिणाम आज दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि अब गांव का कोई बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं है। संस्था के अनुसार गया, पटना, मुंगेर और जमुई में होने वाले कार्यक्रमों के जरिए करीब 5,000 लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य है।

पितृपक्ष मेले में सुरक्षा होगी चाक-चौबंद, गया स्टेशन पर आरपीएफ आईजी ने दिए सख्त निर्देश

गयाजी। पितृपक्ष मेला-2026 में देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गया स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की कवायद तेज कर दी गई है। सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल हाजीपुर के महानिरीक्षक अमरेश कुमार ने गया रेलवे स्टेशन एवं परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने भीड़ नियंत्रण श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन निगरानी व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को बारीकी से परखते हुए RPF अधिकारियों को मेले के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने और स्टेशन परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। महानिरीक्षक ने सहायक सुरक्षा आयुक्त गया संजय कुमार सिंह, RPF पोस्ट गया के प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव और निरीक्षक चंदन कुमार को पर्याप्त बल की तैनाती सुनिश्चित करने भीड़ को नियंत्रित रखने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिया गया हैं।उन्होंने कहा कि पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। रेलवे प्रशासन और अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ ड्यूटी निभाई जाए। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों ने निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया।

तीज के दिन पत्नी ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत, अचानक मौत से मचा कोहराम

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। तीज पर्व के दिन नगरथाना अन्तर्गत मल्लाह चक मुहल्ले में एक दर्दनाक घटना सामने आई। पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना को लेकर पत्नी तीज का व्रत रखकर उपवास पर थी। इसी दौरान अचानक पति की तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार मल्लाह चक निवासी शिवशंकर प्रसाद त्योहारके दिन अपने घर में बैठे हुए थे। उनकी पत्नी तीज पर्व को लेकर उपवास पर थी। इसी दौरान अचानक शिवशंकर प्रसाद की तबीयत बिगड़ गई और वह बैठे-बैठे गिर पड़े। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। सदर अस्पताल में चिकित्सक डॉ.सुनील राय ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक द्वारा मृत घोषित किए जाने की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। तीज के अवसर पर घर में जहां पर्व को लेकर तैयारी चल रही थी, वहीं अचानक हुई मौत से खुशियां मातम में बदल गईं। परिजन शंकर कुमार ने बताया कि शिवशंकर प्रसाद घर पर ही रहते थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना के कारणों को लेकर परिजनों की ओर से तत्काल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। सबसे मार्मिक बात यह रही कि जिस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर तीज का व्रत रखी थी, उसी दिन पति का साथ हमेशा के लिए छूट गया। इस घटना से परिवार के साथ-साथ मुहल्ला में भी शोक का माहौल है।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग को लेकर एसएसबी ने किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर मुख्यालय में सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाहिनी के कमांडेंट ने अधिकारियों एवं कार्मिकों से दैनिक शासकीय कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी भाषा का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं भाषायी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शासकीय कार्यों में सरल, सहज और प्रभावी हिंदी के प्रयोग से कार्यों को अधिक सुगम एवं जनसुलभ बनाया जा सकता है।इस अवसर पर महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल की ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर जारी संदेश को भी उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों के समक्ष पढ़कर सुनाया गया। संदेश के माध्यम से राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी हरेंद्र सिंह, उप कमांडेंट हरि नारायण जाट, उप कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता, सहायक कमांडेंट (संचार) नरेंद्र सिंह सहित वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वाहिनी में राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान एवं जागरूकता को बढ़ावा देना तथा सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रभावी और अधिकाधिक प्रयोग के लिए कार्मिकों को प्रेरित करना रहा।

> » राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए अधिकारियों व जवानों को किया गया प्रेरित

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी 48वीं वाहिनी की बड़ी कार्रवाई, 52 किलो गांजा छोड़कर नाले में कूदे तस्कर

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।मधुबनी भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 52 किलोग्राम गांजा की खेप को बरामद करते हुए जब्त किया। हलाकि गांजा की खेप को छोड़कर तस्कर नेपाल की ओर भाग निकले। मामले में एसएसबी के द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर दी गई जानकारी के मुताबिक भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की सी कंपनी पिपरौन के बीओपी दिघियाटोल के जवानों ने रूटीन चेक पोस्ट ड्यूटी के दौरान कार्रवाई करते हुए 52 किलोग्राम गांजा बरामद किया। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध तस्कर सामान छोड़कर नेपाल की ओर भागने में सफल रहे।यह कार्रवाई रविवार को बीओपी दिघियाटोल की नियमित चेक पोस्ट ड्यूटी के दौरान सीमा स्तम्भ संख्या 287/21 से लगभग 70 मीटर भारत की ओर, बेला गांव के निकट, एसएसबी चेक पोस्ट पार्टी ने दो व्यक्तियों को सिर पर काले कपड़े से ढककर संदिग्ध सामान लेकर आते हुए देखा। एसएसबी टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया। एसएसबी टीम को देखते ही दोनों व्यक्ति सीमा से सटे नाले में कूदकर नेपाल की ओर भागने में सफल रहे। इसके बाद मौके पर छोड़े गए संदिग्ध सामान की जांच की गई, जिसमें 52 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ जिसे जब्त किया गया।बरामद मादक पदार्थ की जांच के दौरान ड्रग डिटेक्शन किट का प्रयोग किया गया। बरामद 52 किलोग्राम गांजा को आवश्यक जब्ती कार्रवाई के उपरांत आगे की वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना हरलाखी, जिला मधुबनी को सुपुर्द करने की प्रक्रिया की जा रही है।मामले में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है ।फरार व्यक्तियों की पहचान एवं तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच संबंधित एजेंसियों द्वारा की जाएगी।कमांडेंट,48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल,जयनगर ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए एसएसबी द्वारा लगातार सतर्कता निगरानी एवं प्रभावी चेकिंग की जा रही है।सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

> » जवानो को देखते ही नेपाल भागे, नशे की खेप जब्त

शराब के साथ चार और शराब पीने के आरोप में चार गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर 20 लीटर देसी शराब के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, शराब पीने के आरोप में चार अन्य लोगों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सभी आठ आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार शराब के साथ गिरफ्तार लोगों में मेहवा वार्ड संख्या-13 निवासी मोहित सहनी के पुत्र विशाल कुमार व बृजकिशोर सहनी के पुत्र आकाश कुमार, नौवाडीह वार्ड संख्या-3 निवासी स्व. बिंदा चौधरी के पुत्र राजेंद्र चौधरी तथा सुगौली बाजार वार्ड संख्या-7 निवासी मोहन शर्मा के पुत्र संतोष शर्मा शामिल हैं। इनकी गिरफ्तारी नौवाडीह एवं भरगांवा तीनमुहानी मोड़ के आसपास अलग-अलग स्थानों से की गई।वहीं, शराब पीने के आरोप में बिगुइया निवासी रामकिशन यादव, बहुरूपिया निवासी दिलीप कुमार, माई स्थान सुगौली निवासी किशन साह तथा बेलवतिया निवासी सुभाष साह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कुपोषण के खिलाफ चलेगा अभियान, पांच साल तक के बच्चों की होगी जांच

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण स्तर में सुधार के लिए जिले में 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। अभियान के तहत नवजात से पांच वर्ष तक के बच्चों की पोषण जांच, गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच, स्तनपान के प्रति जागरूकता और एनीमिया की रोकथाम को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान जीवन के पहले 1000 दिनों के पोषण पर विशेष जोर रहेगा। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण, प्रसवपूर्व जांच और हीमोग्लोबिन जांच के साथ आयरन एवं कैल्शियम की खुराक उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा। गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल कार्यक्रम के तहत आशा कार्यकर्ता नवजात के जन्म के 42 दिनों के भीतर छह से सात बार घर का भ्रमण करेंगी। माताओं को छह माह तक केवल स्तनपान कराने तथा शिशु की उचित देखभाल की जानकारी दी जाएगी। वहीं, गृह आधारित छोटे बच्चों की देखभाल कार्यक्रम के तहत तीन, छह, नौ, 12 और 15 माह की उम्र में बच्चों के घर जाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी दी जाएगी। ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों का वजन और लंबाई मापकर पोषण ट्रैकर पर दर्ज करेंगी। चिन्हित एसएएम एवं एमएएम बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराई जाएगी। चिकित्सकीय जटिलता वाले गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा जाएगा। अभियान के दौरान प्रत्येक प्रखंड में एनीमिया जांच के लिए दो शिविर भी लगाए जाएंगे। बच्चों, किशोर-किशोरियों और गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ एनीमिया की रोकथाम और उपचार के लिए परामर्श दिया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9, 15 और 21 तारीख को गर्भवती महिलाओं की जांच की जाएगी। उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान कर आवश्यक जांच, उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहेगा।

गणेश पूजा की तैयारियों का कांटी विधायक अजीत कुमार ने लिया जायजा

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुजफ्फरपुर।कांटी विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने सोमवार को कांटी नगर परिषद क्षेत्र में हाई स्कूल चौक पर नवीन नवयुवक संघ गणेश पूजा समिति के द्वारा आयोजित होने वाली गणेश पूजा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों से बातचीत कर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। पूजा समिति के सदस्यों ने विधायक अजीत कुमार को बताया कि गणेश पूजा के लिए लाइसेंस पिछले करीब एक सप्ताह से लंबित है। विधायक अजीत कुमार ने इस मामले को त्वरित संज्ञान में लिया एवं गहरी नाराजगी जाहिर किया व एसडीपीओ पश्चमी वन सुचित्रा कुमारी से दूरभाष पर बात कर लाइसेंस निर्गत करने को कहा जिसके उपरांत लंबित लाइसेंस निर्गत हुआ। लाइसेंस मिलने के बाद पूजा समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। वही, पूजा समिति के सदस्यों के आग्रह उपरांत विधायक अजीत कुमार ने बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर अस्थाई रूप से पूजा समिति को बिजली की कनेक्शन देकर सुचारू रूप से बिजली मुहैया कराने की भी निर्देश दिया। विधायक ने पूजा समिति के सभी सदस्यों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा आयोजन कराने की अपील की। इस मौके पर पूजा समिति के अध्यक्ष सह पार्षद प्रतिनिधि शंकर प्रसाद , नगर पार्षद इनरदेव उर्फ पप्पू राम, रजनीश सिंह उर्फ फौजी, दीपक कुमार उर्फ टुन्ना, रामनाथ गुप्ता, संजय साह, भरत गुप्ता, मुन्ना पंडित , बिगन साह, विजय कुमार , महेंद्र प्रसाद, शत्रुघन भगत, शिवजी , मनीष साह समेत कई उपस्थित थे।

भभुआ में आयोजित रोजगार मेले का मंत्री जमा खां विधायक भरत बिंद एवं एसडीओ अमित कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

कैमूर।सोमवार को जिला मुख्यालय भभुआ स्थित प्लस टू महाविद्यालय भभुआ में जिला नियोजनालय एवं श्रम विभाग की ओर से रोजगार मेला का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो जमा खां एवं भभुआ के लोकप्रिय विधायक भरत बिंद तथा अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजित रोजगार मेले में पहुंचे भभुआ विधायक भरत बिंद ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा की बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी द्वारा लगातार युवाओं को बेरोजगारी दूर करने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।जो भी पात्र युवा है इस रोजगार मेले में अपना आवेदन देकर विभिन्न प्रकार के रोजगार एवं प्राइवेट नौकरी तथा उद्योग धंधा भी लगा सकते हैं।इस मौके पर विधायक भरत बिंद जी द्वारा विभिन्न कंपनियां द्वारा लगाए गए रोजगार स्टॉल का निरीक्षण तथा श्रम विभाग द्वारा बच्चों को के बीच स्टडी किट का वितरण तो वहीं दूसरी तरफ श्रम विभाग द्वारा लाभार्थियों के बीच चेक का भी वितरण किया गया।इस रोजगार मेले में भभुआ विधायक ने अपना अमूल्य समय देकर सभी पदाधिकारी एवं बेरोजगार युवाओं के लिए प्रेरणादाई संबोधन किया। ताकि युवाओं का उज्जवल भविष्य निर्माण हो सके।इस मौके पर नियोजन विभाग के पदाधिकारी,विधायक प्रतिनिधि पवन कुमार सहित काफी संख्या में युवा एवं युवती मौजूद रहे।

> » युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य, विधायक भरत बिंद

हिंदी दिवस पर आयुक्त का संदेश-सरकारी कामकाज में हिंदी को दें प्राथमिकता

नई सोच एक्सप्रेस

गया।हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को आयुक्त कार्यालय के सभागार में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. सफीना ए. एन ने की।समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त ने कहा कि हिंदी महज संवाद की भाषा नहीं बल्कि देश की संस्कृति, साहित्य, परंपरा और भावनाओं को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है।विविध भाषाओं और संस्कृतियों वाले देश में हिंदी ने संवाद और समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में सरल सहज और स्पष्ट हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग से प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद की दूरी कम होगी। सरकारी योजनाओं निर्णयों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी भी नागरिकों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकेगी।आयुक्त ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि हिंदी के विकास और प्रचार-प्रसार में सरकारी तंत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम में राजभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका और कार्यालयीन कार्यों में इसके प्रभावी इस्तेमाल पर विचार-विमर्श हुआ। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की ठोकर से साइकिल सवार की मौत

मोतिहारी। बेतिया-मोतिहारी मुख्य मार्ग पर रविवार को छपरा बहास स्थित मधुबाला पंप और इंडियन ऑयल पंप के बीच अज्ञात वाहन की ठोकर से साइकिल सवार रंजन झा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, सुगौली थाना क्षेत्र के छगराहां निवासी स्व. पुन्नू झा के पुत्र रंजन झा साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। सूचना मिलते ही सुगौली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे एक पुत्री छोड़ गए हैं। हादसे के बाद छगराहां गांव में शोक की लहर है। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की पहचान में जुटी है।

शहरी विस्तार की राह होगी आसान, नगर निकायों के प्रस्ताव पर जल्द फैसला

» प्रभारी मंत्री लेशी सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने लिया भाग

मधुबनी/बिहार। जिले में नए नगर निकायों के गठन, उत्क्रमण एवं क्षेत्र के विस्तारीकरण को लेकर जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार की मंत्री सह जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की प्रभारी मंत्री लेशी सिंह ने की। बैठक में जिला पदाधिकारी, जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान जिले के अंतर्गत नए नगर निकायों के गठन, उत्क्रमण एवं विस्तारीकरण से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। प्रभारी मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि नगर निकायों के विस्तारीकरण को लेकर जल्द निर्णय लिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नगर निकायों के विस्तार से विकास कार्यों को गति मिलने के साथ लोगों को आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। बैठक में स्थानीय स्तर की आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया।

दिवान सिंह की पुण्यतिथि पर नेत्र जांच व साड़ी वितरण

बक्सर। दिवान सिंह स्मृति विकास संस्थान कुरुथिया एवं लालमुनि चौबे स्मृति न्यास के संयुक्त तत्वावधान में दिवान सिंह की 26वीं पुण्यतिथि पर ब्रह्मपुर प्रखंड के कैथी में निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर लगाया गया। दृष्टिपुंज आई अस्पताल, पटना के सौजन्य से आयोजित शिविर में लोगों की आंखों की जांच कर जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। वहीं भदवर पंचायत के कुरुथिया में संस्थान की संस्थापिका दुनिया कुंवर के नेतृत्व में मुसहर समाज के वृद्धों, विधवाओं और सैकड़ों जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया। भाजपा बगेन मंडल अध्यक्ष उदय उज्जैन ने कहा कि इंसान की पहचान जाति या संप्रदाय से नहीं, बल्कि उसके कर्म और समाज के प्रति समर्पण से होती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। कार्यक्रम में विनोद कुमार उपाध्याय, बंसीधर पांडेय, आतिश लाल, मन जी पासवान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

नुसरत जहां को बिहार केसरी सम्मान-2026

» शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित

सीतामढ़ी/शिवहर। शिवहर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय कमरौली की प्रधानाध्यापिका नुसरत जहां को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बिहार केसरी सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उन्हें यह सम्मान मिला। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर सरगम कला एवं समाज कल्याण मंच की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में उनका चयन किया गया था। समारोह में उपस्थित नहीं हो पाने के कारण बाद में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। नुसरत जहां ने सम्मान को शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक की वास्तविक उपलब्धि विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उनके नेतृत्व में विद्यालय में बाल श्रम, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने सम्मान के लिए सरगम कला एवं समाज कल्याण मंच और विश्वमोहन चौधरी 'संत' के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का भी सम्मान है।

200 स्वयंसेवकों का युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कोषांग के तत्वावधान में आयोजित दरभंगा जिले के 200 स्वयंसेवकों का सात दिवसीय युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर में स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ आपदा के दौरान राहत, बचाव और त्वरित निर्णय लेने की जानकारी दी गई। समापन समारोह की अध्यक्षता एमआरएम कॉलेज की प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो. पुष्पम नारायण ने की। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक समाजसेवा के प्रतीक हैं और प्रशिक्षित युवाओं के माध्यम से आपदा न्यूनीकरण के कार्य में सफलता मिलेगी। एसडीआरएफ के प्रशिक्षक रूपेश कुमार पासवान ने कहा कि आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन प्रशिक्षण के माध्यम से उसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। शिविर में लिखित परीक्षा, अनुशासन, संभाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुति के आधार पर 20 सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों का चयन किया गया। अमित कुमार प्रथम, सत्यम कुमार मलिक द्वितीय और ताइबा फातिमा तृतीय रहीं। सभी 200 प्रतिभागियों को प्रमाण

» आपदा प्रबंधन के लिए 800 प्रशिक्षित युवा तैयार होंगे

पत्र एवं प्रशिक्षण किट प्रदान किए गए। शिविर संयोजक डॉ. आरएन चौरसिया ने बताया कि अब तक तीन बैचों में 600 स्वयंसेवक प्रशिक्षित हो चुके हैं। 16 से 22 सितंबर को अंतिम शिविर के बाद दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी जिलों में कुल 800 प्रशिक्षित युवा आपदा मित्र तैयार हो जाएंगे।

जदयू के वरिष्ठ नेता के निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक

नई सोच एक्सप्रेस

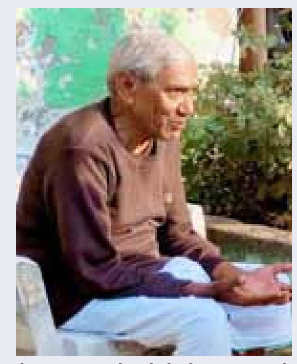

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जदयू के वरिष्ठ नेता, मगध विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य एवं बुद्ध विचार मंच के संरक्षक जगदीश कुशवाहा का निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इसकी सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और शुभचिंतक उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने लगे। बताया जाता है कि दिवंगत नेता लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे थे। समाज और संगठन के प्रति उनकी सक्रियता के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से उनके अच्छे संबंध रहे। उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए पार्थिव शरीर को जहानाबाद में बनाए गए शवदाह गृह ले जाया गया। इसी दौरान शवदाह गृह की व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि शवदाह गृह का उद्घाटन करीब दो वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया था, लेकिन उद्घाटन के बाद से यह नियमित रूप से उपयोग में नहीं आ सका। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण वहां व्यवस्था की कमी दिखाई दी। लोगों का कहना था कि यदि उद्घाटन के बाद ही शवदाह गृह को आम जनता के लिए पूरी तरह चालू कर दिया जाता तो आज अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। मौके पर मौजूद लोगों ने इसे सिस्टम की लापरवाही और प्रशासनिक कमजोरी बताते हुए कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं का उद्घाटन तभी सार्थक है, जब उसका लाभ आम लोगों को समय पर मिले। अंततः नम आंखों के साथ दिवंगत नेता को अंतिम विदाई दी गई।

नामांकन से लेकर परीक्षा तक की समस्याओं पर छात्र नेता ने सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। छात्र हित से जुड़ी तीन सूत्री मांगों को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सारण जिलाध्यक्ष सह जयप्रकाश विश्वविद्यालय के वरिष्ठ छात्र नेता शेख नौशाद ने विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण पदाधिकारी को मांग-पत्र सौंपा। उन्होंने विश्वविद्यालय में नामांकन, परीक्षा, परिणाम एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। मांग-पत्र में स्नातक सत्र 2026-30 में नामांकन से वंचित छात्रों को ऑन स्पॉट नामांकन का अवसर देने, स्पेशल पार्ट-थर्ड सहित लंबित एवं त्रुटिपूर्ण परिणामों में शीघ्र सुधार कर संबंधित महाविद्यालयों को भेजने की मांग की गई है। इसके अलावा यूजी सेमेस्टर-5 का परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि विस्तारित करने तथा यूजी सेमेस्टर-1, 2, 3 और 4 के अधिकांश छात्रों की लंबित मार्कशीट शीघ्र संबंधित महाविद्यालयों में उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। शेख नौशाद ने कहा कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से छात्र-छात्राओं को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लंबित परिणाम और दस्तावेजों के कारण विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई और अन्य अवसर प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे मामलों का शीघ्र निष्पादन जरूरी है।

समाहरणालय में भव्यता के साथ मनाया गया हिन्दी दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। हिन्दी दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी छिरिंग वाई भूटिया की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त आदित्य कुमार पीयूष, अपर समाहर्ता, तेज नारायण राय सहित हिन्दी के विद्वान शिक्षकों, साहित्यकारों एवं छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी भाषा की सहजता और व्यापकता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है तथा इसका उपयोग हर क्षेत्र में होता है। इस विशेष अवसर पर जिले के प्रबुद्ध कवियों एवं साहित्यकारों द्वारा सुंदर कविता पाठ एवं साहित्यिक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में डॉ० रविशंकर शर्मा, चितरंजन चैनपुरा, सुधाकर राजेन्द्र, सुधाकर रवि, मनीष मिश्रा, स्मृति अनुरागिनी, डॉ० मानसी, प्रो० मनोज कुमार मिश्र, सावित्री सुमन, अजय विश्वकर्मा, ममता प्रिया, मान्या गुप्ता, नंदन कुमार, महेश कुमार मिश्र दीपक, शाश्वत सुमन पाठक, अरविंद कुमार और अमृतेश मिश्र ने मधुर काव्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में जिले के वरीय प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, बुद्धिजीवी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

एसएसबी ने हिंदी को दी मजबूती की आवाज, हिंदी दिवस पर राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग का किया आह्वान"

नई सोच एक्सप्रेस

गया। 29वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल परिसर में सोमवार को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महानिरीक्षक (विशेष प्रचालन) श्री मानवेन्द्र ने की। उन्होंने हिंदी के ऐतिहासिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्मिकों से दैनिक एवं कार्यालयी कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया।उप महानिरीक्षक ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हर वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत और भावनात्मक एकता को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है।उन्होंने कार्यालयी कार्यों में हिंदी के सरल सहज और प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही डिजिटल और तकनीकी युग में हिंदी को और सशक्त बनाने तथा नई पीढ़ी को हिंदी भाषा और साहित्य से जोड़ने की जरूरत बताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के सम्मान और सहयोग के साथ होना चाहिए।समारोह में द्वितीय कमान अधिकारी श्री असीम उपाध्याय, अंजय रजक, दिनेश कुमार सहित क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन) एवं 29वीं वाहिनी के अधिकारी अधीनस्थ अधिकारी और बलकार्मिक मौजूद रहे।

वृद्ध महिला से चेन झपटकर भागे बदमाश को लोगो ने पकड़ा, गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार। रेलवे स्टेशन के पास वृद्ध महिला के गले से सोने की चेन झपटकर भागने वाले गिरोह का मधुबनी पुलिस ने पर्दाफाश किया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सोने की चेन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाल के परसा जिले के बिरगंज निवासी रवि कुमार राय और पतौना थाना क्षेत्र के मुरलीयाचक बजराहा निवासी राजेश कुमार राय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर को रेलवे स्टेशन मधुबनी के समीप सब्जी मंडी में मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने वृद्ध महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। घटना की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष दल-बल के साथ मौके के लिए

▪ स्थानीय लोगो ने एक बदमाश को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, विशेष टीम ने दूसरे को दबोचा

रवाना हुए। इसी दौरान प्रधान डाकघर, मधुबनी के पास स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान रवि कुमार राय के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने साले और अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी एवं छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। घटना के सफल उद्भेदन और सभी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मानवीय सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर रवि के साले राजेश कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर झपटी गई सोने की चेन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों के विरुद्ध जयनगर थाना कांड संख्या 173/2026, आरएस शिविर थाना कांड संख्या 91/2026 और दरभंगा के बेता थाना कांड संख्या 195/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) के तहत मामले दर्ज हैं। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 446/2026, दिनांक 13 सितंबर 2026, धारा 304(2)/3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जहानाबाद के चार तलवारबाज राज्य ओलंपिक प्रतियोगिता में होंगें सम्मिलित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बिहार राज्य में पहली बार आयोजित होने जा रही बिहार राज्य ओलंपिक प्रतियोगिता में जहानाबाद के चार तलवारबाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता इस माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होगा। इसी को लेकर सोमवार को अम्मा क्लब में शाम 3:30 बजे चयनित खिलाड़ियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक तकनीकी पहलुओं, खेल कौशल और रणनीति की जानकारी दी गई। खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। जहानाबाद तलवारबाजी संघ के सचिव अन्नू शक्ति सिंह ने बताया कि जिले से चार खिलाड़ियों का बिहार राज्य ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए चयन होना जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर अपने ज़िला का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में कुणाल सिंह आर्य, गौरव कुमार, आशीष कुमार और राजेश दास शामिल हैं। सभी खिलाड़ी फेंसिंग टीम के लिए खेलेंगे। टीम के कोच के रूप में अन्नू शक्ति सिंह तथा टीम मैनेजर के रूप में राजेश कुमार की रहेंगें। संघ के पदाधिकारियों ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि खिलाड़ी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर जिले के लिए पदक हासिल करेंगे। बिहार राज्य ओलंपिक प्रतियोगिता में पहली बार तलवारबाजी के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने से खेल प्रेमियों में काफी उत्साह है।

राम जानकी मेडिकल कॉलेज में काउंसलिंग की तैयारी पूरी, 18 तारीख से शुरू होगी प्रक्रिया; एसडीएम राकेश कुमार ने किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। आगामी 18 तारीख से प्रारंभ होने वाली राम जानकी मेडिकल कॉलेज में काउंसलिंग प्रक्रिया को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने विधि-व्यवस्था एवं तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने काउंसलिंग स्थल पर की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मिली जानकारी के अनुसार, काउंसलिंग के लिए कुल 50 सीटें आमंत्रित की गई हैं, जिनमें 8 सीटें केंद्र सरकार तथा 42 सीटें बिहार सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई हैं। यह अपने आप में एक सुखद एवं उत्साहजनक तथ्य है, जो काउंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

समस्तीपुर में बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में, राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। 2026 गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण जिले के 3 प्रखंड - मोहनपुर, मोहिउद्दीननगर और विद्यापतिनगर बाढ़ से प्रभावित हैं। जिला प्रशासन द्वारा राहत कार्यों में तेजी लाई गई है। 26 ग्राम पंचायतों के 71 गांव प्रभावित। कुल 2,33,212 लोग, 51,910 परिवार एवं 7,811 पशु प्रभावित। लगभग 10,709.78 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन के लिए 155 निजी नावों का परिचालन किया जा रहा है। अब तक कुल 131 सामुदायिक रसोई खोली गई, जिसमें से आज 25 क्रियाशील हैं। अब तक कुल 7,24,463 भोजन वितरित किए जा चुके हैं। अब तक 46,490 पॉलीथीन शीट का वितरण किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब तक 22 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं। आज 3,858 लोगों का इलाज किया गया। बीमारी से बचाव के लिए आज 130 किग्रा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। आज 66 पशुओं का इलाज किया गया, अब तक कुल 3,547 पशुओं का उपचार। जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर ने बताया कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। सभी संबंधित विभाग अलर्ट मोड पर हैं। बुखार या दस्त की स्थिति में तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की गई .

सहरसा में पत्रकार पर हमला लोकतंत्र पर प्रहार, समस्तीपुर राजद नेता फैयाज अहमद ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। सहरसा के सदर अस्पताल में मिड-डे मील का दूषित खाना खाने से बीमार हुए बच्चों की खबर कवर करने गए पत्रकार अभिषेक कुमार के साथ कथित तौर पर हुई मारपीट, गाली-गलौज और धमकी की घटना पर समस्तीपुर के राजद अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष फैयाज़ अहमद ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक बताते हुए लोकतंत्र और पत्रकारिता पर सीधा हमला करार दिया है। फैयाज अहमद ने कहा कि बच्चों की तबीयत बिगड़ने जैसे संवेदनशील मामले की जमीनी रिपोर्टिंग करना एक पत्रकार का लोकतांत्रिक व संवैधानिक दायित्व है, और ऐसे वक्त में पत्रकार को निशाना बनाना या डराने-धमकाने का प्रयास करना एक संगीन अपराध है। उन्होंने बिहार सरकार और जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की पुरजोर मांग की है ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। राजद नेता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पत्रकारों को डराकर या दबाव में रखकर लोकतंत्र की आवाज को कभी दबाया नहीं जा सकता है, इसलिए दोषी चाहे जो भी हों, उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सहरसा में मिड-डे मील से बच्चों के बीमार होने की मूल घटना की भी गहन जांच कराने की मांग उठाई है ताकि भविष्य में सरकारी स्कूलों में बच्चों के भोजन और स्वास्थ्य के साथ इस प्रकार की लापरवाही दोबारा न हो और क्षेत्र में किसी भी पत्रकार के साथ ऐसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति रोकी जा सके

आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति : बंदूक से आगे पूरे नेटवर्क पर प्रहार

आरती कुमारी

जम्मू-कश्मीर में और व्यापक स्वरूप में सामने आ रही है। अब आतंकवाद से मुकाबला केवल उन लोगों तक सीमित नहीं है, जो हाथ में हथियार लेकर हिंसा को अंजाम देते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान उस पूरे तंत्र पर केंद्रित है, जो आतंकवादियों को हथियार, पैसा, सूचना, सुरक्षित ठिकाना, आवागमन और दूसरी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। कुलगाम, शोपियां और घाटी के अन्य इलाकों में हाल के तलाशी अभियानों को इसी बदली हुई रणनीति के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। रविवार को काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर के नेतृत्व में कुलगाम और शोपियां समेत कई इलाकों में संदिग्ध ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। शोपियां के नादिगाम क्षेत्र में दिवंगत गुलाम हसन गनी के बेटे इरफान अहमद गनी के मकान पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी ली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई आतंकवाद से जुड़े एक संवेदनशील मामले की जांच और उसके पीछे सक्रिय नेटवर्क की कड़ियों को समझने के उद्देश्य से की गई। हालांकि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ दोष सिद्ध होने तक उसे आरोपी मानना उचित नहीं है। तलाशी या पूछताछ जांच की प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निष्कर्ष साक्ष्यों तथा कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चुनौती को केवल मुठभेड़ों और हथियारबंद आतंकियों की गतिविधियों के रूप में देखना समस्या को अधूरा समझना होगा। आतंकवाद किसी एक व्यक्ति या समूह की हिंसक कार्रवाई भर नहीं होता। उसके पीछे विचारधारा, वित्तीय संसाधन, हथियारों की आपूर्ति, संचार व्यवस्था, स्थानीय मददगार, सुरक्षित ठिकाने और सीमा पार से मिलने वाला निर्देश तंत्र काम करता है। यदि इस पूरी श्रृंखला की किसी महत्वपूर्ण कड़ी को छोड़ दिया जाए तो आतंकवाद का ढांचा पूरी तरह कमजोर नहीं हो सकता। इसी कारण सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति में ओवर ग्राउंड वर्कर्स और स्थानीय सहयोगी नेटवर्क की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे लोग हमेशा सीधे हथियार लेकर सामने नहीं आते। आरोपों के अनुसार, कुछ लोग आतंकियों को ठिकाना देने, उनके लिए रसद जुटाने, संदेश पहुंचाने, हथियारों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने या सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधियों की जानकारी देने जैसे कामों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। आतंकवादी संगठनों के लिए ऐसा नेटवर्क इसलिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उनके लिए स्थानीय स्तर पर काम करना आसान हो जाता है। शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से भी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी सीमा पार आतंकी साजिश के मामले में कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर सहित दस स्थानों पर छापेमारी की गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस मामले में पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं और घाटी में मौजूद उनके कथित स्थानीय सहयोगी तंत्र के बीच संबंधों की जांच की जा रही है। यदि जांच में ऐसे संबंध प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट होगा कि सीमा पार से संचालित आतंकवादी गतिविधियों को जमीन पर उतारने के लिए स्थानीय नेटवर्क किस तरह उपयोग किया जाता है। 31 मार्च 2026 को एक नाके पर लश्कर से जुड़े एक ओवर ग्राउंड वर्कर की गिरफ्तारी के बाद इस मामले की जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिलने की बात सामने आई थी। उसके कब्जे से हैंड ग्रेनेड और कारतूस बरामद किए जाने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ना स्वाभाविक है। किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उसके संपर्कों, संचार माध्यमों, वित्तीय लेन-देन, हथियारों की आपूर्ति और संभावित सहयोगियों की पड़ताल जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण होती है। यही प्रक्रिया आगे चलकर किसी बड़े नेटवर्क की तस्वीर सामने ला सकती है।

आतंकवाद के बदलते तौर-तरीके-आतंकवाद की चुनौती इसलिए भी जटिल है क्योंकि इसके तौर-तरीके लगातार बदलते रहते हैं। पहले आतंकवाद का चेहरा मुख्य रूप से हथियारबंद समूहों और प्रत्यक्ष हिंसक गतिविधियों के रूप में दिखाई देता था। अब आतंकवादी संगठन ऐसे स्थानीय तंत्र की तलाश करते हैं, जो सीधे मुठभेड़ में शामिल हुए बिना उनकी मदद कर सके। सूचना उपलब्ध कराने से लेकर ठिकाने की व्यवस्था तक, कई गतिविधियां पर्दे के पीछे संचालित की जा सकती हैं। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद-रोधी अभियान में केवल हथियार बरामद करना या किसी आतंकवादी को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। सुरक्षा एजेंसियों को यह पता लगाना होता है कि हथियार कहां से आया, धन किस माध्यम से पहुंचा, निर्देश किसने दिए, स्थानीय स्तर पर किसने मदद की और नेटवर्क के अन्य हिस्से कहां सक्रिय हैं। इस दृष्टि से खुफिया जानकारी का विश्लेषण और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक स्थिति भी इस चुनौती को गंभीर बनाती है। नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास के क्षेत्रों में कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और संवेदनशील सीमाई इलाकों का इस्तेमाल घुसपैठ की कोशिशों के लिए किया जाता रहा है। सीमा पार मौजूद आतंकी संगठनों के लिए स्थानीय मददगार किसी भी साजिश को जमीन पर लागू करने का माध्यम बन सकते हैं। इसलिए सीमा सुरक्षा के साथ-साथ घाटी के भीतर खुफिया तंत्र को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। स्थानीय पुलिस की भूमिका निर्णायक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों की भूमिका उससे कम नहीं है। स्थानीय पुलिस के पास क्षेत्र, लोगों और गतिविधियों को लेकर जो व्यावहारिक जानकारी होती है, वह किसी भी अभियान में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, स्थानीय सूचनाओं का सत्यापन और संभावित नेटवर्क तक पहुंचने में पुलिस का अनुभव निर्णायक हो सकता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और जांच एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल आतंकवाद विरोधी अभियान को प्रभावी बनाने की कुंजी है। अलग-अलग एजेंसियों के पास उपलब्ध सूचनाओं का साझा विश्लेषण किया जाए तो किसी नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने आने की संभावना बढ़ जाती है। आतंकवाद के बदलते स्वरूप में तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया तंत्र के बीच संतुलन भी जरूरी है।

जीरो टॉलरेंस का अर्थ कानून के भीतर कठोर कार्रवाई

सरकार की ओर से आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर लगातार जोर दिया जाता रहा है। इसका मूल संदेश स्पष्ट है कि आतंकवाद को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहायता देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। लेकिन इस नीति की सफलता केवल कार्रवाई की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी कानूनी मजबूती से तय होगी। किसी व्यक्ति के घर पर तलाशी, गिरफ्तारी या पूछताछ अपने आप में अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है। इसलिए जांच एजेंसियों के लिए जरूरी है कि प्रत्येक कार्रवाई ठोस सूचना और प्रमाण के आधार पर हो तथा कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया जाए। आतंकवाद के खिलाफ कठोरता और नागरिक अधिकारों की रक्षा दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था वही मानी जाएगी, जो कानून के दायरे में रहकर आतंकवाद पर प्रभावी प्रहार करे। आर्थिक नेटवर्क पर चोट जरूरी आतंकवाद के खिलाफ किसी भी दीर्घकालिक रणनीति में उसके आर्थिक आधार को कमजोर करना महत्वपूर्ण है। हथियार, परिवहन, संचार, सुरक्षित ठिकाने और अन्य संसाधनों के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि धन का स्रोत बंद कर दिया जाए तो आतंकवादी नेटवर्क की क्षमता स्वतः कमजोर होती है। इसलिए जांच का दायरा वित्तीय लेन-देन और संदिग्ध आर्थिक गतिविधियों तक पहुंचना जरूरी है। हवाला, अवैध धन हस्तांतरण या किसी अन्य माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक समर्थन मिलने की आशंका हो तो उसकी गहन जांच आवश्यक है। आतंकवाद की अर्थव्यवस्था पर चोट करना कई बार किसी हथियारबंद आतंकी को पकड़ने से भी अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, क्योंकि इससे पूरे नेटवर्क की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।

आम नागरिकों के लिए शांति सबसे बड़ा लक्ष्य-आतंकवाद के खिलाफ अभियान का अंतिम उद्देश्य केवल आतंकियों की संख्या कम करना नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के आम नागरिकों को सुरक्षित और सामान्य जीवन उपलब्ध कराना होना चाहिए। दशकों तक हिंसा का सबसे बड़ा बोझ आम नागरिकों ने उठाया है। आतंकवाद ने शिक्षा, रोजगार, व्यापार, पर्यटन और सामाजिक जीवन को प्रभावित किया है। असुरक्षा का वातावरण विकास की संभावनाओं को सीमित करता है। इसके विपरीत जब सुरक्षा का वातावरण मजबूत होता है तो स्कूल-कॉलेज सामान्य रूप से चलते हैं, कारोबार बढ़ता है, पर्यटक आते हैं और निवेश की संभावनाएं मजबूत होती हैं। इसलिए आतंकवाद विरोधी अभियान को केवल सुरक्षा नीति के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास की आधारशिला के रूप में भी देखना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद विरोधी कार्रवाई और आम नागरिकों के बीच विश्वास का संबंध मजबूत बना रहे। स्थानीय समुदायों का सहयोग आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी सुरक्षा कवचों में से एक हो सकता है। यदि नागरिकों को विश्वास हो कि उनकी सूचना की गोपनीयता बनी रहेगी और निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानी नहीं होगी, तो सुरक्षा एजेंसियों को स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभावी सूचनाएं मिल सकती हैं।

आगे की चुनौती-कुलगाम और शोपियां में हाल की तलाशी कार्रवाई तथा राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विभिन्न स्थानों पर छापेमारी यह संकेत देती है कि जांच एजेंसियां आतंकवाद के नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी हैं। आने वाले समय में इन अभियानों से कई नए तथ्य सामने आ सकते हैं। लेकिन किसी भी जांच का मूल्य केवल इस बात से नहीं आंका जाना चाहिए कि कितने स्थानों पर छापे पड़े या कितने लोगों से पूछताछ हुई। वास्तविक सफलता तब होगी, जब आतंकवाद के पूरे नेटवर्क को साक्ष्यों के आधार पर चिन्हित किया जाए और उसके खिलाफ अदालत में टिकने वाली कानूनी कार्रवाई हो। जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से हासिल नहीं की जा सकती। इसके लिए प्रभावी सीमा सुरक्षा, मजबूत खुफिया तंत्र, आतंकवाद के आर्थिक स्रोतों पर नियंत्रण, स्थानीय पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों का बेहतर समन्वय तथा आम नागरिकों का विश्वास—इन सभी की आवश्यकता होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल 'बंदूक बनाम बंदूक' की लड़ाई न समझा जाए। आतंकवाद का मुकाबला उसके पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करके ही किया जा सकता है। जो व्यक्ति हथियार उठाता है, वह उसका एक चेहरा है; उसके पीछे खड़ा वित्तीय, सूचनात्मक और रसद तंत्र उसकी वास्तविक ताकत हो सकता है। इसलिए कश्मीर में वर्तमान रणनीति की दिशा महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के हर नेटवर्क को कानून के दायरे में रहकर तोड़ना, सीमा पार से आने वाले निर्देशों और संसाधनों पर रोक लगाना तथा स्थानीय स्तर पर उसके सहयोगी तंत्र को निष्प्रभावी करना जरूरी है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि निर्दोष नागरिकों के अधिकार सुरक्षित रहें और जांच पूरी तरह प्रमाण आधारित हो। कश्मीर का भविष्य बंदूक की छाया में नहीं, बल्कि शांति, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन और विकास के वातावरण में तय होना चाहिए। आतंकवाद के पूरे नेटवर्क पर प्रभावी और कानूनी प्रहार इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है। यदि सुरक्षा, कानून और नागरिक विश्वास तीनों साथ आगे बढ़ते हैं, तो जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति की संभावना और मजबूत होगी।

सर्वे के बाद पश्चिम बंगाल में 252 मदरसे हुए बंद, 100 को जारी हुई नोटिस

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना: पश्चिम बंगाल में मदरसा शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। राज्यभर में किए गए सर्वेक्षण के बाद सरकार ने ऐसे 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है, जिनके संचालन के लिए जरूरी मंजूरी नहीं थी अथवा वहां आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव पाया गया। इसके अलावा 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सरकार के इस फैसले ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था, संस्थानों की मान्यता और विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर नई बहस को जन्म दिया है। मदरसा शिक्षा मंत्री क्षुदिराम टुडू ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य किसी धार्मिक या शैक्षणिक संस्था को केवल उसकी पहचान के आधार पर निशाना बनाना नहीं है, बल्कि शिक्षा संस्थानों के संचालन में आवश्यक नियमों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना है। सर्वेक्षण के दौरान जिन संस्थानों में आवश्यक अनुमति, आधारभूत ढांचे अथवा निर्धारित शैक्षणिक सुविधाओं की कमी मिली, उनके विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। किसी भी शिक्षा संस्थान की सबसे पहली जिम्मेदारी विद्यार्थियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए भवन, पर्याप्त कक्ष, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, शिक्षकों की उपलब्धता, पंजीकरण और संबंधित विभागों की आवश्यक मंजूरी जैसे मानक महत्वपूर्ण होते हैं। पश्चिम बंगाल में किए गए सर्वेक्षण के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे मदरसों की पहचान हुई, जो निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं पाए गए। सरकार के अनुसार, 252 संस्थानों को बंद करने का आदेश इसी प्रक्रिया का परिणाम है। वहीं 100 संस्थानों को तत्काल बंद करने के बजाय उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह अंतर महत्वपूर्ण है। नोटिस मिलने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित सभी संस्थान निश्चित रूप से बंद कर दिए जाएंगे। उन्हें सरकार के सामने यह स्पष्ट करने का अवसर मिलेगा कि उनके यहां पाई गई कमियों की वास्तविक स्थिति क्या है और उन्हें दूर करने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए है। भारत में शिक्षा संस्थानों की विश्वसनीयता उनके निर्धारित नियमों और मानकों के पालन से जुड़ी होती है। चाहे संस्थान सामान्य विद्यालय हो, निजी स्कूल हो, कॉलेज हो या मदरसा, विद्यार्थियों के हित में कुछ न्यूनतम मानकों का पालन आवश्यक है। यदि कोई संस्था बिना आवश्यक अनुमति के संचालित हो रही है, तो इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य पर सवाल खड़े हो सकते हैं। उन्हें मिलने वाली शिक्षा की मान्यता, आगे की पढ़ाई में प्रवेश और प्रमाणपत्रों की स्वीकार्यता जैसी समस्याएं सामने आ सकती है। इसीलिए सरकार का यह तर्क है कि शिक्षा संस्थानों का नियमित निरीक्षण और सत्यापन होना चाहिए। किसी संस्था का संचालन लंबे समय से हो रहा हो, इससे अपने आप यह साबित नहीं होता कि वह सभी निर्धारित मानकों को पूरा करती है। मदरसे धार्मिक एवं पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ अनेक स्थानों पर आधुनिक विषयों की शिक्षा भी देते हैं। इनमें पढ़ने वाले विद्यार्थी भी उसी समाज और देश का हिस्सा हैं, जिनके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में मदरसों से जुड़े किसी भी प्रशासनिक निर्णय को धार्मिक चश्मे से देखने के बजाय विद्यार्थियों के हित, शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थागत पारदर्शिता के नजरिए से देखना अधिक उपयोगी होगा। यदि किसी मदरसे में आवश्यक सुविधाएं नहीं हैं, तो वहां पढ़ने वाले बच्चों को उसका नुकसान नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, यदि कोई संस्था नियमों का पालन कर रही है और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, तो केवल उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर उसके खिलाफ कार्रवाई भी उचित नहीं मानी जा सकती। यही संतुलन सरकार की कार्रवाई की विश्वसनीयता का आधार बनेगा। सरकार के फैसले में दो अलग-अलग स्तर दिखाई देते हैं। एक ओर 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया गया है, वहीं दूसरी ओर 100 संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि सरकार ने सर्वेक्षण में सामने आई स्थितियों को अलग-अलग श्रेणियों में देखा है। जिन संस्थानों की स्थिति गंभीर रूप से नियमों के विपरीत पाई गई, उनके विरुद्ध बंद करने का निर्णय लिया गया। वहीं जिन संस्थानों के मामले में स्पष्टीकरण या सुधार की गुंजाइश है, उन्हें नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। अब महत्वपूर्ण सवाल यह होगा कि इन 100 संस्थानों के जवाबों की जांच किस प्रकार की जाती है। यदि किसी संस्था ने वास्तविक कमियों को दूर करने की क्षमता और इच्छा दिखाई, तो क्या उसे सुधार का अवसर मिलेगा? यदि किसी संस्था के पास आवश्यक दस्तावेज हैं, लेकिन सर्वेक्षण के दौरान वे उपलब्ध नहीं हो पाए, तो क्या उसका पुनः सत्यापन होगा? इन सवालों के जवाब आगे की प्रक्रिया से स्पष्ट होंगे। किसी भी शिक्षा संस्था को बंद करने का सबसे संवेदनशील पक्ष वहां पढ़ने वाले विद्यार्थी होते हैं। संस्था बंद होने के बाद उन बच्चों की पढ़ाई कहां होगी, उनके शिक्षकों का क्या होगा और उन्हें वैकल्पिक विद्यालय या मदरसा कैसे उपलब्ध कराया जाएगा, इन सवालों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रशासनिक कार्रवाई का खामियाजा बच्चों को न भुगतना पड़े। यदि किसी मदरसे को बंद किया जाता है, तो वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक व्यवस्था की स्पष्ट योजना होनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार का उद्देश्य विद्यार्थियों की पढ़ाई रोकना नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर और सुरक्षित शिक्षा उपलब्ध कराना होना चाहिए।आज शिक्षा का अर्थ केवल किताब और शिक्षक तक सीमित नहीं है। एक आधुनिक शिक्षण संस्थान में सुरक्षित भवन, प्रकाश और वेंटिलेशन, स्वच्छ पेयजल, छात्र-छात्राओं के लिए उचित शौचालय, बैठने की व्यवस्था और स्वास्थ्य-सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी जरूरी हैं। ग्रामीण या आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में चलने वाले संस्थानों के सामने संसाधनों की कमी हो सकती है। लेकिन इसका समाधान यह नहीं है कि बच्चों को न्यूनतम सुविधाओं से भी वंचित रखा जाए। ऐसे संस्थानों को यदि सरकार या संबंधित विभाग से तकनीकी अथवा प्रशासनिक सहायता मिल सकती है, तो उसे उपलब्ध कराने पर भी विचार किया जाना चाहिए। नियमों का पालन आवश्यक है, लेकिन सुधार का रास्ता बंद कर देना हमेशा समाधान नहीं होता है। पश्चिम बंगाल में मौजूदा कार्रवाई को केवल एक बार की प्रशासनिक कवायद तक सीमित रखने के बजाय सरकार को इसे व्यापक शिक्षा सुधार अभियान का हिस्सा बनाना चाहिए। राज्य में संचालित सभी प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों का समय-समय पर सत्यापन हो। उनकी मान्यता, भवन, शिक्षकों, विद्यार्थियों की संख्या, पाठ्यक्रम और आधारभूत सुविधाओं की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाए। इससे भविष्य में फर्जी या अनधिकृत संस्थानों की पहचान आसान होगी। साथ ही, जिन संस्थानों में छोटी-मोटी कमियां हैं, उन्हें निश्चित समय सीमा देकर उन्हें दूर करने का अवसर दिया जा सकता है। इससे प्रशासनिक कार्रवाई के साथ सुधार की प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी। मदरसा शिक्षा को लेकर देश में लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि धार्मिक एवं पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक विषयों को किस सीमा तक जोड़ा जाए। आज का विद्यार्थी केवल धार्मिक ज्ञान तक सीमित नहीं रह सकता। उसे गणित, विज्ञान, कंप्यूटर, भाषा, सामान्य ज्ञान और बदलती दुनिया के अनुरूप रोजगारपरक शिक्षा की भी आवश्यकता है। मदरसा शिक्षा में आधुनिक विषयों का समावेश विद्यार्थियों को मुख्यधारा के अवसरों से जोड़ने में मदद कर सकता है। इससे वे उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के क्षेत्र में बेहतर तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। इसलिए मदरसों के नियमन का उद्देश्य केवल यह देखना नहीं होना चाहिए कि संस्था के पास अनुमति है या नहीं। व्यापक दृष्टि से यह भी देखा जाना चाहिए कि वहां पढ़ने वाले बच्चों को 21वीं सदी के अनुरूप शिक्षा मिल रही है या नहीं। 252 मदरसों को बंद करने और 100 को नोटिस देने का फैसला निश्चित रूप से गंभीर है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे। किस संस्था में कौन-सी कमी पाई गई, किस नियम का उल्लंघन हुआ, किस आधार पर उसे बंद करने का आदेश दिया गया और संबंधित संस्था को अपना पक्ष रखने का कितना अवसर मिला—इन बिंदुओं की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक होने से भ्रम कम होगा। पारदर्शिता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि शिक्षा और धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में भावनाएं जल्दी जुड़ जाती हैं। यदि सरकार तथ्यों और निर्धारित नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है तथा वही मानक सभी संस्थानों पर लागू करती है, तो उसकी विश्वसनीयता मजबूत होगी। इस पूरे मामले से एक बड़ा सिद्धांत भी सामने आता है वह है कानून और शिक्षा के मानक किसी संस्था की धार्मिक पहचान देखकर अलग नहीं होने चाहिए। जो नियम एक विद्यालय के लिए आवश्यक हैं, उनका उचित स्वरूप मदरसे पर भी लागू होना चाहिए। जो सुरक्षा मानक विद्यार्थियों के लिए जरूरी हैं, वे हर शिक्षण संस्थान में होने चाहिए। इसी समानता से शिक्षा व्यवस्था में विश्वास पैदा होता है। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि नियमों का उद्देश्य संस्थानों को परेशान करना नहीं, बल्कि उन्हें व्यवस्थित करना है।

हिमवंत कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल

हेमंत चौकियाल

हेमंत चौकियाल द्वारा लिखित यह आलेख हिंदी साहित्य के महान कवि चन्द्रकुँवर बर्त्वाल के जीवन, उनकी साहित्यिक साधना और उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है: विश्व साहित्य के इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो कई कवि ऐसे हैं जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने रचित साहित्य से ऊँचा मकाम बनाया है। बहुत कवियों ने मार्मिक प्रेमगीत लिखे हैं, विरह गीत लिखे हैं, लेकिन मृत्यु का स्वागत जिस उल्लास से चन्द्रकुँवर बर्त्वाल ने किया है, वह उनके साहित्य के बाहर दुर्लभ है। वे विश्व के अकेले कवि हैं जिन्होंने मृत्यु को जी भरकर जिया है—भले ही इस यात्रा में कई बार विषाद के क्षण भी आये, कई बार घनघोर नैराश्य ने उन्हें घेरा, लेकिन इन तमाम मनोभावों के बीच उन्होंने मृत्यु का स्वागत जिस ढंग से किया, वह उनके साहित्य के विशाल फलक की एक बानगी है। चन्द्रकुँवर बर्त्वाल का हिन्दी साहित्य जगत में पदार्पण तब हुआ जब छायावाद युग अपने चरमोत्कर्ष पर था और जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा तथा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' अपने आप को हिन्दी साहित्य जगत में स्थापित कर चुके थे। ऐसे समय में चन्द्रकुँवर बर्त्वाल रुद्रप्रयाग और पौड़ी की कंदराओं में प्रकृति वर्णन के छंदों के साथ देश की स्वतंत्रता के गीत मुखरित स्वरों में गा रहे थे। हिन्दी के वरिष्ठ समालोचकों और साहित्यकारों ने उन्हें 'हिन्दी का कालिदास' कहा है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन : भारत की कूटनीतिक विजय, वैश्विक दक्षिण का उभार और नई विश्व व्यवस्था की आधारशिला

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार इक्कीसवीं शताब्दी का तीसरा दशक विश्व राजनीति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और सामरिक समीकरणों के तीव्र परिवर्तन का काल है। एक समय था जब विश्व व्यवस्था पर कुछ सीमित शक्तियों का प्रभाव निर्णायक माना जाता था, किंतु आज परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के देश अब केवल वैश्विक निर्णयों का पालन करने वाले राष्ट्र नहीं रहना चाहते, बल्कि वे स्वयं निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में समान भागीदारी चाहते हैं। इसी परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली मंच बनकर उभरा है ब्रिक्स, जिसने उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साझा आवाज़ प्रदान की है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित अठारहवें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि आज का भारत केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति का एक विश्वसनीय और प्रभावशाली केंद्र बन चुका है। यह सम्मेलन केवल औपचारिक बैठकों का समूह नहीं था, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर था। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि विभिन्न राजनीतिक विचारों, आर्थिक हितों और क्षेत्रीय मतभेदों वाले देशों ने एक साझा मंच पर बैठकर वैश्विक शांति, आर्थिक सहयोग, आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान सहित अन्य सदस्य देशों और साझेदार राष्ट्रों के नेताओं का स्वागत किया। यह दृश्य स्वयं इस बात का प्रतीक था कि भारत आज ऐसी कूटनीतिक क्षमता रखता है जहाँ परस्पर मतभेद रखने वाले देश भी संवाद के लिए एक मंच पर आने को तैयार हैं।

इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक आतंकवाद के विरुद्ध स्पष्ट और सामूहिक रुख रहा। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा संयुक्त घोषणा में शामिल होना भारत की एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता माना जा सकता है। लंबे समय से भारत सीमा-पार आतंकवाद को वैश्विक चुनौती के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। ऐसे में विभिन्न देशों द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता व्यक्त करना भारत के दृष्टिकोण को व्यापक समर्थन मिलने का संकेत है। ब्रिक्स सम्मेलन का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल देना रहा। आज भी विश्व की अनेक प्रमुख संस्थाएँ द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की परिस्थितियों के अनुरूप संरचित हैं, जबकि विश्व की आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताएँ व्यापक रूप से बदल चुकी हैं। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में अधिक प्रतिनिधिक व्यवस्था और अपनी स्थायी सदस्यता की माँग करता रहा है। यद्यपि ऐसी सदस्यता एक जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया से जुड़ी है और इसका निर्णय अनेक देशों की सहमति पर निर्भर करता है, फिर भी वैश्विक शासन में सुधार की माँग को व्यापक समर्थन मिलना भारत की दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति के लिए सकारात्मक संकेत है। भारत की अध्यक्षता की एक विशेष उपलब्धि यह भी रही कि पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण देशों—ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात—के प्रतिनिधि एक ही मंच पर रचनात्मक संवाद का हिस्सा बने। इन देशों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित और मतभेद हैं, फिर भी भारत ने ऐसा वातावरण तैयार किया जिसमें सहयोग और संवाद की भावना को प्राथमिकता मिली। यह भारत की संतुलित विदेश नीति और उसकी बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण माना जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने किसी एक शक्ति-गुट पर निर्भर रहने के बजाय बहु-आयामी कूटनीति को अपनाया है। भारत अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करता है, रूस के साथ दशकों पुराने संबंधों को भी बनाए रखता है, यूरोप के साथ व्यापार और प्रौद्योगिकी सहयोग का विस्तार करता है तथा पश्चिम एशिया, अफ्रीका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी संतुलित भूमिका निभाता है। यही नीति भारत को वैश्विक स्तर पर एक स्वतंत्र और विश्वसनीय शक्ति के रूप में स्थापित करती है। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वार्ता ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। भारत और चीन के बीच सीमा सहित अनेक जटिल प्रश्न हैं, किंतु संवाद की निरंतरता और तनाव को नियंत्रित रखने का प्रयास क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुई वार्ता में ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान और व्यापारिक सहयोग पर विचार-विमर्श हुआ। यह दर्शाता है कि भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की नीति पर आगे बढ़ रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ब्रिक्स सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, भुगतान प्रणालियों का विकास, आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल सहयोग और निवेश के नए अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। इन विषयों का उद्देश्य वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को अधिक संतुलित, समावेशी और लचीला बनाना है। यह कहना उचित नहीं होगा कि इससे तत्काल वर्तमान वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का स्वरूप बदल जाएगा, किंतु यह स्पष्ट है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएँ अब अपने हितों के अनुरूप नए विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। भारत के लिए यह सम्मेलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों की साझा समस्याएँ—विकास, गरीबी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और वित्तीय संसाधनों तक पहुँच—ऐसे विषय हैं जिन पर भारत लगातार रचनात्मक भूमिका निभाता रहा है। ब्रिक्स इस दिशा में भारत के लिए एक प्रभावी मंच बनकर उभरा है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल संयुक्त घोषणा-पत्र जारी करना नहीं है, बल्कि यह है कि इतने विविध हितों वाले देशों ने वैश्विक चुनौतियों पर संवाद और सहयोग की आवश्यकता को स्वीकार किया। आज विश्व जिन संकटों से जूझ रहा है—आतंकवाद, ऊर्जा असुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियमन, साइबर सुरक्षा और वैश्विक आर्थिक असमानता—उनका समाधान किसी एक देश के बल पर संभव नहीं है। ऐसे समय में ब्रिक्स ने यह संदेश दिया कि उभरती अर्थव्यवस्थाएँ भी विश्व व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक आतंकवाद के प्रश्न पर व्यापक समर्थन प्राप्त करना रहा। भारत लंबे समय से यह आग्रह करता रहा है कि आतंकवाद को किसी भी राजनीतिक, धार्मिक या वैचारिक आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा का संयुक्त घोषणा-पत्र में समावेश इस दिशा में भारत की कूटनीतिक सफलता का संकेत माना जा सकता है। इससे यह संदेश गया कि आतंकवाद केवल किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए चुनौती है और इसके विरुद्ध वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर पुनः बल दिया जाना भी इस सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। आज विश्व की आर्थिक और जनसांख्यिकीय वास्तविकताएँ बदल चुकी हैं। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक देश है और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे में वैश्विक निर्णय-निर्माण संस्थाओं में उसकी भूमिका और प्रतिनिधित्व बढ़ाने की चर्चा स्वाभाविक है। यद्यपि स्थायी सदस्यता का निर्णय जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया से जुड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर : झारखंड में फॉर्म-6 के 4.86 लाख से अधिक आवेदन, 15 सितंबर अंतिम मौका

रांची। झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, 13 सितंबर तक फॉर्म-6 के माध्यम से कुल 4,70,542 आवेदन प्राप्त हुए थे, जबकि 13 सितंबर को ही 16,224 नए आवेदन मिले। इसी तरह फॉर्म-6A के माध्यम से कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 13 सितंबर को तीन आवेदन शामिल हैं। फॉर्म-7 के जरिए नाम हटाने या आपत्ति से संबंधित कुल 5,576 आवेदन मिले हैं, जबकि 13 सितंबर को 99 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, फॉर्म-8 के माध्यम से मतदाता सूची में संशोधन के लिए कुल 2,98,871 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 13 सितंबर को 12,899 आवेदन शामिल हैं। निर्वाचन विभाग ने बताया कि SIR के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। इसके बाद प्राप्त दावों और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी कर 19 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। विभाग ने पात्र नागरिकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवश्यक फॉर्म जमा करने की अपील की है।

ओबीसी के लिए अलग कॉलम की मांग को लेकर 16 को कांग्रेस का राजभवन मार्च

रांची। जातिगत जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम शामिल करने की मांग को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी 16 सितंबर को राजभवन मार्च करेगी। मार्च में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। मार्च के बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर जातिगत जनगणना में ओबीसी की वास्तविक संख्या दर्ज करने के लिए अलग कॉलम सुनिश्चित करने की मांग करेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जातिगत जनगणना केवल आंकड़े जुटाने का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और संसाधनों में न्यायपूर्ण हिस्सेदारी सुनिश्चित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी आबादी ओबीसी समाज से आती है, ऐसे में उनकी स्पष्ट सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आंकड़े उपलब्ध होना जरूरी है। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार सामाजिक न्याय और सबका साथ, सबका विकास की बात करती है, तो जातिगत जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम रखने में आपत्ति क्यों है। बिना सही आंकड़ों के आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लक्षित वर्गों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना कठिन है। कमलेश ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को सदन से सड़क तक मजबूती से लड़ेगी। 16 सितंबर का राजभवन मार्च केंद्र सरकार को ओबीसी समाज की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मांग का स्पष्ट संदेश देगा।

मोदी के 13 साल के शासन में 150 से अधिक पेपर लीक, अब जन्मदिन पर दीया जलाने की अपील : राकेश सिन्हा

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर पर घर-घर दीया जलाने की भाजपा की अपील पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को दीया जलाने की अपील करने से पहले यह देखना चाहिए कि महंगाई और बेरोजगारी ने कितने घरों की खुशियों की रोशनी बुझा दी है। राकेश सिन्हा ने कहा कि देश का युवा रोजगार की तलाश में भटक रहा है और पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों के भविष्य पर गंभीर असर डाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 13 वर्षों के शासन में 150 से अधिक पेपर लीक हुए, लेकिन अब उन्हीं छात्रों के भविष्य की चिंता करने के बजाय जन्मदिन पर दीया जलाने की अपील की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता रोजगार और महंगाई से राहत मांग रही है, जबकि भाजपा जन्मदिन मनाने और आशीर्वाद लेने की बात कर रही है। किसान, मजदूर, छोटे कारोबारी और मध्यम वर्ग महंगाई और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने व्यंग्य करते हुए कहा कि 17 सितंबर को भाजपा कार्यकर्ता एक दीया जरूर जलाएं, लेकिन उसके साथ सरकार के पुराने वादों का हिसाब भी जनता के सामने रखें। कितने रोजगार मिले, महंगाई कितनी कम हुई और अच्छे दिनों की रोशनी कितने घरों तक पहुंची, इसका जवाब भी दिया जाना चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की असली रोशनी प्रचार और उत्सव से नहीं, बल्कि उसके काम से दिखाई देती है। भाजपा को पहले जनता की बुझी उम्मीदों में रोशनी लानी चाहिए, तभी उसे जनता के सच्चे आशीर्वाद की उम्मीद करनी

माधोपुर उप स्वास्थ्य केंद्र में सेंधमारी, पंखा समेत अन्य सामान चोरी

चकाई।चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के माधोपुर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में चोरों ने सेंधमारी कर पंखा समेत अन्य सामान चोरी कर लिया घटना की जानकारी सोमवार सुबह करीब 9 बजे उस समय हुई, जब स्वास्थ्य केंद्र का दरवाजा खोला गया घटना के संबंध में स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों द्वारा चंद्रमंडीह थाना में लिखित शिकायत दी गई है शिकायत में बताया गया है कि चोरों ने दरवाजा तोड़कर स्वास्थ्य केंद्र के अंदर प्रवेश किया और कमरे में रखा एक पंखा समेत अन्य सामान चोरी कर लिया स्वास्थ्यकर्मियों ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी गए सामान की बरामदगी तथा घटना में शामिल चोरों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है घटना के बाद स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं

संत माइकल इंडियन स्कूल के दो शिक्षकों को मिला सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

» शिक्षिका सलोनी पांडेय व शिक्षक विवेक उपाध्याय को एसपी ने प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर किया सम्मानित

चकाई।प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन जमुई की ओर से आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में संत माइकल इंडियन स्कूल माधोपुर की शिक्षिका सलोनी पांडेय एवं शिक्षक विवेक उपाध्याय को सम्मानित किया गया दोनों शिक्षकों को पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उनके शैक्षणिक योगदान और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की समारोह में शिक्षकों के शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान को रेखांकित करते हुए कहा गया कि एक शिक्षक केवल बच्चों को पाठ्यक्रम की शिक्षा ही नहीं देता बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण अनुशासन संस्कार और बेहतर भविष्य की नींव भी तैयार करता है ऐसे शिक्षकों का सम्मान समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है सम्मान प्राप्त करने के बाद सलोनी पांडेय एवं विवेक उपाध्याय ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहेंगे उन्होंने सम्मान के लिए आयोजकों एवं अतिथियों के प्रति आभार जताया विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार तांती ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत और समर्पण से ही विद्यालय की पहचान मजबूत होती है उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार के लिए यह सम्मान गौरव की बात है और इससे अन्य शिक्षकों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी कार्यक्रम में जिलाधिकारी नवीन कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी धनंजय पासवान समेत शिक्षा एवं प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे समारोह में बड़ी संख्या में निजी विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया इस सम्मान से संत माइकल इंडियन स्कूल माधोपुर के शिक्षकों और विद्यार्थियों में भी खुशी का माहौल है

लावालौंग :बड़की बरेद में सड़क पर बना बड़ा गड्ढा, हादसे की आशंका

नई सोच एक्सप्रेस

» चारपहिया वाहनों का आवागमन हुआ मुश्किल, ग्रामीणों ने मरम्मत की मांग उठाई

लावालौंग।प्रखंड क्षेत्र के बड़की बरेद गांव के समीप सड़क की बदहाल स्थिति इन दिनों राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क पर बड़ा गड्ढा बन जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गड्ढा इतना बड़ा और गहरा है कि इस मार्ग से चारपहिया वाहनों का सुरक्षित आवागमन मुश्किल हो गया है। इससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर बने गड्ढे के कारण वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। विशेषकर रात के समय गड्ढा दिखाई नहीं देने से दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है तथा किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।स्थानीय ग्रामीणों ने इस समस्या की जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को देते हुए सड़क पर बने गड्ढे की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि संबंधित विभाग द्वारा जल्द पहल कर सड़क को दुरुस्त कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और संभावित हादसे को टाला जा सके।

ढोढ़ी महावीर अखाड़ा में धूमधाम से मनाई गई गणेश पूजा

नई सोच एक्सप्रेस

» श्रद्धालुओं ने की सुख-शांति और समृद्धि की कामना, गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से भक्तिमय हुआ माहौल

मयूरहंड (चतरा)।ढोढ़ी-मंधनिया स्थित महावीर अखाड़ा में सोमवार को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना धूमधाम और श्रद्धा के साथ की गई। गणेश पूजा को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। पूजा पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय नजर आ रहा था। बताया गया कि ढोढ़ी महावीर अखाड़ा में वर्ष 1997 से भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती आ रही है। इस वर्ष भी शुभ मुहूर्त में पंडित जसवंत द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा कराई गई। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को दूर्वा, फूल, माला, सिंदूर, मोदक और लड्डू अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की आरती की। शाम होते ही पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों, युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि गणेश पूजा का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भावना को मजबूत करना है। पूजा को सफल बनाने में समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूजा के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। पूजा समिति में अध्यक्ष तुलसी दांगी, सचिव वीरेंद्र दांगी, कोषाध्यक्ष लवकुश दांगी और व्यवस्थापक रामवृक्ष दांगी सहित मुकेश दांगी, हिमांशु दांगी, पवन कुमार दांगी, अंजन दांगी, मिथुन दांगी, सिकंदर दांगी, राम दांगी, सुमन दांगी, सरवन दांगी, पापु दांगी, आर्मी सुमन दांगी, कृष्णा दांगी, किशोरी दांगी, अशोक दांगी, गोलू दांगी, सूरज देव दांगी, आजाद दांगी, विशाल दांगी, गुरुदेव दांगी, बबलू दांगी, नागेश्वर दांगी, पिंटू दांगी, संजीव दांगी, गणेश दांगी, शंकर दांगी, राजू दांगी, निर्मल दांगी, यशवंत दांगी, अनिल दांगी, सोनू दांगी, अश्वनी दांगी, रामप्रसाद दांगी, अविषेक ठाकुर, सुरेश दांगी, प्रकाश दांगी, अरुण दांगी, अमन दांगी और चंद्रदेव दांगी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समिति के सदस्य मौजूद थे।

चतरा सदर अस्पताल में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी, बिना सेफ्टी बेल्ट काम कर रहे मजदूर

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।सदर अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन भवन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य में लगी राज कंस्ट्रक्शन कंपनी के मजदूर बिना सेफ्टी बेल्ट और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के ऊंचाई पर काम करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। बताया जा रहा है कि भवन निर्माण के दौरान मजदूरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाने चाहिए, लेकिन मौके पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही दिखाई दे रही है। ऊंचाई पर काम कर रहे मजदूरों के पास पर्याप्त सुरक्षा उपकरण नहीं होने से उनकी जान जोखिम में है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी चिंता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके बावजूद मजदूरों से बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के काम कराया जाना गंभीर सवाल खड़ा करता है। वहीं, निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की निगरानी को लेकर जिला प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठा रहे हैं लोग।

खेल युवाओं में अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करते हैं : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।होचर स्पोर्टिंग क्लब की ओर से सोमवार को पिनाकल क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड, होचर, कांके में 'रांची चैंपियंस ट्रॉफी' क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। ग्रामीण और स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि वे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए होचर स्पोर्टिंग क्लब के आयोजकों को बधाई दी और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। मौके पर आयोजन समिति के संयोजक मुकेश कुमार महतो, अध्यक्ष रवि लोहरा, मैनेजर एम.डी. वसीम अंसारी, उपाध्यक्ष सह संयोजक आनंद कुमार महतो, उपाध्यक्ष अरुण महतो, सचिव रितीक राज, दीपक राम, आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव संजय मेहता, रांची जिला अध्यक्ष संजय महतो, प्रवक्ता सूरज कुमार मिश्रा, कांके प्रखंड अध्यक्ष अमन लाल शहदेव समेत कई पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मयूरहंड प्रखंड में धूमधाम से मनाया गया तीज व्रत, महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)।मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को हरितालिका तीज व्रत श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर पूरे दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखा। व्रतधारी महिलाओं ने विधि-विधान के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने माता पार्वती से अखंड सौभाग्य और अपने पति की दीर्घायु का आशीर्वाद मांगा। तीज को लेकर सुबह से ही महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं नए-नए वस्त्र और श्रृंगार कर पूजा की तैयारियों में जुटी रहीं। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में महिलाओं ने समूह बनाकर तीज व्रत की पूजा-अर्चना की। पूजा स्थलों पर महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की तथा तीज व्रत की कथा सुनी। इस दौरान पूजा स्थलों पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या करते हुए तीज व्रत रखा था। इसी मान्यता के चलते सुहागिन महिलाएं अपने वैवाहिक जीवन की सुख-शांति और पति की लंबी उम्र के लिए हरितालिका तीज का व्रत रखती हैं। तीज पर्व को लेकर पूरे मयूरहंड प्रखंड में उत्सव जैसा माहौल रहा। महिलाओं ने पूजा-अर्चना के साथ एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। देर शाम तक विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ और धार्मिक गतिविधियां देखने को मिलीं।

पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना में सुहागिनों ने रखा हरतालिका तीज व्रत

नई सोच एक्सप्रेस

» निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना, तीज गीतों और भक्ति से गूंजा इटखोरी

इटखोरी। पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने हरतालिका तीज का व्रत श्रद्धा और भक्ति के साथ रखा। सोमवार को इटखोरी सहित प्रखंड क्षेत्र में तीज को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही महिलाएं व्रत की तैयारियों में जुटी रहीं। शाम को विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति और पति की लंबी आयु की कामना की। हरतालिका तीज को लेकर महिलाओं ने दिनभर निर्जला उपवास रखा। शाम को स्नान कर नए वस्त्र और आभूषण धारण किए तथा पूजा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया। मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा बनाकर विधिपूर्वक पूजा की गई। महिलाओं ने माता पार्वती को सुहाग की सामग्री अर्पित कर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। **शिव-पार्वती के अटूट दांपत्य का प्रतीक है तीज**:धार्मिक मान्यता के अनुसार हरतालिका तीज का संबंध माता पार्वती की कठोर तपस्या से है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तप किया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। इसी मान्यता के कारण सुहागिन महिलाएं अपने दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और स्थायित्व की कामना के साथ यह व्रत करती हैं। पंडितों के अनुसार हरतालिका तीज केवल व्रत और पूजा का पर्व नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, निष्ठा और दांपत्य समर्पण का आध्यात्मिक संदेश भी देती है। भगवान शिव और माता पार्वती का संबंध पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और परस्पर सम्मान का प्रतीक माना जाता है। पूजा के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक तीज गीत गाए और भगवान शिव-पार्वती की आराधना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पूजा-अर्चना की। हाथों में मेहंदी, माथे पर सिंदूर और पारंपरिक परिधान में सजी महिलाओं ने पर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक छटा को और आकर्षक बना दिया। हरतालिका तीज में महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना से निर्जला व्रत रखती हैं। धार्मिक विधि के अनुसार पूजा-अर्चना के बाद अगले दिन व्रत का पारण किया जाता है। इस दौरान महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश का स्मरण कर अपने परिवार के लिए मंगलकामना करती हैं। इटखोरी में तीज पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल रही। पूजा सामग्री, फल, मिठाई, श्रृंगार सामग्री और सुहाग की वस्तुओं की खरीदारी के लिए महिलाओं की भीड़ दिखाई दी। घर-घर में पूजा की तैयारियां और भक्ति का वातावरण बना रहा।

मशरूम उत्पादन से आत्मनिर्भरता और समृद्धि - तमन्ना परबीन

नई सोच एक्सप्रेस

» पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण संपन्न

गुमला।उद्यान विकास योजना (उद्यान निदेशालय, झारखंड सरकार) के जिला उद्यान कार्यालय के द्वारा पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आज संपन्न हुआ। समापन समारोह को संबोधित करते हुए जिला उद्यान पदाधिकारी, तमन्ना परबीन ने कहा कि मशरूम उत्पादन से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का मार्ग होगा प्रसस्त, घरों में आएगी खुशहाली। सभी लाभुक मिलजुल कर मशरूम उत्पादन को दे बढ़ावा। उन्होंने कहा कि एपीपी एग्रीगेट उपलब्ध करायेगी 30 - 30 मशरूम उत्पादन बैग, सहयोग एवं बाजारीकरण की सुविधाएं। मौके पर जिला उद्यान कार्यालय के दीपक कुमार भी उपस्थित थे। दिनांक - 10 से 14 सितम्बर तक संचालित प्रशिक्षण गुमला जिला के जारी प्रखण्ड के कुदर सकतार में - 46 किसान, कोमड़ो में - 26 किसान, चैनपुर में - 32 , रायडीह प्रखण्ड के पीबो में - 40 किसान और कोबजा में - 29 कुल - 173 किसानों को पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक कराया गया। 173 किसानों में जारी से आदिम जनजाति (कोरबा) के 60 एवं अनुसूचित जनजाति एवं अन्य 113 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उत्पादन के औचित्य, मशरूम क्या है, मशरूम के प्रकार, मशरूम उत्पादन के लाभ, मशरूम उत्पादन के पद्धतियों, मशरूम उत्पादन में उपयोग होने वाले सामग्रियों की जानकारी, मशरूम की पौष्टिकता और औषधीय गुणों की विस्तार से जानकारी दी गई। मशरूम उत्पादन के प्रायोगिक विधियों का जानकारी के साथ सफल प्रयोग कराया गया। समूह चर्चा और प्रस्तुतीकरण। प्रार्थना, प्रेरणा गीत मशरूम जनित संगीत और नृत्य का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, बैग, स्प्रे और अन्य सामग्रियों का वितरण प्रखण्ड प्रमुख, प्रधान, मुखिया और वार्ड सदस्यों के करकमलों से वितरित कराया गया। जिसे पाकर प्रशिक्षणार्थियों में काफी खुशी और हर्ष का माहौल रहा।कार्यक्रम में कुदर के मुखिया, चाहे मिंज, वार्ड सदस्य हीग्रमुनी देवी, कोबजा में प्रखण्ड प्रमुख, ममता सो रेंग, मुखिया, तारामीन सोरेंग, वार्ड सदस्य, दुलारी केरकट्टा, जमगई की वार्ड सदस्य, सुक्रान्ती , प्रदान की कृति गुड़िया, नीतीन पाण्डेय कातिंग के मुखिया, मथुरा मिंज आदि उपस्थित थे। एपीपी एग्रीगेट के निदेशक, प्रभाकर कुमार ने मशरूम के बाजारीकरण, मशरूम जनित उत्पाद प्रसंस्करण और खाद्य प्रसंस्करण पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षकों में डॉ अनमोल कुमार,पूनम संगा, गजाला परवीन, अनोखा देवी, पिंकी देवी, नवीन कुमार पाण्डेय ने सफल प्रशिक्षण दिया।

संक्षिप्त समाचार

हरतालिका तीज पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

» शिव-पार्वती की पूजा कर परिवार की सुख-शांति की कामना

खगड़िया। परबत्ता प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को गणेशोत्सव के साथ हरतालिका तीज श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई। बुद्धनगर भरतखंड, रुपहौली, भरतखण्ड ड्योढ़ी, मथुरापुर और सलारपुर में महिलाओं ने समूह में एकत्र होकर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा भजन-कीर्तन किया। व्रती शिक्षिका सुलेखा कुमारी, रूचि कुमारी, जुगनू कुमारी और रसना रानी ने बताया कि हरतालिका तीज में महिलाएं निर्जला व्रत रखकर शिव-पार्वती की आराधना करती हैं। शुद्ध मिट्टी से शिव, पार्वती और गणेश की प्रतिमाएं बनाकर विधि-विधान से पूजा की जाती है। शाम को महिलाओं ने तीज की कथा सुनी और परिवार की सुख-शांति की कामना की। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी मान्यता के आधार पर हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा।

जामा मस्जिद से महावीर मंदिर तक पीसीसी सड़क की मांग

औरंगाबाद। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 15 व 10 के टिकरी, पठान टोली, कुरैशी मोहल्ला समेत आसपास के लोगों ने जामा मस्जिद से टिकरी रोड स्थित महावीर मंदिर तक सड़क का पूर्व की तरह पीसीसी से पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। सोमवार को कांग्रेस नेता शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान के नेतृत्व में मोहल्लेवासियों ने डीएम अभिलाषा शर्मा को आवेदन सौंपकर निर्माण की गुणवत्ता और तकनीकी जांच की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि डब्ल्यूटीपी योजना के तहत करीब दो माह पहले सड़क तोड़कर पाइप बिछाया गया था। अब पुनर्निर्माण में पीसीसी की जगह पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य कराने की मांग की। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अजीत कुमार से फोन पर जानकारी ली और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। मोहल्लेवासियों ने सड़क को मजबूत व टिकाऊ पीसीसी के रूप में बनाने की मांग की।

रामपुर प्रखंड में वर्षा के कारण कटे सड़क मार्ग का जल्द होगा निर्माण,विधायक प्रतिनिधि पवन कुमार बिंद

» क्षेत्र की समस्या एवं जनता सेवा में लगे रहते हैं पवन कुमार बिंद

कैमूर।भभुआ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रामपुर प्रखंड में हुए वर्षा के कारण विभिन्न सड़क मार्ग का कटाव की सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि पवन कुमार ने त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। इसकी सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि पवन कुमार ने क्षेत्र में दौरा कर कटाव का जायजा लिया एवं उपस्थित ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा की जो भी सड़के वर्षा के कारण कट गई है उनको जल्द ही मरम्मत कराया जाएगा।तो वहीं दूसरी तरफ भभुआ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुघरा गांव में दुर्गावती नदी पर पुल की मांग को लेकर उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल्द विधायक मद की ओर से पूल का निर्माण भी किया जाएगा। आपको बता दें कि विधायक प्रतिनिधि पवन कुमार बिंद लगातार भभुआ विधानसभा क्षेत्र की समस्या एवं जनता के सुख-दुख में अपनी भागीदारी दे रहे हैं।जिससे उनकी लोकप्रियता भी दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है।जनता की समस्याओं का समाधान एवं भभुआ विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास ही उनका का मुख्य उद्देश्य है।

28 सितम्बर को आक्रोश पूर्ण राजभवन मार्च में खेत मजदूर की होगी बड़ी भागीदारी : भाकपा

पटना। बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन राज्य परिषद की बैठक सोमवार को पटना में हुई। बैठक में भूमि संघर्ष तेज करने, खेत मजदूरों के लिए राष्ट्रीय कानून बनाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि 6000 रुपये प्रति महीने करने,मनरेगा को फिर से लागू करने, मनरेगा के तहत साल में 200 सौ दिन रोजगार देने तथा मजदूरी 700 रुपये प्रति दिन करने, बढ़ते अपराध पर रोक लगाने, भूमिहीनों को दस -दस डिसमिल वास भूमि देने सहित विभिन्न ज्वलंत सवालों को लेकर संघर्ष तेज करने का फैसला लिया गया। जन संगठनों के आह्वान पर शहीद ए आजम भगत सिंह की जयंती के मौके पर 28 सितंबर 2026 को पटना में आयोजित आक्रोश पूर्ण राजभवन मार्च में बड़ी संख्या में खेत मजदूरों को उतारने की योजना बनाई गई।बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार लगातार खेत मजदूरों के अधिकारों पर हमला कर रही है। मनरेगा को समाप्त कर दिया गया है। बाढ़ और सुखाड़ से सबसे ज्यादा प्रभावित खेत मजदूर हो रहे हैं।मजदूरों को साल में एक सौ दिन कार्य नहीं मिलता है। मनरेगा के तहत साल में 200 दिन कार्य और 700 रुपये प्रति दिन मजदूरी दी जाए। खेत मजदूरों की रोजगार की गारंटी सरकार करें। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कल्याणकारी योजनाओं की राशि में कटौती कर अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचा रही है। खेत मजदूरों के सवालों को लेकर आंदोलन तेज किया जाएगा। बाढ़-सूखा के स्थाई निदान,केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों, बिहार में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, अत्याचार और भाजपा सरकार की बुलडोजर नीति के खिलाफ जन संगठनों के आह्वान पर शहीद-ए आजम भगत सिंह की जयंती के मौके पर 28 सितंबर 2026 को पटना में आक्रोश पूर्ण राजभवन मार्च आयोजित किया जा रहा है। जिसमें खेत मजदूरों की जबरदस्त भागीदारी होनी चाहिए।

लालबाग के राजा की तरह पटना में विराजे गणपति

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना में सोमवार को धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाई गयी। महाराष्ट्र मंडल की ओर से इस बार भी भव्य आयोजन किया गया है। इस बार मदुरई के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार किया गया है। यहां मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा की प्रतिमा स्थापित होगी, जो साढ़े 5 फीट ऊंची है। इसे मुंबई से मंगाया गया है। वहीं, भगवान गणेश को 55 लाख रुपए के हीरा, पन्ना और माणिक जड़ित सोने का मुकुट पहनाया गया। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष संजय भोंसले ने बताया कि मुंबई से 12 कारीगर मीनाक्षी मंदिर की तर्ज पर पंडाल तैयार करने आए थे। पंडाल के अंदर की सजावट भी मंदिर की तरह की गई है। वहीं, गणेश

प्रतिमा को साढ़ मिट्टी से बनाया गया है। इस बार श्री गणेश जी की प्रतिमा लालबाग के राजा की प्रतिकृति है और यह महाराष्ट्र से निर्मित होकर है।पूजा के संबंध में महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष संजय भोसले ने बताया कि आज सुबह 09.30 बजे श्री गणेशजी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। महाराष्ट्र के सांगली से विशेष तौर पर श्री गणेश जी की पूजा करने के लिए पंडित प्रशांत जहागीरदार आए हैं। क उनके साथ पूजा में सहयोग के लिए कुछ अन्य सहयोगी भी आए हैं। इस वर्ष लालबाग के राजा की प्रतिमा सिर्फ 6 फीट की रखी गई है। पंडाल की प्रतिदिन रंग और खुशबू से विशेष सज्जा की जा रही है। इसके लिए कोलकात्ता से विशेष कारीगर आए हैं। कोलकात्ता से प्रतिदिन पूजा और श्रृंगार के लिए विशेष फूल लाया जा रहा है। आज के पूजा में संस्था के अध्यक्ष संजय भोंसले सचिव राजेंद्र पवार के अलावा उपाध्यक्ष शंकर किरदत, कोषाध्यक्ष विजय पाटिल, उप सचिव आनंद पवार, मल्लिकार्जुन आर्ले, संयोजक महादेव कनसे, सदाशिव गायकवाड,,विठ्ठल घोडके, शुभदा कुलकर्णी, डा कविता राऊत, संतोष पवार, संतोष देवकर, प्रदीप पाटील, अनिल गायकवाड, सुनिल शिंदे, अमोल जाधव, शिवाजी जाधव, संजय पाटील,अधिक मोरे,विजय पाटील(मंटु),संतोष शिंदे,सीताराम शिंदे,सुरेश सालुंखे,संजय पाटील, सुरेश आरले इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इस गणेशोत्सव में कोलकाता के चंदन नगर की लाइटिंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं, बंगाल के फूलों से सजावट की गई है। 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन जुलूस निकलेगा। जुलूस में नासिक से आने वाली 60 सदस्यीय झांझ पथक टीम शामिल होगी। इसमें 20 लड़कियां और 40 लड़के होंगे, जो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ करतब प्रस्तुत करेंगे। इससे विसर्जन जुलूस में उत्साह और आकर्षण बढ़ेगा।

पटना में Nayab Store का नया स्टोर शुरू, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। महिलाओं के फैशन, डिजाइन और लाइफस्टाइल से जुड़ी जरूरतों को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से Nayab Store ने पटना में अपने नए स्टोर की शुरुआत की है। वर्ष 2018 में भागलपुर से शुरू हुए इस स्टोर का अब पटना तक विस्तार किया गया है। इसकी डायरेक्टर आनंदमयी तथा ओनर लीना दूबे और पिंकी सिंह हैं। स्टोर में साड़ी, कुर्ती, दुपट्टा, ब्राइडल लहंगा सहित हेयर बैंड, ईयररिंग्स, पेंडेंट, ब्रेसलेट और डिजाइनर वॉच जैसी फैशन एवं लाइफस्टाइल सामग्री उपलब्ध है। यहां पुरानी साड़ियों और कपड़ों को ग्राहक की पसंद के अनुसार नए डिजाइन और आउटफिट में कस्टमाइज करने की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अलावा ओपन टेलरिंग और सिलाई की सुविधा उपलब्ध है। डायरेक्टर आनंदमयी ने बताया कि महिलाओं और स्थानीय लोगों को हुनर से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जाता है। स्टोर में Experience Café की सुविधा भी है, जहां हेल्दी स्नैक्स और ड्रिंक्स उपलब्ध हैं। स्टोर का उद्देश्य फैशन, कस्टमाइजेशन और कौशल विकास को एक मंच पर लाना है।

बिटिया के जन्मोत्सव पर सेवा की मिसाल, विद्यालय को वाटर प्यूरिफायर भेंट

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पत्रकार ने किया अनोखी पहल अपनी लाडली बिटिया एस. निष्ठा के तीसरे जन्मोत्सव को यादगार बनाते हुए ग्राम मंझोपुर निवासी पत्रकार नितेश कुमार ने सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए उच्च माध्यमिक विद्यालय पचुरार (रसीदपुर), तरैया को वाटर प्यूरिफायर भेंट किया। नितेश कुमार ने बताया कि वे अपनी बिटिया का जन्मोत्सव अंग्रेजी तिथि के बजाय हिंदी पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी के दिन मनाते हैं। जन्मोत्सव के अवसर पर घर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन के उपरांत विद्यालय पहुंचकर प्रधानाध्यापक चंद्र प्रकाश sir को वाटर प्यूरिफायर सौंपा गया। विद्यालय परिवार द्वारा वाटर प्यूरिफायर का उपयोग विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों ने बिटिया निष्ठा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। बताया गया कि निष्ठा के जन्मोत्सव पर सामाजिक सेवा की यह पहल पहली बार नहीं है। पहले जन्मोत्सव पर विद्यालय को 22 पंखे भेंट किए गए थे, जबकि दूसरे जन्मोत्सव पर भी वाटर प्यूरिफायर प्रदान किया गया था। तीसरे जन्मोत्सव पर भी सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के हित में सेवा का यह सिलसिला जारी रखा गया। इस अवसर पर

विकास कुमार सिंह, समाजसेवी राणा प्रताप सिंह, राकेश कुमार गुप्ता, प्रधानाध्यापक चंद्र प्रकाश सहित विद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। बिटिया के जन्मोत्सव को सामाजिक सेवा और विद्यार्थियों के हित से जोड़ने की इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

श्री दादीजी सेवा समिति का स्थापना दिवस एवं गणेश पूजन धूम धाम से मना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बैंक रोड स्थित श्री दादीजी मंदिर में आज भादो सुदी चौथ के पावन अवसर पर श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के उपलक्ष्य एवं श्री दादी जी सेवा समिति के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार दि-14.09.26 को प्रात 10:00बजे से शक्तिधाम स्थित श्री गणेश मंदिर में भक्तों द्वारा पूजन ,अलौकिक श्रृंगार एवं सवा मन लड्डु का प्रसाद अर्पण हुआ। मौके पर दादीजी सेवा समिति के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर दादीजी मंदिर को खूब अच्छी तरह देशी विदेशी फूलों से सजाया गया। मौके पर गणेशजी की पूजन की गयी तथा सवा मन लड्डु का भोग चढ़ाया गया। मौके पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित महिलायें एवं पुरुषों ने गणेश वंदना की। भक्तजन भक्ति में नाचते झूमते गा रहे थे। मौके पर अमर अग्रवाल ने बताया

कि 38 वर्ष पूर्व 1989 में दादीजी सेवा समिति की स्थापना एक बहुत ही छोटे रूप में की गयी थी जो भक्तों के सहयोग से आज वट वृक्ष की तरह बढ़ गया है. संस्था द्वारा सौ सौ बिस्तरों का दो भवन, अग्रसेन भवन एवं अमर प्रेम भवन, का निर्माण हुआ है जो समाज में सेवा का कार्य कर रहा है। एक तीसरे भवन का भी निर्माण किया जाना है। संस्था द्वारा विगत 15 वर्षों से प्रतिमाह निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में विभिन्न रोगों के सात विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवा देते हैं। अबतक इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से करीब पाँच हजार से अधिक मरीजों के मोतियाबिंद का निःशुल्क फेको विधि से आपरेशन कराया जा चुका है। मौके पर महिला समिति ने मुख्य रूप से भजन संध्या में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमर अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, राजेश माखरिया, शशि गोयल, पवन भगत, सूर्य नारायण, रमेश मोदी, रमेश अग्रवाल, रौशन सर्राफ, सुभाष अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल सहित अन्य लोग लगे हुए थे।

श्रद्धालुओं के लिए लॉन्च किए खास पिंडदान पैकेज, ई-पिंडदान की भी मिलेगी सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पितृपक्ष मेला-2026 में गयाजी आने वाले देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने आस्था और सुविधा को जोड़ते हुए पिंडदान के विभिन्न पैकेज तैयार किए हैं। इनमें घर से घर तक पिकअप-ड्रॉप की यात्रा, पिंडदान, पूजा सामग्री, आवास और भोजन की सुविधाएं शामिल हैं। इन पैकेज के माध्यम से 25 सितंबर से 10 अक्तूबर तक श्रद्धालुओं को निर्धारित धार्मिक स्थलों पर विधि-विधान से पिंडदान कराने के बाद वापस उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है। पैकेज के अनुसार सेडान या हैचबैक कार से श्रद्धालुओं को निर्धारित स्थलों तक ले जाया जाएगा। इनमें पटना-पुनपुन घाट-गयाजी का एक दिवसीय पैकेज, पुनपुन-गयाजी के साथ नालंदा एवं राजगीर भ्रमण वाला एक रात-दो दिन का पैकेज और गयाजी से सीधे पिंडदान का विकल्प शामिल है। राजगीर के विश्व शांति स्तूप और नालंदा के प्राचीन अवशेषों का भ्रमण भी कराया जाएगा। हालांकि, स्मारक और पर्यटन स्थलों के प्रवेश टिकट भी पैकेज का हिस्सा हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और बजट के अनुसार 3 स्टार, सेमी-लग्जरी और बजट एसी होटल की श्रेणी रखी गई है। बोधगया में होटल स्टार, होटल गौतम, गीतांजलि, बुद्धा रिजॉर्ट और निरंजना रिजॉर्ट जैसे विकल्प उपलब्ध हैं। पैकेज-ए में पटना- पुनपुन घाट-गयाजी-पटना की यात्रा शामिल है। यह एक-दिवसीय पिंडदान पैकेज है। इस पैकेज की दर होटल श्रेणी सुविधा और एक यात्री से चार यात्री की क्षमता के अनुसार 14,550 रुपये से शुरू होकर 30,650 रुपये तक है। पैकेज-बी में पटना-पुनपुन घाट- गयाजी-नालंदा- राजगीर - पटना की यात्रा है। यह एक रात्रि-दो दिन पैकेज है। इसकी दर होटल की सुविधा और यात्रियों की संख्या पर निर्भर है। एक व्यक्ति के लिए 18,850 रुपये और चार के लिए 40,700 रुपये शुल्क रखा गया है। पैकेज-सी में गयाजी एक-दिवसीय पिंडदान पैकेज है। गयाजी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह एक-दिवसीय पैकेज है। इस पैकेज की दर होटल श्रेणी सुविधा व एक यात्री से चार यात्री की क्षमता के अनुसार 11,250 रुपये से शुरू होकर 25,250 रुपये तक है। वहीं पैकेज-डी में गयाजी एक रात्रि-दो दिवसीय पिंडदान पैकेज है। यह पैकेज विशेष रूप से देर रात, सुबह और संध्या समय पिंडदान अनुष्ठान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए तैयार किया गया है। इस पैकेज की दर होटल श्रेणी सुविधा यात्रियों की क्षमता के अनुसार 16,000 रुपये एक व्यक्ति के लिए और 39,500 रुपये चार व्यक्ति के लिए निर्धारित है। उधर पैकेज-ई गयाजीझराजगीरझनालंदा एक रात्रि-दो दिवसीय पैकेज है। यह एक रात्रि-दो दिवसीय गयाजी पिंडदान एवं पर्यटन पैकेज है। इस पैकेज की दर एक यात्री से चार यात्री की क्षमता और होटल की श्रेणी के आधार पर 16,550 रुपये से शुरू होकर 32,850 रुपये प्रति व्यक्ति तक है। पर्यटन निगम ने 23 हजार रुपये का ई-पिंडदान पैकेज भी तैयार किया है। इस धार्मिक अनुष्ठान की संपूर्ण वीडियो रिकॉर्डिंग कर पेन ड्राइव तैयार की जाएगी, जिसे पंडा द्वारा श्रद्धालु को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे श्रद्धालु पिंडदान की पूरी प्रक्रिया की डिजिटल स्मृति अपने साथ ले जा सकेंगे। पर्यटन निगम के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 से 2025 के बीच ई-पिंडदान पैकेज के माध्यम से 30 श्रद्धालुओं ने, जबकि सामान्य पिंडदान पैकेज के माध्यम से 150 श्रद्धालुओं ने पिंडदान किया। इस प्रकार तीन वर्षों में कुल 180 श्रद्धालुओं ने पर्यटन निगम के इन पिंडदान पैकेजों का लाभ लिया है।

गज फुट इंच में दर्शकों को खूब गुदगुदाया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सोमवार को प्रेमचन्द रंगशाला, पटना में चर्चित नाट्य संस्था सूत्रधार द्वारा प्रसिद्ध व्यंग्यकार पद्मश्री के.पी. सक्सेना के नाटक का मंचन किया गया। 'गज, फुट, इंच' शीर्षक से मंचित इस नाटक में भारतीय समाज में धन कमाने की लोभी प्रवृत्ति के कारण व्यक्तित्व के दमन पर व्यंग्य किया गया है। नाटक में अमित रॉय (पोखरमल), प्रियंका सिंह (पत्नी), हर्ष कुमार (साईदास), अनिशा (गुल्लौ), अमन कुमार (युवक), गार्गी चौधरी (जुगनी), कमल राज (टिल्लू) ने अभिनय किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डॉ प्रमोद कुमार, मंत्री कला एवं संस्कृति विभाग बिहार सरकार एवं मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग के मंत्री रामकृपाल यादव ने किया। अपने संबोधन में अतिथियों ने संस्था सूत्रधार के उद्देश्यों और

संकल्पों के बारे में कहा कि नई पीढ़ी में सामूहिकता और सामुदायिकता के लिए इस तरह की गतिविधियां सदैव उपयोगी रहेंगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ अजय प्रकाश, दीनानाथ प्रसाद यादव, बरुन कुमार सिंह, ,जगजीवन सिंह, अस्तानंद सिंह, इंद्रजीत सिंह, अनिल कुमार गुप्ता, मो. सादिक, सऊद आलम, आसिफ हसन, कौशल कांत, भोला सिंह सहित बड़ी संख्या में नाट्य प्रेमी उपस्थित थे।

संगीत के ऐतिहासिक सफर के बाद बंजारे ने रिलीज किया ऑफिशियल म्यूजिक वीडियो

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हरियाणा से निकलकर दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचने के शानदार सफर के बाद दो भाईयों की जोड़ी बंजारे, यानी सुमित और अनुज, अब अपने गाने 'बरसात' का ऑफिशियल म्यूजिक वीडियो लेकर आए हैं। इस वीडियो में प्यार, इंतजार और किसी अपने को छोड़कर आगे बढ़ने की भावुक कहानी को पर्दे पर दिखाया गया है। यह रिलीज दोनों कलाकारों के सफर में एक खास पड़ाव पर आई है। 'बैरण' और 'बरसात' की सफलता के बाद बंजारे स्पाइडर मैनः ब्रांड न्यू डे के इंडिया कैंपेन से भी जुड़े। इसके अलावा वे स्पॉटिफ़ाई इंडिया चार्ट्स पर लगातार दो बार नंबर 1 गाने देने वाले पहले हरियाणवी कलाकार बने हैं। 'बैरन' से शुरू हुई भावुक कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'बरसात' उस

रिश्ते के टूटने के बाद की कहानी दिखाती है। इस बार कहानी लड़की की नजर से दिखाई गई है। पंजाबी एक्ट्रेस अकाइशा वत्स ने इसमें लड़की का किरदार निभाया है। इस म्यूजिक वीडियो में उसकी पुरानी यादों और बीते पलों के जरिए कहानी आगे बढ़ती है। वीडियो को थोड़ा पुराना और रेट्रो लुक दिया गया है, जो इसकी भावनाओं को और गहरा बनाता है। इस वीडियो को तेजी संधू ने डायरेक्ट किया है, जो म्यूजिक से जुड़ी कहानियों को पर्दे पर खूबसूरती से पेश करने के लिए जाने जाते हैं। 'बरसात' के सफर के बारे में बंजारे ने बताया, "हम हमेशा ऐसा संगीत बनाने की कोशिश करते हैं, जो सीधे लोगों के दिल तक पहुंचे। जब लोग हमारे गानों को अपनी जिंदगी से जोड़ लेते हैं, तो यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। 'बरसात' के साथ हमें अपनी कहानी को एक बिल्कुल नए अंदाज में कहने का मौका मिला। हमारा सपना है कि हरियाणवी संगीत को ऐसी पहचान मिले, जिससे दुनियाभर में लोग अपनी बुनियाद और अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करें। हमें उम्मीद है कि 'बरसात' की कहानी लोगों के दिलों को छुएगी और गाना खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक उनकी यादों में बनी रहेगी।"

तारा स्कूल में हिन्दी दिवस के अवसर पर काव्य-गोष्ठी संपन्न हुई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना । सकरी गली, पटना स्थित प्रभु तारा स्कूल में हिन्दी दिवस के अवसर पर एक काव्य-गोष्ठी संपन्न हुई , जिसमें स्कूल के छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया । समारोह की अध्यक्षता साहित्यकार व समाज सेवी कमल नयन श्रीवास्तव ने की । मोहम्मद एहसान अली , अखिलेश्वर सिन्हा, मनोज उपाध्याय, कुमारी दीपक, आदित्य राज , मौसम राज ,आदि की कविताएँ खूब सराही गयीं । रोहित कुमार, अभिषेक रंजन, प्रशांत पाण्डेय, रिया कुमारी, संगीता सिन्हा, अवनीश , आयूष ,समर्थ राज , आदि की भी कविताएँ प्रभावी रहीं । इस अवसर पर हिन्दी के

प्रचार-प्रसार का संकल्प दुहराया गया । सरकार से यह मांग की गयी कि वह न्यायपालिका, बैंकिंग सहित सभी क्षेत्रों में हिन्दी को अनिवार्य बनाए। बिहार में हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं से संबद्ध संस्थानों को पुनर्जीवित किया जाए । श्रीवास्तव ने कहा कि स्कूल द्वारा बच्चों में जो हिन्दी का संस्कार दिया जा रहा है, वह सराहनीय है । प्रधानाचार्य मनोज उपाध्याय ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने पर बल दिया । कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रशांत पाण्डेय ने किया जबकि निदेशक मुकेश कुमार ने आभार ज्ञापन किया ।

मोदी की ताकत ब्रिक्स सम्मेलन में देख भारत के नाराज फूफाओ ने लोहा माना- महंत राजू नाथ चंदेल

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।वाल्मीकि रत्न महंत राजू नाथ चंदेल ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन में देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी ने जो चमत्कार विश्व सम्मेलन में कर अपनी बात और देश का गौरव बढ़ाया है वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं कर सकता मेरी नजर में देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री किसी देवता शक्ति का अवतार है आज यह बात देश के तमाम नाराज फुफाओं को समझनी चाहिए जब पूरा विश्व मोदी जी के चमत्कार और उनकी ताकत के सामने नतमस्तक है तो उन्हें देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अस्तित्व को माने और स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए देश का ऐसा गौरवशाली शक्तिशाली प्रधानमंत्री भारत के इतिहास में ना तो हुआ है ना ही होगा आज जिस प्रकार उन्होंने देश का गौरव पूरे विश्व भर में स्थापित किया है वैसा किसी ने नहीं नाराज फूफा हमेशा ही उनकी कमियां खोजते रहते हैं और जो भी अच्छे कार्य देश हित में करते हैं इस पर प्रश्न खड़े करते रहते हैं उनकी सरकारों ने तो देश की उन्नति के लिए कोई मजबूत रणनीति

» मोदी दैवीक शक्ति के अवतार देश के नाराज फूफाओ को जल्द ही यह समझना चाहिए विश्व के लोग तो मानने लगे हैं मोदी है तो मुमकिन है

या कार्य नहीं किया आज जब देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी विश्व भर में भारत देश का डंका बज रहे हैं तो उन्हें हजम नहीं हो रहा आज जब मोदी सरकार के नेतृत्व में देशभर में मेट्रो कनेक्टिविटी रोड राजमार्ग कनेक्टिविटी नदियों पर डैम और चारों तरफ मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है तो उसे पर भी सवाल कर रहे हैं देश के नाराज फूफा आज देश और देश की सेनाएं जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक कामयाबी की बुलंदियां छू रही हैं तो उसमें भी नाराज फूफा संतुष्ट नहीं है आज जब ब्रिक्स देश के सम्मेलन मैं भारत में कीर्तिमान स्थापित किया है तो आज नाराज फूफा देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री की बात का और कार्य का लोहा जरूर मान चुके हैं परंतु खुले रूप से तारीफ करने से परहेज कर रहे हैं इन नाराज फुफाओं को दलगत की राजनीति से ऊपर उठकर देश हित में और देश की तरक्की में अपना योगदान देना ही होगा अन्यथा देश व देश की जनता आने वाला इतिहास इन नाराज फुफाओं को कभी माफ नहीं करेगा आज भारत देश को विश्व में ताकतवर बनाने में गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जो योगदान है उसे देखकर पूरा विश्व उसके नेता यही कह रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है

अब्या प्रोडक्शन ने किया 10 कदम आगे सीजन-32 कराओके शो का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। नई दिल्ली के निर्माण विहार स्थित ट्रिप्ल एस स्टूडियो में अब्या प्रोडक्शन के बैनर तले 10 कदम आगे सीजन-32 कराओके शो का भव्य आयोजन किया गया। संगीत, सुर और मनोरंजन से सजे इस कार्यक्रम में दिल्ली के अनेक प्रतिभाशाली सिंगरों और कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में समर खान, आशु वर्मा, रूप सरकार, अजहर फिरदौस, राजन अय्यर, प्रवेश राठी, उपेंद्र चौधरी, उपमा दुआ, धर्मेंद्र तोमर, रितेश तोमर, अलका शर्मा, हरप्रीत, डॉ प्रिंस गुप्ता, सोनू चंदेल और ललित राजोरा सहित अनेक सिंगरों ने हिस्सा लिया। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर माहौल को संगीतमय बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों पर उपस्थित दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोमित नारंग भल्ला रहे। वहीं कविता अरोरा, देवेंद्र राठी (दिल्ली पुलिस), अविनाश सैनी, शिल्पी बहादुर (जानी-मानी मॉडल एवं एंकर), दक्ष गोयल, संजय नारायण (प्रसिद्ध गायक उदित नारायण के भाई) तथा मशहूर डांसर सिमरन अरोड़ा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान सिमरन अरोड़ा ने अपनी शानदार डांस प्रस्तुति से दर्शकों को खूब प्रभावित किया। उनकी प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने काफी सराहा और तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। शो का संचालन अब्या प्रोडक्शन की सीबीओ, एंकर एवं आर्टिस्ट उपमा दुआ ने अपने चुलबुले और आकर्षक अंदाज में बखूबी किया। उनकी एंकरिंग ने कार्यक्रम में ऊर्जा और मनोरंजन का रंग भर दिया। वहीं, पहली बार अब्या प्रोडक्शन के बैनर तले समर खान ने भी एंकरिंग के क्षेत्र में अपनी शुरुआत की और अपने अंदाज से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के सफल एवं शानदार आयोजन के लिए अब्या प्रोडक्शन के सीईओ योगेश मलिक और सीबीओ उपमा दुआ की जमकर प्रशंसा हुई।

संक्षिप्त समाचार

सचिव कॉलोनी सोसायटी में शोभायात्रा के साथ पधारे इको फ्रेंडली गणपति

बरेली।गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के बीच सचिव कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी बी डी ए कॉलोनी बदायूं रोड बरेली के निवासियों ने आज इको फ्रेंडली गणपति की स्थापना की पूरी कॉलोनी में ढोल नगाड़ों के बीच गणपति जी की शोभायात्रा निकाली गई उसके उपरांत उनकी विधि विधान से स्थापना की गई। इस अवसर पर डॉ सुबोध अस्थाना, अखिलेश शंखधार, भुवनेश अवस्थी, राहुल शर्मा, यश यादव, डॉ अवनीश कुमार, वैभव अस्थाना, महिमा अस्थाना, प्रतीक्षा मिश्रा, रितु मिश्रा, शिल्पी तोमर, सोनी रुचि अस्थाना, निखिल, आदर्श, अभय, मिष्ठी आदि उपस्थित थे ।

डॉ. श्रीकांत जिचकर की 73वीं जयंती पर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

बाढ़। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी उपजिला शाखा बाढ़ की ओर से सोमवार को कोर्ट एरिया स्थित कार्यालय में बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. श्रीकांत जिचकर की 73वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी के चेयरमैन विनय कुमार ने की। उन्होंने डॉ. जिचकर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे देश के सर्वाधिक शिक्षित व्यक्तियों में शामिल थे। उन्होंने आईएएस, आईपीएस, एमबीबीएस और एमडी सहित अनेक शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल कीं। वे लेखक, राज्यसभा सांसद, विधायक, विधान पार्षद और समाज सुधारक के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। कार्यक्रम का संचालन इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के आजीवन सदस्य, साहित्यकार एवं समाजसेवी हेमंत कुमार ने किया। कोषाध्यक्ष डॉ. डीबी सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। जयंती समारोह के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर भी लगाया गया। इसमें 100 से अधिक मरीजों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई तथा जरूरतमंदों को दवाइयां और चश्मे वितरित किए गए। कार्यक्रम में युवा समाजसेवी राजीव सिंह सहित बाढ़ के दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

आगरा।अटल आवासीय विद्यालय, कोरई, आगरा में हिंदी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता वशिष्ठ के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के दिवस प्रभारी श्री अवधेश कुमार झा रहे तथा मंच संचालन श्रीमती उर्मिला ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्र प्रियांश, इरफान और रवि ने हिंदी के गौरव, उपयोगिता एवं समृद्धि पर प्रभावशाली वक्तव्य दिए। विद्यालय के स्कूल कैप्टन गणेश ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के प्रति सम्मान एवं प्रेम व्यक्त किया तथा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प लिया। समारोह ने विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति जागरूकता और गौरव की भावना को मजबूत किया। 1 सितंबर से 14 सितंबर तक विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती पदमा,श्री सियाराम वर्मा,श्री बाबू राम एवं श्री मुलायम सिंह यादव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ

वार्ता के जरिए फिटनेस,VLTD,अधिकार पत्र और परमिट की समस्याओं का समाधान,बीटीटीए ने स्थगित की 15 सितंबर की तालाबंदी

वाराणसी।बनारस ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (बीटीटीए) द्वारा 15 सितंबर को संभागीय परिवहन कार्यालय वाराणसी में प्रस्तावित तालाबंदी कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है | जिलाधिकारी वाराणसी द्वारा गठित प्रतिनिधिमंडल एवं बीटीटीए के पदाधिकारियों के बीच सोमवार को हुई वार्ता में मोटर मालिकों की फिटनेस, VLTD पैनिक हॉर्न,अधिकार पत्र,परमिट सहित सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान वार्ता के जरिए हो गया | वार्ता में डीसीपी गोमती जोन के नेतृत्व में एसडीएम पिंडरा,आरटीओ वाराणसी एवं एसीपी पिंडरा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे | बीटीटीए की ओर से जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह,महामंत्री प्रकाश जायसवाल एवं प्रवक्ता शशि प्रताप सिंह शामिल रहे | बीटीटीए ने कहा कि भविष्य में यदि मोटर मालिकों के साथ फिर कोई समस्या उत्पन्न होती है तो सभी मोटर मालिक एकजुट होकर जिला प्रशासन के समक्ष मजबूती से अपनी बात रखेंगे ||

महाराष्ट्र सहित पूरे देश में गणपति बप्पा की धूम,नासिक की जीवन गंगा फेस-2 सोसायटी में हुआ गणपति बप्पा का भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

नासिक। महाराष्ट्र सहित पूरे देश में गणेशोत्सव की धूम मची हुई है। इसी धार्मिक एवं उत्सवी माहौल के बीच नासिक स्थित जीवन गंगा फेस-2 सोसायटी में भी श्रद्धा और उल्लास के साथ श्री गणपति बप्पा की स्थापना की गई। गणपति बप्पा के आगमन को लेकर पूरी सोसायटी में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सोसायटी के निवासियों ने ढोल-ताशों, जयघोष और भक्तिमय वातावरण के बीच गणपति बप्पा का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार भगवान श्री गणेश की स्थापना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई।इस अवसर पर शिवशक्ति मित्र मंडल द्वारा गणपति पूजा एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के सदस्यों ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना, आरती एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सोसायटी के सभी परिवार बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। गणपति बप्पा के आगमन से जीवन गंगा फेस-2 सोसायटी भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गई है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। सोसायटी परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और प्रतिदिन भगवान श्री गणेश की आरती एवं पूजा के साथ उत्सव मनाया जा रहा है।शिवशक्ति मित्र मंडल एवं जीवन गंगा फेस-2 सोसायटी के सभी निवासियों ने समस्त देशवासियों को गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए भगवान गणपति से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य प्रदान करने की प्रार्थना की। "गणपति बप्पा मोरया ! मंगलमूर्ति मोरया !"

बैंक ऑफ इंडिया में सतर्कता जागरूकता आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन, बैलून फ्लैगिंग और वॉकथॉन के साथ दिया ईमानदारी का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर।आंचलिक कार्यालय ओम लक्ष्मी टॉवर किदवई नगर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार बैंक द्वारा 17 अगस्त 26 से 16 नवम्बर 26 तक तीन महीने का सतर्कता जागरूकता अभियान तथा 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष का मुख्य विषय है सत्यनिष्ठा से समृद्धि। इसी क्रम में 10 सितंबर 26 को आंचलिक कार्यालय में जनता के बीच जागरूकता के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमलेश कुमार माहेश्वरी, उप महाप्रबंधक सतर्कता प्रधान कार्यालय अभय कुमार आंचलिक प्रबंधक एवं मदन सिंह नपलच्याल उप आंचलिक प्रबंधक गरिमामय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बैलून फ्लैगिंग के साथ की गई। इसके बाद सभी स्टाफ सदस्यों के साथ वॉकथॉन का आयोजन किया गया और मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता का संदेश दिया गया।मुख्य अतिथि कमलेश कुमार माहेश्वरी ने सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने रोजमर्रा के निजी और व्यावसायिक दोनों कार्यों में हमेशा सतर्क रहना चाहिए। सतर्कता ही समृद्धि का आधार है।

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे सेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनसेवा के 25 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा एवं जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, गीता कमल, कुरुक्षेत्र में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को हरियाणा सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा जी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रमेश सैनी जी ने संबोधित किया। इस अवसर पर बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवामय जीवन से प्रेरणा लेते हुए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में 'जन सेवा ही प्रभु सेवा' की भावना के साथ विभिन्न सेवा, जनकल्याण एवं जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेशभर में विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दिन प्रत्येक देशवासी अपने घर पर दीप जलाकर सेवा एवं समर्पण का संदेश देगा। वहीं माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्मसरोवर पर एक लाख दीप जलाकर इस विशेष अवसर को भव्य रूप से मनाया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रमेश सैनी जी ने कहा कि यह अभियान समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सेवा और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा जनभागीदारी के माध्यम से विकसित एवं सशक्त हरियाणा के संकल्प को मजबूत करने का माध्यम बनेगा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवामय जीवन से प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रेरणा मिलती है। उनका जीवन राष्ट्रसेवा, गरीब कल्याण और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। 25 वर्ष सेवा के, 25 वर्ष समर्पण के, 25 वर्ष संकल्प के, 25 वर्ष राष्ट्र निर्माण के। भाजपा ने आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता एवं आमजन सेवा को अपना संकल्प बनाकर विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहभागी बनें। प्रेस वार्ता के दौरान हरियाणा भूमि सुधार विभाग के चेयरमैन श्री गुरनाम सैनी जी, जिला प्रवक्ता श्री सर्वजीत सिंह विर्क जी, जिला मीडिया प्रभारी श्री नरेंद्र पांचाल जी सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुलिप वायलेट सोसायटी में गणेश उत्सव का भव्य शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

गुरुग्राम।सेक्टर स्थित तुलिप वायलेट सोसायटी में आज भगवान श्री गणेश के धार्मिक उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। गणेश उत्सव को लेकर सोसायटी के निवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में निवासियों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ कलश यात्रा में भाग लिया तथा इसके बाद विधि-विधान से भगवान श्री गणेश की पूजा एवं आरती की गई गणेश उत्सव के शुभारंभ के अवसर पर सोसायटी का वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में निवासियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, यह गणेश उत्सव 18 सितंबर तक जारी रहेगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम पूजा एवं आरती के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उत्सव के माध्यम से सोसायटी के निवासियों को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक रूप से एकजुट होने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने गणेश उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले सभी निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सौहार्द लेकर आएं, यही कामना है।

रेल प्रशासन की तत्परता से अचेत यात्री को समय पर मिली चिकित्सा सहायता

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के कुशल मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल द्वारा यात्रियों को बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है साथ ही ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो,इसके लिए रेल प्रशासन एवं रेलकर्मी सदैव तत्पर रहते हैं | इसी क्रम में 14 सितम्बर 2026 को गाड़ी संख्या 14005 सीतामढ़ी–आनंद विहार लिच्छवी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री के अचेत होने की सूचना रेल मदद के माध्यम से प्राप्त हुई | यात्री सीतामढ़ी से आनंद विहार तक अकेले यात्रा कर रहा था तथा इंजन से तीसरे जनरल कोच में सवार था एक सहयात्री ने रेल मदद के माध्यम से सूचना दी कि उक्त यात्री अचेत अवस्था में है तथा उसकी श्वांस गति चल रही है | सूचना मिलते ही मऊ स्टेशन पर कार्यरत उप मुख्य टिकट निरीक्षक रामप्रभाव यादव ने तत्परता दिखाते हुए रेलवे चिकित्सक,मऊ डॉ.पुनीत राव के माध्यम से एम्बुलेंस की व्यवस्था कराई | गाड़ी के मऊ स्टेशन पहुंचते ही मेडिकल एवं वाणिज्यिक टीम द्वारा अचेत यात्री को ट्रेन से उतारा गया तथा आरपीएफ हेड कांस्टेबल राम प्यारे वर्मा के साथ उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया | अस्पताल में उपचार के उपरांत यात्री को होश आने पर यात्री द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर पर उसके परिजनों को तत्काल सूचना दे दी गई | समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होने से यात्री की स्थिति में सुधार हुआ | यात्री ने रेल प्रशासन की तत्परता एवं संवेदनशीलता की सराहना करते हुए वाणिज्य विभाग, मेडिकल टीम,आरपीएफ एवं रेल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया ||

हिन्दी दिवस पर वाराणसी मंडल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता,26 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के निर्देश में तथा वरिष्ठ मंडल आंकड़ा एवं संसाधन प्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी आशुतोष पाण्डेय के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर 9 से 23 सितम्बर 2026 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है | इसी क्रम में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत 14 सितम्बर 2026 को हिन्दी दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित भारतेंदु सभा कक्ष में राजभाषा पखवाड़ा समारोह-2026 के अंतर्गत कर्मचारी वर्ग के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल के विभिन्न विभागों एवं स्टेशनों से आए कुल 26 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया | प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने हिन्दी भाषा, साहित्य,राजभाषा तथा सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया | राजभाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना तथा हिन्दी के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देना है | प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को राजभाषा पखवाड़े के समापन समारोह में 23 सितम्बर 2026 को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा ||

संक्षिप्त समाचार

हिंदी केवल भाषा नहीं, करोड़ों दिलों की आवाज और भारत के डिजिटल भविष्य की ताकतः अनिल अग्रवाल

पटना। हिंदी को भारत की पहचान और करोड़ों लोगों के बीच जुड़ाव का माध्यम बताते हुए वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने हिंदी दिवस के अवसर पर कहा कि हिंदी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और इसकी सरलता एवं सहजता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।हिंदी दिवस पर अपने संदेश में अग्रवाल ने कहा कि हिंदी के शब्दों में मां जैसा अपनापन है। उन्होंने कहा कि आज करीब 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के दिलों और उनकी पहचान से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं की पहुंच अब डिजिटल दुनिया में भी तेजी से बढ़ रही है। अग्रवाल ने बताया कि 2024 में 87 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने भारतीय भाषाओं में सामग्री का इस्तेमाल किया, जो दर्शाता है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं केवल हमारी विरासत का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि भारत के डिजिटल भविष्य की भाषाएं भी हैं।अग्रवाल ने हिंदी पट्टी के युवाओं की क्षमता पर विश्वास जताते हुए कहा कि आज का युवा हिंदी के दम पर दुनिया से प्रतिस्पर्धा करने के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से भारत के दिल से जुड़ने से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी में अपने विचार व्यक्त करने तक, हिंदी उनके लिए हमेशा सहज रही है। सच कहूं तो, हिंदी ने मुझे अपनी बात लोगों तक पहुंचाने और उनसे जुड़ने में बहुत मदद की है, उन्होंने कहा। अग्रवाल ने भाषा शिक्षा में संतुलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह गांवों के बच्चों के लिए अंग्रेजी सीखना और दुनिया से जुड़ना जरूरी है, उसी तरह शहरों के बच्चों के लिए हिंदी और अपनी भाषाई जड़ों से जुड़े रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जितना जरूरी हमारे गांव के बच्चों के लिए अंग्रेजी सीखना है, उतना ही जरूरी है कि शहर के बच्चे हिंदी से जुड़ें। हिंदी के भविष्य को लेकर आशावादी अग्रवाल ने कहा कि जरूरत इस बात की है कि भाषा की सहजता और सरलता को बनाए रखा जाए और उसे स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने दिया जाए। उन्होंने कहा, हिंदी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, बस हम इसकी सरलता बनाए रखें और इसे नदी की तरह बहने दें। अग्रवाल ने देशवासियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी भारत की संस्कृति, पहचान और लोगों को जोड़ने वाली एक जीवंत भाषा है।

गणेश पूजा में लाल गुड़हल का विशेष महत्व

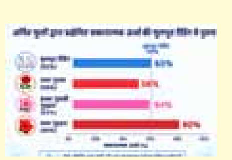

पटना। हिंदू धर्म की पूजा परंपराओं में विभिन्न देवी-देवताओं को विशेष फूल अर्पित करने की परंपरा रही है। इसी क्रम में भगवान गणेश को लाल गुड़हल चढ़ाने का विशेष महत्व बताया गया है। गोवा स्थित महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में विभिन्न फूलों को गणेशजी के चित्र पर अर्पित करने के बाद वातावरण में होने वाले ऊर्जा संबंधी बदलावों का अध्ययन किया गया। शोध के दौरान पॉलीकॉन्ट्रास्ट इंटरफेरेंस फोटोग्राफी (पीआईपी) तकनीक से वातावरण की प्रारंभिक रीडिंग लेने के बाद लाल गुलाब, गुलाबी गुड़हल और लाल गुड़हल के प्रभावों की तुलना की गई। अध्ययन के अनुसार लाल गुलाब और गुलाबी गुड़हल से सकारात्मक ऊर्जा में अपेक्षाकृत कमी देखी गई, जबकि लाल गुड़हल अर्पित करने पर सकारात्मक ऊर्जा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं का दावा है कि लाल गुड़हल गणेशतत्त्व को आकर्षित कर वातावरण में प्रसारित करने में सहायक होता है। इसी कारण गणेश पूजा में लाल गुड़हल को विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, इन ऊर्जा संबंधी दावों को वैज्ञानिक समुदाय में स्थापित वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में स्वीकार किए जाने के लिए स्वतंत्र और व्यापक शोध की आवश्यकता है।

मोबाइल की बढ़ती लत से बच्चों का भविष्य खतरे में

फतुहा। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता चांदनी पटेल ने बच्चों और युवाओं में बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए सरकार और अभिभावकों से ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मोबाइल आज जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की पढ़ाई, नींद, एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।चांदनी पटेल ने कहा कि बच्चों को मोबाइल थमाकर अभिभावक अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। ऑनलाइन गेम, वीडियो और सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच के बीच बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने स्कूलों में डिजिटल अनुशासन और स्क्रीन-टाइम को लेकर जागरूकता बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर करना समाधान नहीं है, बल्कि उसका नियंत्रित, सुरक्षित और उद्देश्यपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करना जरूरी है। सरकार को भी केवल सलाह तक सीमित न रहकर स्कूलों, अभिभावकों और विशेषज्ञों के सहयोग से व्यापक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

गोला रोड स्थित सूर्या विहार अपार्टमेंट में धूमधाम से मनाया गया तीज महोत्सव

पटना, गोला रोड। तीज के पावन अवसर पर गोला रोड स्थित सूर्या विहार अपार्टमेंट में तीज महा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। बिहार विजन फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सोसाइटी के 200 से 300 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मेहंदी लगाने की व्यवस्था की गई और सभी को तीज की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनी परंपरा और धरोहर से लोगों को जोड़ना और तीज जैसे पावन पर्व के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था।इस अवसर पर अस्थाणु बिल्डिकॉन के नए प्रोजेक्ट "अस्थाणु बसु आर्केड" का भी शुभारंभ किया गया। गोला रोड टी-पॉइंट पर स्थित यह नया रेजिडेंशियल एवं कमर्शियल प्रोजेक्ट की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। मौके पर अस्थाणु बिल्डिकॉन के डायरेक्टर श्री दीपक कुमार एवं सोसाइटी के गणमान्य कमेटी मेंबर उपस्थित रहे कार्यक्रम में सभी ने एकजुट होकर अपने सभी पर्वों को इसी तरह हर्षोल्लास के साथ मनाने का संकल्प लिया।

युवा शक्ति से होगा समाज और राष्ट्र का नव निर्माण : जयप्रकाश वर्मा

» गायत्री शक्तिपीठ में जिला स्तरीय युवा संगोष्ठी, गतिविधियों की समीक्षा के साथ नए दायित्वधारियों की घोषणा

नई सोच एक्सप्रेस

लखीमपुर-खीरी। गायत्री शक्तिपीठ लखीमपुर में रविवार को जिला स्तरीय युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से आए गायत्री परिवार के युवा कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और समाज में रचनात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अखंड दीप एवं वंदनीया माताजी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों को गति देना और युवाओं को युग निर्माण अभियान से जोड़ना रहा। संगोष्ठी में युवा प्रकोष्ठ की जिला एवं ब्लॉक स्तर की गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजना पर मंथन हुआ। जिला समन्वयक रामखेलावन निषाद ने अब तक की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए युवाओं से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देकर ही समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। मुख्य वक्ता प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि जयप्रकाश वर्मा ने कहा कि युवाओं को केवल संगठन से जुड़ने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सेवा, संस्कार, अनुशासन और रचनात्मक कार्यों को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। युवा अपनी जिम्मेदारी समझें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। संगोष्ठी में विभिन्न ब्लॉकों के समन्वयकों ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने पर चर्चा हुई। नए दायित्वधारियों की घोषणाकार्यक्रम में अजय कुमार वर्मा को जिला युवा समन्वयक, विवेकानंद मौर्य और विनय कुमार वर्मा को सह-समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गंगासागर वर्मा ने किया। इस अवसर पर योगी कुलदीप वर्मा, उदय सिंह, केके तिवारी, सीपी मौर्य, प्रियांशु वर्मा, यज्ञदेव वर्मा, आस्तिक वर्मा, प्रखर वर्मा, प्रज्ञा वर्मा, लवकुश वर्मा, दीपक वर्मा, दीपा वर्मा, संगीता वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाजीपुरः जखनिया में कांग्रेस संगठन सृजन और राजनीतिक परिस्थितियों पर हुई चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

जखनिया (गाजीपुर)। 14 सितंबर 2026 को जखनिया स्थित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला कांग्रेस कमेटी गाजीपुर के जिला उपाध्यक्ष देवनारायण सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। इस दौरान वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और कांग्रेस के 'संगठन सृजन' अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला उपाध्यक्ष देवनारायण सिंह ने उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मनिहारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्णा तिवारी, सादात ब्लॉक अध्यक्ष सती राम सिंह, जखनिया ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम, मंडल अध्यक्ष अरुण लाल श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह, अनिल सिंह तथा न्याय पंचायत अध्यक्ष मोहन राजभर सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का दस दिवसीय दशलक्षण पर्व बुधवार से

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का दस दिवसीय दशलक्षण पर्व बुधवार 16 सितम्बर से प्रारम्भ होगा। जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि इसके लिए पटना के सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में तैयारियाँ अंतिम चरण में है। पाटलिपुत्र दिगम्बर जैन समिति के महामंत्री ज्ञान चंद पाटनी ने बताया कि पटना के कदमकुआं स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पूजा सम्पन्न कराने भोपाल से प्रतिष्ठाचार्य अनिल भैयाजी एवं सागर से संगीतकार रवि जैन पधार रहे हैं। यहां प्रातः सात बजे से पूजा प्रारम्भ होगा। मीठापुर दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष बिनोद कासलीवाल जैन ने बताया कि यहाँ पर दसलक्षण पूजा के लिए सभी श्रद्धालुओं में काफी अधिक उत्साह है । मुरादपुर जैन चैत्यालय के सुबोध जैन फंटी ने बताया कि यहां पर दशलक्षण पूजा की सभी तैयारी पूरी हो चुकी है। कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर के मैनेजर सोनु जैन ने बताया कि यहाँ प्रतिदिन 6:45 से अभिषेक शांतिधारा प्रारम्भ होगा। मुकेश जैन ने बताया कि काली बीबी के कटरा स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः आठ बजे से शांतिधारा प्रसरम्भ होगा। गुरारा दिगम्बर जैन मंदिर के धीरज जैन ने बताया कि यहां के मंदिर में भी दशलक्षण पूजा होगी। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महासमिति के महासचिव एम पी जैन ने बताया कि दशलक्षण पूजा में प्रतिदिन मनुष्य के अलग अलग गुणों की पूजा होती है। दस दिनों की पूजा में प्रथम दिन उत्तम क्षमा से प्रारंभ होगी और उसके बाद लगातार क्रम से उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम अकिंचन्य, उत्तम ब्रहमचर्य की पूजा होगी। दशलक्षण की समाप्ति के बाद 27 सितम्बर को क्षमावणी मनाई जायगी। इस दिन सभी जैन धर्मावलंबियों द्वारा उनके द्वारा जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी जाती है। इस तरह क्षमा से प्रारंभ होने वाला यह पर्व क्षमावणी के दिन समाप्त होता है।

प्रवीण गोयल ने संभाली रोटरी क्लब अग्रवाल मंडी के अध्यक्ष पद की कमान

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। अग्रवाल मंडी टटीरी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में रोटरी क्लब अग्रवाल मंडी, डिस्ट्रिक्ट 3100 के अधिष्ठापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में नवनियुक्त अध्यक्ष प्रवीण गोयल एवं उनकी कैबिनेट को पद एवं दायित्वों की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में 2026-27 की मंडल अध्यक्ष पायल गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि 2028-29 के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष प्रीतिश कुमार सिंह ने अधिष्ठापन अधिकारी के रूप में उपस्थित होकर नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की तथा समाजहित में शिक्षा, स्वास्थ्य, जरूरतमंदों की सहायता और जनसेवा से जुड़े कार्यों को और गति देने का आह्वान किया। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रवीण गोयल ने क्लब के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह रोटरी की सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उपयोगी एवं जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देंगे। इस अवसर पर सचिव हरिओम शर्मा, कोषाध्यक्ष बिनेश रूहेला, उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता व विनोद गोयल, पूर्व अध्यक्ष राजीव गोयल, संजीव शर्मा, अंकुर शर्मा, विनेश रोहिल्ला, दीपक जैन, साधुराम मित्तल, दीपक गोयल, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, सारिका गोयल, प्रवीण चौधरी सहित सैंकड़ो लोग उपस्थित थे।

गणेश चतुर्थी पर भक्तों ने स्थापित की भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा

नई सोच एक्सप्रेस

देवरिया। गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। प्रतिमा स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।सुबह से ही पूजा पंडालों और घरों में गणेश पूजन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाए गए पंडाल में स्थापित किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश से सुख, समृद्धि और शांति की कामना की गई।प्रतिमा स्थापना के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच गणेश जी की प्रतिमा को पंडाल तक लाया गया। भक्तों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजा में हिस्सा लिया। कई स्थानों पर प्रसाद का वितरण भी किया गया।गणेश चतुर्थी को लेकर बच्चों और युवाओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। पंडालों में आकर्षक सजावट की गई है। श्रद्धालुओं ने बताया कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। उनकी पूजा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सभी बाधाएं दूर होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालु प्रतिदिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और आरती में शामिल होने की तैयारी में जुटे हैं।

निर्माणाधीन मकान में मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत

नई सोच एक्सप्रेस

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के चिकासी थाना क्षेत्र के मचहरी गांव में सोमवार को निर्माणाधीन मकान में मजदूरी कर रहे 30 वर्षीय मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मचहरी गांव निवासी करन ने बताया कि उसका भाई लखन सिंह गांव के हरी सिंह के निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करता था। सोमवार वह रोज की तरह काम करने पहुंचा था। काम के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में मकान मालिक और साथी मजदूर उसे सीएचसी गोहांड ले गए, लेकिन चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। लखन सिंह मजदूरी के साथ पट्टे की जमीन पर खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से स्वजन बेहाल हैं। मृतक अपने पीछे मां राममूर्ति, भाई करन व प्रेमचंद, पत्नी मीना और पुत्र चंदन, योगेश व प्रिंसी को रोता-बिलखता छोड़ गया है। चिकासी थानाध्यक्ष मयंक चंदेल ने सोमवार को बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हिंदी हमारी पहचान और स्वाभिमान, इसके प्रचार-प्रसार की जरूरत : जय प्रकाश यादव

नई सोच एक्सप्रेस

» जिला न्यायालय में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी, न्यायिक अधिकारियों ने हिंदी के महत्व पर रखे विचार

गाजीपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के तत्वावधान एवं माननीय जनपद न्यायाधीश के निर्देशन में सोमवार को जनपद न्यायालय के दसकक्षीय सभागार में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य वक्ता जय प्रकाश यादव, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में विभिन्न भाषाओं, जाति और धर्म के लोग रहते हैं। ऐसे में हिंदी सभी को जोड़ने वाली सरल एवं सहज भाषा है। हिंदी हमारी पहचान और स्वाभिमान के साथ देश की संस्कृति एवं संस्कारों का प्रतिबिंब है। राष्ट्र की एकता, अखंडता और बंधुत्व के लिए हिंदी का प्रचार-प्रसार आवश्यक है। संजय हरी शुक्ला, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया। शक्ति सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी लोक अदालत ने भाषा को विचारों की अभिव्यक्ति का प्रमुख माध्यम बताया। नीरज गोंड, सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का महत्वपूर्ण आधार बताया। इस अवसर पर हार्दिक सिंह, मोनी वर्मा, कृपाशंकर राय, बृजभूषण श्रीवास्तव, गौतम द्विवेदी व राजन पाण्डेय ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में श्वेता वर्मा, संजय के लाल, राम अवतार प्रसाद, विजय कुमार-चतुर्थ सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिस बेटी ने अभी 'पापा' कहना सीखा भी नहीं था, उसके सिर से उठ गया पिता का साया

» 18 महीने की मासूम पुत्री को छोड़ चल बसा पिता, लव मैरिज हुई थी शादी
» पंखे के हुक से लटका मिला 25 वर्षीय युवक का शव, पत्नी और बुजुर्ग मां का रो-रोकर बुरा हाल

नई सोच एक्सप्रेस

परशदेपुर रायबरेली। डीह थाना क्षेत्र की परशदेपुर चौकी अंतर्गत पूरे मकन्दी मजरे बारा गांव में रविवार देर रात 25 वर्षीय प्रेमचन्द्र का शव कमरे के अंदर साड़ी के फंदे से पंखे के हुक के सहारे लटकता मिला। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताया गया कि प्रेमचन्द्र का विवाह बड़े भाई की साली से प्रेम विवाह के बाद हुआ था। शादी के बाद वह पत्नी सीमा, डेढ़ वर्षीय बेटी जान्हवी और बुजुर्ग मां नीधा देवी के साथ रहता था। दोनों बड़े भाई परदेश में रहते है।प्रेमचंद मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों के मुताबिक रविवार रात करीब 11 बजे प्रेमचन्द्र के कमरे से आवाज आई। आवाज सुनकर उसकी मां कमरे में पहुंचीं तो बेटे का शव पंखे के हुक से लटकता देखकर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने रात में पुलिस को सूचना नहीं दी और सोमवार सुबह परशदेपुर चौकी पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रेमचन्द्र की मौत के बाद पत्नी सीमा का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मां के पास खड़ी 18 महीने की मासूम जान्हवी इस दर्द से अनजान है कि उसके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ चुका है। जिस पिता की गोद में वह खेलती थी, अब उसी घर में उसकी तस्वीर और यादें परिवार को रुला रही हैं।प्रेमचन्द्र अपने भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी अचानक मौत से पत्नी, मासूम बेटी और बुजुर्ग मां के सामने परिवार चलाने का संकट भी खड़ा हो गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।परशदेपुर चौकी इंचार्ज मोहित कुमार भारद्वाज ने बताया कि सुबह सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। परिजनों द्वारा शव को पहले ही नीचे उतार लिया गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

आर्मी मेजर बनने के लिए लेनी पड़ी खास ट्रेनिंग, अश्मिता बख्शी ने बताया अपना अनुभव

अश्मिता बख्शी इन दिनों टीवी शो 108 बेस हॉस्पिटल – उरी में आर्मी मेजर और नर्स अनीता सोलंकी के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शो का कॉन्सेप्ट उन्हें बहुत अच्छा लगा, जिस वजह से वह शो के लिए मना नहीं कर पाईं। उन्होंने बताया, इस शो में मैं एक नर्स का किरदार निभा रही हूं, जो सेना में मेजर भी है। इस शो के मेकर्स के साथ मैंने पहले भी काम किया है। वह इस किरदार के लिए कास्टिंग कर रहे थे और मुझे लगता है कि यह आखिरी रोल था जिसे उन्हें फाइनल करना था। उन्होंने मुझे इसके लिए बुलाया और किरदार के बारे में बताया। अश्मिता बख्शी ने बताया कि शो के साथ उनके किरदार की भी कहानी बढ़ेगी। उन्होंने बताया, मेरा किरदार बहुत ही अच्छा है और यह कहानी के साथ-साथ आगे बढ़ेगा। सबसे खास बात यह है कि शो डेली सोप से बिल्कुल अलग है। इसी कॉन्सेप्ट ने मुझे उत्साहित किया और मैंने इसे करने का फैसला लिया। अभिनेत्री ने आगे बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए क्या क्या तैयारी की थी। उन्होंने कहा, जब आप किसी आर्मी नर्स का किरदार निभा रही हो और वो मेजर भी है, तो सही बॉडी लैंग्वेज होना जरूरी है। रीडिंग सेशन के दौरान हमें बताया भी गया था कि पोस्चर और स्टांस कैसा होना चाहिए और आर्मी ऑफिसर के तौर पर हमें एक-दूसरे से कैसे मिलना चाहिए। अभिनेत्री ने आगे कहा, जब मैं कैरेक्टर के नर्स वाले हिस्से की तैयारी कर रही थीं, तो हमें ऑपरेशन थिएटर और हॉस्पिटल में प्रोटोकॉल फॉलो करने की ट्रेनिंग भी दी गई थी। हमें वह ट्रेनिंग शूट से पहले मिली थी, इसलिए मेकर्स ने सब कुछ संभाल लिया था। अभिनेत्री ने बताया कि वह एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जो कई सालों से खेलों में अपना योगदान देते आए हैं। उन्होंने कहा, मैं एक स्पोर्ट्स फैमिली से ताल्लुक रखती हूं। मेरे दादाजी हॉकी खेलते थे और फिटनेस मेरे खून में है। इसलिए आर्मी स्टांस रखना और जरूरी बॉडी पोस्चर बनाए रखना मेरे लिए थोड़ा आसान था। साथ ही, एक प्रोफेशनल डांसर होने से भी मुझे मदद मिली। अश्मिता बख्शी ने शो के बारे में बताया, यह शो श्रीनगर के असल आर्मी हॉस्पिटल से प्रेरित है, लेकिन शूट वहां नहीं हुआ। हमने मुंबई स्टूडियो में शूट किया और इसका कुछ हिस्सा कश्मीर में शूट किया गया। शो असल अनुभवों से प्रेरित है। किरदार काल्पनिक हैं, लेकिन कहानियां असल हॉस्पिटल के अनुभवों से प्रेरित हैं।

उरी' में चुनौतीपूर्ण भूमिका से चर्चा में अश्मिता बख्शी

भारतीय टेलीविजन पर इन दिनों कुछ अलग और लीक से हटकर कहानियों को दिखाने का नया दौर शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में नए धारावाहिक '108 बेस हॉस्पिटल – उरी' ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर तेजी से आकर्षित किया है। सैन्य पृष्ठभूमि और चिकित्सा जगत के मानवीय पहलुओं को दर्शाने वाले इस शो में अभिनेत्री अश्मिता बख्शी एक बेहद सशक्त और महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने शो में आर्मी मेजर और नर्स अनीता सोलंकी का किरदार निभाकर इंडस्ट्री में एक नई पहचान बनाई है। अश्मिता बख्शी के लिए यह किरदार कई मायनों में बेहद खास और चुनौतीपूर्ण रहा है। आमतौर पर डेली सोप में पारंपरिक और घरेलू भूमिकाएँ देखने को मिलती हैं, लेकिन एक सैन्य अधिकारी के साथ-साथ चिकित्सा सेवा से जुड़े किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना किसी भी कलाकार के लिए एक बड़ा अवसर होता है। अश्मिता का मानना है कि इस तरह के विषयों पर बनने वाले शो न केवल मनोरंजन प्रदान करते हैं, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों की निस्वार्थ सेवा और उनके संघर्ष को भी दर्शकों के करीब लाते हैं। इस विशिष्ट भूमिका में ढलने के लिए अश्मिता ने कड़ी मेहनत की है। सैन्य अनुशासन और एक मेजर के हाव-भाव को पर्दे पर सटीक तरीके से दिखाने के लिए उन्होंने विशेष अभ्यास किया। एक आर्मी ऑफिसर के उठने-बैठने के तरीके, उनके पोस्चर और उनकी बॉडी लैंग्वेज को बारीकी से समझने के लिए रिहर्सल और रीडिंग सेशंस का सहारा लिया गया। इसके अलावा, एक नर्स के तौर पर इमरजेंसी और ऑपरेशन थिएटर के प्रोटोकॉल को सही ढंग से निभाने के लिए उन्हें मेडिकल ट्रेनिंग भी दी गई, जिससे शूटिंग के दौरान दृश्य पूरी तरह प्रामाणिक लगें। दिलचस्प बात यह है कि अश्मिता का पारिवारिक बैकग्राउंड भी उनके इस किरदार में काफी मददगार साबित हुआ। वे एक खेल प्रेमी परिवार से ताल्लुक रखती हैं—उनके दादाजी हॉकी खिलाड़ी रहे हैं। बचपन से ही अनुशासन और फिटनेस के माहौल में पले-बढ़े होने के कारण उन्हें इस सैन्य भूमिका के शारीरिक कड़े मानकों को अपनाने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। इसके अलावा, उनका पेशेवर डांसर होना भी उनके शारीरिक संतुलन और बॉडी लैंग्वेज को बेहतर बनाने में सहायक रहा। '108 बेस हॉस्पिटल – उरी' की कहानी और इसका कैनवास बेहद वास्तविक अनुभव देता है।

रवि तेजा फिल्म इरुमुडी की ओटीटी रिलीज कंफर्म

18 को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

रवि तेजा पिछले दिनों अपनी फिल्म इरुमुडी को लेकर चर्चा में थे, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तबाड़तोड़ कमाई की थी और ये उनके करियर की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म साबित हुई थी. ऐसे में अब 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने के बाद इस फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट भी कंफर्म हो गई है. चलिए बताते हैं इसे आप कब और कहां देख सकते हैं. दरअसल, इरुमुडी की ओटीटी रिलीज के बारे में ऑफिशियल ऐलान किया जाता कि उससे पहले ही इसका ओटीटी पर नोटिफिकेशन आने लगा है. फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा और ये वहां पर नोटिफाई के लिए शो भी होने लगी है. मूवी को अपकमिंग रिलीज की लिस्ट में है. इसे अगले हफ्ते यानी कि 18 सितंबर, शुक्रवार को स्ट्रीम किया जा सकेगा. हालांकि, इसे कितनी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है. लेकिन ये जरूर कंफर्म हो गया है कि फिल्म शुक्रवार को ओटीटी पर आ रही है. गौरतलब है कि तेलुगु फिल्म इरुमुडी ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा खासा प्रदर्शन किया था. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का बजट 35 करोड़ था जबकि सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 229.25 करोड़ और इंडिया नेट कलेक्शन 178.05 करोड़ रहा था. इतना ही नहीं, इसने ओवरसीज में 22.40 करोड़ का कलेक्शन किया था. अब 35 करोड़ बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 229.25 करोड़ के लिहाज से फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 555त्न प्रॉफिट कमाया था. इसी के साथ ही ये रवि तेजा की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म साबित हुई थी. ये उनके करियर की सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाली फिल्म बन चुकी है. इसके अलावा, इरुमुडी रवि तेजा की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म भी बनी और ये प्रॉफिट कमाने के मामले में उनकी सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली फिल्म रही. बहरहाल, तेलुगु फिल्म इरुमुडी के बारे में बात करें तो ये एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें माइथोलॉजिकल एंगल दिया गया है. फिल्म में रवि तेजा लीड रोल में हैं और प्रिया भवानी शंकर ने लेडी लव का रोल प्ले किया है. इस फिल्म में पिता और बेटी की बेहतरीन कहानी को दिखाया गया है. इसे सिनेमाघरों में 21 अगस्त, 2026 को रिलीज किया गया था.

नई नवेली का टीजर : डायन भाभी बनकर आईं यामी गौतम, पहली बार दिखा सबसे अलग रूप

अभिनेत्री यामी गौतम एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार उनका अंदाज अब तक की भूमिकाओं से काफी अलग नजर आने वाला है। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'नई नवेली का आधिकारिक टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर सामने आते ही फिल्म की कहानी और यामी के रहस्यमय किरदार को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म का निर्माण कलर येलो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। इसका निर्देशन बालाजी मोह ने किया है, जबकि फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। 'नई नवेली की कहानी एक ऐसी नवविवाहिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के बाद एक सामान्य परिवार में नई बहू बनकर आती है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही कहानी रहस्य और रोमांच की ओर मुड़ जाती है। टीजर की शुरुआत मेरठ के एक साधारण परिवार से होती है। परिवार में नई बहू के रूप में यामी गौतम का प्रवेश होता है। उनके आने से घर में खुशियों का माहौल दिखाई देता है, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रहती। कहानी में उस समय बड़ा मोड़ आता है, जब घर का छोटा बेटा अपनी भाभी पर ही डायन होने का आरोप लगा देता है। इसके बाद यामी गौतम का एक ऐसा रूप सामने आता है, जो उनके अब तक निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। टीजर में उनके किरदार के पीछे छिपी रहस्यमय शक्तियों और अनदेखे राज की झलक भी देखने को मिलती है। यही रहस्य फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने वाला प्रमुख आधार नजर आता है। फिल्म में यामी गौतम के साथ सुनीता राजवार और मीता वशिष्ठ समेत कई अनुभवी कलाकार नजर आएंगे। कलाकारों की मौजूदगी से फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। यामी इससे पहले भी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं में अपनी अभिनय क्षमता साबित कर चुकी हैं। ऐसे में 'नई नवेली में उनके नए और रहस्यमय रूप को देखने के लिए दर्शकों में खास उत्सुकता है। 'नई नवेली को दशहरे के अवसर पर 16 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कहानी में पारिवारिक माहौल, रहस्य, डर और हास्य का मिश्रण देखने को मिलने की उम्मीद है। टीजर ने यह संकेत दे दिया है कि फिल्म एक साधारण परिवार की कहानी से शुरू होकर जल्द ही असाधारण घटनाओं की ओर बढ़ेगी। अब दर्शकों को फिल्म की पूरी कहानी और यामी गौतम के रहस्यमय किरदार से पर्दा उठने का इंतजार है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर चर्चा में है ओरी

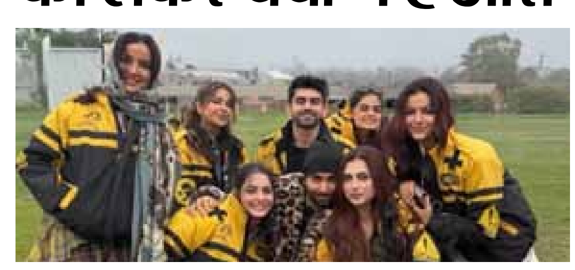

रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी यानी ओरहान अवात्रामणि चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। इस शो से बाहर होने के बाद ओरी ने इंस्टाग्राम पर शो के दौरान की कुछ तस्वीरें और पर्दे के पीछे की झलकियां साझा कीं। इनमें वह 'खतरों के खिलाड़ी 15' की टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका के 'केप ऑफ गुड होप' में मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस सीजन में रुबीना दिलैक, जैस्मीन भसीन, करण वाही, अविनाश मिश्रा, रित्विक धनजानी, गौरव खन्ना, अविका गौर, फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल, विशाल आदित्य सिंह, ओरी, शगुन शर्मा और रुहानिका धवन सहित कई प्रतिभागी शामिल हैं। ओरी ने अपनी पोस्ट में शो के मेजबान रोहित शेट्टी को संबोधित करते हुए लिखा कि कहा जाता है कि इस जगह का नाम पहले 'केप ऑफ स्टॉर्म्स' था, जिसे बाद में 'केप ऑफ गुड होप' कहा गया। उन्होंने इस स्थान को ऐसे मोड़ के तौर पर बताया, जहां तूफानी समुद्र को पार करने के बाद यात्रियों को नई रोशनी और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाई देता है। उनके मुताबिक, मुश्किलों के बाद मिलने वाली यही उम्मीद इंसान को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। अपने रियलिटी शो के अनुभव को याद करते हुए ओरी ने लिखा कि अफ्रीका के इस छोर पर खड़े होकर जब उन्होंने समुद्र की तेज लहरों और हवाओं को देखा तो उन्हें 'खतरों के खिलाड़ी' के अपने सफर की याद आ गई। उन्होंने कहा कि जीवन और सफर में कई मोड़, चढ़ाइयां और मुश्किल दौर आते हैं, लेकिन इन्हें पार करने के बाद ही व्यक्ति संतुलन और खुले क्षितिज तक पहुंच पाता है। ओरी ने हर मुश्किल सफर के बाद आने वाली उम्मीद को आगे बढ़ने का हौसला देने वाली किरण बताया। ओरी ने रोहित शेट्टी के लिए अपनी पोस्ट में शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रोहित भी अपनी नई मंजिलों की ओर पूरे हौसले के साथ आगे बढ़ रहे होंगे। साथ ही उन्होंने हमेशा रोहित की शुभकामनाओं का आकांक्षी बने रहने की बात कही। 'केप ऑफ गुड होप' दक्षिण अफ्रीका के केप प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर स्थित प्रसिद्ध चट्टानी भू-भाग है। यह केपटाउन से करीब 50 से 70 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है और अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है।' खतरों के खिलाड़ी' में चर्चित हस्तियां अपने डर का सामना करते हुए खतरनाक स्टंट करती हैं।

होस्ट करना है मुश्किल : अमिताभ (रंगसंसार)

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग के माध्यम से लगातार प्रशंसकों से संवाद बनाए रखते हैं और अपने व्यक्तिगत जीवन के विभिन्न पहलुओं को साझा करते हैं। हाल ही में एक ब्लॉग पोस्ट में उन्होंने लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) को होस्ट करने के अपने अनुभवों पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से उन प्रतिभागियों का जिक्र किया जो मंच पर अपने जीवन के बेहद निजी और दुखद किस्से सुनाते हैं। बिग बी ने स्वीकार किया कि कई बार प्रतियोगियों के इन संघर्षों और दर्दभरी कहानियों को सुनना बेहद भावुक और दिल तोड़ने वाला होता है। अमिताभ बच्चन ने लिखा, कुछ कंटेस्टेंट इतनी गंभीर निजी कहानियाँ लेकर आते हैं कि न सिर्फ उनके लिए अपनी भावनाओं को संभालना, बल्कि शो को होस्ट करना जारी रखना भी मुश्किल हो जाता है। मैं इस बारे में और ज़्यादा बात नहीं करूंगा क्योंकि इससे उस समझ पर असर पड़ेगा जो एक होस्ट चैनल को देता है, लेकिन यह एक दिल तोड़ने वाला अनुभव रहा है। इस रहस्यमयी और इमोशनल नोट ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

तनाव को कम करने में सहायक है साउंड बाथ थेरेपी, जानिए इसके 5 फायदे

साउंड बाथ थेरेपी एक खास तकनीक है, जो तनाव को कम करने और मन को शांत करने में मदद करती है। इसमें अलग-अलग प्रकार की आवाजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके मन और शरीर को सुकून देती हैं। यह तरीका न सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि शारीरिक आराम भी देता है। आइए जानते हैं कि साउंड बाथ थेरेपी के क्या-क्या फायदे हैं, ताकि आप भी इसका लाभ उठा सकें। साउंड बाथ थेरेपी में इस्तेमाल होने वाली ध्वनियां आपके मन को स्थिर करती हैं। जब आप इस थेरेपी का अनुभव करते हैं तो बाहरी शोरगुल से दूर होकर एक शांत माहौल में पहुंचते हैं। इससे आपका मन शांत होता है और आप एक नई ऊर्जा महसूस करते हैं। यह तरीका आपके दिमाग को आराम देता है और चिंता को कम करने में मदद करता है। इससे मन की चिंताएं दूर होने लगती हैं। अगर आपको नींद आने में परेशानी होती है तो साउंड बाथ थेरेपी आपके लिए मददगार हो सकती है। इस थेरेपी के दौरान सुनाई देने वाली आवाजें आपके दिमाग को शांत करती हैं और आपको बेहतर नींद लेने में मदद करती हैं। नियमित रूप से इस थेरेपी का इस्तेमाल करने से आपकी नींद की गुणवत्ता सुधरती है और आप सुबह ताजगी महसूस करते हैं। इसे करवाने के बाद शरीर आराम की स्थिति में आ जाता है और नींद आ जाती है। साउंड बाथ थेरेपी से न सिर्फ मन को सुकून मिलता है, बल्कि यह शरीर को भी आराम देती है। इसमें सुनाई देने वाली आवाजें आपके शरीर की थकी हुई मांसपेशियों को राहत देती हैं, जिससे उनका तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। इससे आपका शरीर हल्का और आरामदायक महसूस करता है। यह थेरेपी थकान और तनाव को दूर करने का एक अच्छा तरीका है। इससे दर्द आदि से भी राहत मिल सकती है।

साउंड बाथ थेरेपी से आपकी ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है। इस थेरेपी के दौरान आप केवल सुनाई देने वाली आवाजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे आपका मन एक जगह पर टिकता है। यह आपकी सोचने और समझने की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से आप अपने काम में अधिक ध्यान और फोकस ला सकते हैं। साथ ही इससे मानसिक स्वास्थ्य धीरे-धीरे ठीक होता है।

भावनाओं को संतुलित करने में फायदेमंद

साउंड बाथ थेरेपी आपकी भावनाओं को संतुलित करने में भी मदद कर सकती है। जब आप इसे अपनाते हैं तो आपके अंदर की नकारात्मक सोच और भावनाएं कम हो जाती हैं। यह थेरेपी आपको सकारात्मक सोचने और बेहतर महसूस करने में मदद करती है। इसे अपनाकर आप अपने जीवन को खुशहाल और तनावमुक्त बना सकते हैं। इन फायदों को जानने के बाद आप जरूर इस खास थेरेपी को अपनाना चाहेंगे।

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भारतीय समयानुसार सोमवार तड़के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला। 29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर

मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा। ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया। अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही।

शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फॉल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फॉल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया। शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंततः ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

महिला एशिया कप : नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने के विवाद पर बोले अमोल मजूमदार, बीसीसीआई के फैसले के साथ हैं

एजेंसी, दुबई

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्रॉफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है।

भारत ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में

भी शामिल हैं। यह घटनाक्रम पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की याद दिलाता है। तब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को फाइनल में हराने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, "यह रुख बीसीसीआई ने अपनाया है और हम इसके साथ खड़े हैं। हमारे लिए यह टूर्नामेंट समाप्त हो चुका है। हम चैंपियन हैं।" उन्होंने आगे कहा, "बड़े बोर्ड पर लिखा था कि भारत एशिया कप 2026 का चैंपियन है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट आधिकारिक रूप से समाप्त हो चुका है। अब हमारा ध्यान एशियाई खेलों पर है।" भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप का आठवां खिताब अपने नाम किया और अब टीम का अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में मजबूत प्रदर्शन करना है।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनलः धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

एजेंसी, साल्टिलो (मेक्सिको)

भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए रविवार को विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-ऑफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-ऑफ

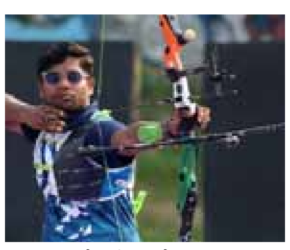

हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। पहले सेट में दोनों तीरंदाजों ने 28-28 अंक हासिल किए और एक-एक अंक बांटा। नाकानिशी ने दूसरा सेट 29-28 से जीतकर 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन धीरज ने तीसरा सेट 29-28 से अपने नाम कर स्कोर बराबर कर दिया। नाकानिशी ने चौथे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो इनर-10 समेत कुल 29 अंक हासिल किए, जबकि धीरज 28 अंक ही बना सके। इससे जापानी तीरंदाज ने दबाव बढ़ा दिया।

निर्णायक पांचवें सेट में दोनों ने पहली तीर से 9-9 अंक बनाए। धीरज ने दूसरी तीर पर 10 अंक हासिल कर बढ़त बनाई, जबकि नाकानिशी ने फिर 9 अंक जुटाए। धीरज की तीसरी तीर 9 अंक की रही। ऐसे में नाकानिशी को स्वर्ण जीतने के लिए 10 अंक की जरूरत थी, लेकिन वह लगातार तीसरी बार 9 अंक ही हासिल कर सके और मुकाबला शूट-ऑफ तक पहुंच गया।

तन्वी पत्री ने जीता बैडमिंटन एशिया अंडर-17 का खिताब, शाइना मनिमुथु को हराकर बनीं चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली : भारत की 15 वर्षीय तन्वी पत्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन शाइना मनिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया। ओडिशा की तन्वी ने इस जीत के साथ महाद्वीपीय अंडर-17 खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था और इसी साल बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया था। तन्वी ने 2024 में अंडर-15 एशियाई खिताब जीता था और अब उन्होंने अंडर-17 एशियाई चैंपियन बनकर अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है। उनकी जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरे वर्ष अंडर-17 लड़कियों के एकल का खिताब अपने पास बरकरार रखा। पिछले साल दीक्षा सुधाकर ने यह खिताब जीता था। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए कड़े मुकाबलों से गुजरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में बाई मिलने के बाद उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली को 18-16, 12-15, 15-13 से हराया।

महिला एशिया कप फाइनलः श्री चरणी ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक साल में सर्वाधिक विकेट लेने का बनाया भारतीय रिकॉर्ड

एजेंसी, दुबई

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप 2026 के फाइनल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के 14वें ओवर में श्री चरणी ने हरशिता समरविक्रमा को अपनी ही गेंद पर कैच कर पवेलियन भेजा। इस विकेट के साथ उनके इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 36 विकेट हो गए

और उन्होंने पूनम यादव का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। चरणी ने मैच में 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके नाम इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब 39 विकेट हो गए हैं। उनके इस प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को हराकर महिला एशिया कप का खिताब भी जीत लिया। लेग स्पिनर पूनम यादव ने 2018 में 35 पारियों में 35 विकेट लिए थे। वहीं, 22 वर्षीय श्री चरणी ने महज 20 पारियों में 39 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की है। श्री चरणी ने बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में पूनम यादव के 35 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में हरशिता का विकेट लेते ही वह इस रिकॉर्ड से आगे निकल गईं। आंध्र की इस स्पिनर ने पिछले साल अप्रैल में श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली थी।

बिजनेस

टॉप 10 में शामिल देश की सभी कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट

- 2.57 लाख करोड़ से अधिक की राशि हुई स्वाहा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के बाद देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सभी दस कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बाजार में दबाव की स्थिति बनने की वजह से इन सभी दस कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 2.57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज

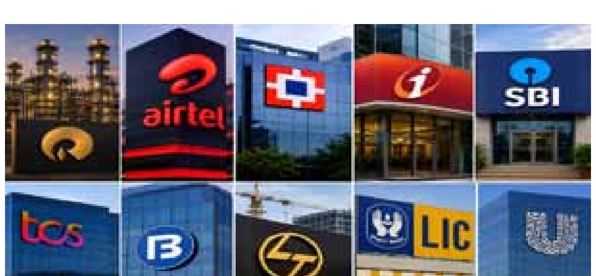

(टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में कुल 2,57,660.65 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। शेयर बाजार में लगातार हुई बिकवाली के कारण इस सप्ताह टॉप 10 में शामिल किसी भी कंपनी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी नहीं हो सकी। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली लिस्टेड कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 86,608 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 17,51,516.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 42,935.63 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 8,17,687.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 27,842.12 करोड़ रुपये घट कर 10,04,457.94 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,487.89 करोड़ रुपये कम होकर 11,48,127.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 21,634.02 करोड़ रुपये घट कर 9,30,446.25 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 18,924.50 करोड़ रुपये लुढ़क कर 10,83,462.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह के कारोबार में बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,210.35 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 6,56,838.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 9,540.20 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,44,842.97 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 8,120.44 करोड़ रुपये फिसल कर 5,18,713.06 करोड़ रुपये के स्तर तक और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 2,357.50 करोड़ रुपये लुढ़क कर 4,65,806.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अगले सप्ताह प्राइमरी मार्केट में जमकर होगी हलचल, एनएसई और हीरो मोटर्स समेत 11 नए आईपीओ की लॉन्चिंग

लिस्टिंग के साथ स्टॉक मार्केट में कारोबार शुरू करेंगी 19 कंपनियां

एजेंसी, नई दिल्ली

मंगलवार यानी 15 सितंबर से शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ के लिहाज से ब्लॉकबस्टर रहने वाला है। नए हफ्ते में एनएसई और हीरो मोटर्स के आईपीओ समेत 11 नए पब्लिक इश्यू खुलने जा रहे हैं। इनमें से 5 मेनबोर्ड सेगमेंट से हैं। जबकि शेष छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा नए सप्ताह में पहले से खुले 8 आईपीओ में भी पैसे लगाने का मौका रहेगा। नए शुरू हो रहे सप्ताह में 19 कंपनियों के शेयर अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से 11 कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं। जबकि शेष 8 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 15 सितंबर को वामा वुवेनफैब का 49.54 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 17 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने

के लिए 324 रुपये प्रति शेयर से लेकर 341 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 सितंबर को बीएसई एसएमई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 28 रुपये पर चल रहा है। इसी दिन यानी 15 सितंबर को ही एसएमई सेगमेंट का दूसरा आईपीओ क्वांतो एग्रोवर्ल्ड भी खुलेगा, जिसका कुल साइज 31.02 करोड़ रुपये है। इसमें 17 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस इश्यू का प्राइस बैंड 67 रुपये प्रति शेयर (फिक्स्ड प्राइस) और लॉट साइज 2,000 शेयरों का तय किया गया है। इसकी लिस्टिंग 22 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर संभावित है। इसका वर्तमान ग्रे मार्केट प्रीमियम 8 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

15 सितंबर को ही खुलने वाला तीसरा इश्यू शक्ति पॉलीटार्प का है, जो करीब 26.93 करोड़ रुपये जुटाने बाजार में आ रहा है। 17 सितंबर तक खुली रहने वाली इस विंडो के लिए 56 रुपये प्रति शेयर से लेकर 59 प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 2,000 शेयरों का लॉट साइज तय किया गया है। इसकी लिस्टिंग 22 सितंबर को बीएसई एसएमई पर होगी। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 11 रुपये के स्तर पर बना हुआ है। इसके अगले दिन 16 सितंबर को मेनबोर्ड सेगमेंट में भारी हलचल होगी, जब तीन बड़े आईपीओ एक साथ दस्तक देंगे। पहला बड़ा नाम दिग्गज टू-व्हीलर कंपोनेंट निर्माता हीरो मोटर्स का है। ये कंपनी 1,000 करोड़ रुपये का बड़ा आईपीओ लेकर आ रही है। इस इश्यू में निवेशक 18 सितंबर तक दांव लगा सकेंगे। कंपनी ने इसके लिए 79 रुपये प्रति शेयर से लेकर 84 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 178 शेयरों का लॉट साइज तय किया है। इसकी लिस्टिंग 23 सितंबर को एनएसई और बीएसई दोनों पर होगी। ग्रे मार्केट में इसका जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। फिलहाल इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 24 रुपये पर पहुंच चुका है। इसी दिन यानी 16 सितंबर को ही रिटेल सेक्टर की कंपनी एसएस रिटेल का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी खुलेगा, जिसमें 18 सितंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इसके लिए 403 रुपये प्रति शेयर से लेकर 424 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 35 शेयरों का लॉट साइज तय किया गया है। 23 सितंबर को एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होने वाले इस इश्यू का ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल 32 रुपये के स्तर पर है।

आईफोन 17 पर मंहगाई की मार, कीमतों में भारी उछाल से पहले ग्राहकों की होड़

एजेंसी, नई दिल्ली

आगामी त्योहारी सीजन से पहले आईफोन 17 सीरीज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की आशंका के चलते ग्राहक पुराने स्टॉक खरीदने में जुट गए हैं। इस मजबूत मांग से प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि खरीदार नई बढ़ी हुई कीमतों से बचना चाहते हैं। ऐपल ने घोषणा की है कि 256जीबी वाले आईफोन 17 की कीमत 20.5 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 99,000

रुपये हो जाएगी, जबकि 512जीबी मॉडल 21.3 फीसदी बढ़कर करीब 1,24,900 रुपये का होगा। पिछले एक साल में मेमोरी लागत में तेजी से वृद्धि के बावजूद पहले कीमतें नहीं बढ़ी थीं, लेकिन अब इसका बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के बचे हुए स्टॉक की भी अच्छी मांग है, क्योंकि उनका उत्पादन बंद हो चुका है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, शुरुआती जानकारी दर्शाती है कि पुरानी कीमत पर बिक रहे आईफोन 17 का स्टॉक अगले एक-दो सप्ताह में खत्म होने की उम्मीद है।

सोने की वैश्विक दौड़ में भारत, डेक्कन गोल्ड ने किर्गिस्तान में शुरू किया उत्पादन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत दुनिया में सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन अपनी 90 फीसदी से अधिक जरूरतें आयात से पूरी करता है। इस रणनीतिक चुनौती के बीच, बेंगलुरु स्थित डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान में अपने अल्टिन टोर गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक उत्पादन चरण तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा किर्गिस्तान में सोने का उत्पादन शुरू करने का पहला उदाहरण है। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने किर्गिस्तान के नारिन क्षेत्र में स्थित अल्टिन टोर प्रोजेक्ट से अपना पहला गोल्ड डोरे (कच्चा सोना) अगस्त में तैयार किया था। यह क्षेत्र मिनरल से समृद्ध सोल्टन सारी और टिएन शान शियर जोन का हिस्सा है, जिसे सोने के विशाल भंडारों के लिए जाना जाता है। किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर एन. जापारोव ने हाल ही में एक ऑनलाइन समारोह के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में स्थापित गोल्ड प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया। कंपनी, जिसकी स्थानीय सहायक कंपनी एवेलम पार्टनर एलएलसी अल्टिन टोर का संचालन करती है, अब बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

लगातार दूसरे सप्ताह सेलर बने रहे विदेशी निवेशक, सितंबर में इक्विटी मार्केट से हुई 13,138 करोड़ की निकासी

एजेंसी, नई दिल्ली

जुलाई और अगस्त में लगातार लिवाल (बायर) की भूमिका में बने रहने के बाद अब सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बिकवाल (सेलर) की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सितंबर के पहले दो कारोबारी सप्ताह में ही भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की निकासी कर ली गई है। माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और डॉलर के मजबूत होने से विदेशी निवेशकों

की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक दुनिया भर के ज्यादातर स्टॉक मार्केट में बिकवाली कर अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 2026 में ज्यादातर समय तक बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे हैं। फरवरी, जुलाई और अगस्त के अलावा 2026 के शेष सभी महीनों में विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करके घरेलू शेयर बाजार से अपना पैसा निकालते रहे हैं। खासकर, मार्च के महीने में विदेशी निवेशकों ने जोरदार बिकवाली की। इसके बाद जुलाई के पहले के लगातार तीन महीने यानी जून, मई और अप्रैल में भी एफपीआई घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए थे। हालांकि, जुलाई के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की। इस महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 20,199 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।